door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 107 | गुवाहाटी | सोमवार, 13 नवंबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

हिंदू उत्सव में प्रदूषण दिखता है, ईद में नहीं : अशोक सिंघल पेज 3
भारी बर्फबारी : 4,000 फीट ऊंचाई पर जवानों ने मनाई दिवाली पेज 4
यूपी एटीएस ने आईएस के चार संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया पेज 5
खरीदने जा रहे बेडशीट तो रखें इन बातों पर ध्यान पेज 8

पाठकों से

तकनीकी कारणों के चलते हम आज और कल आठ पृष्ठों का **विकसित भारत समाचार** दे पा रहे हैं। इसके लिए हमें खेद है। बुधवार से पुनः 12 पृष्ठों का अपना अखबार आप पा सकेंगे।

प्रबंधक
विकसित भारत समाचार

पूर्वांचल কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

सुप्रभात

भलाई करना कर्तव्य नहीं, आनंद है, क्योंकि वह तुम्हारे स्वास्थ्य और सुख की वृद्धि करता है।

- जरथुष्ट्र

न्यूज गैलरी

उज्जैन में लगी भीषण आग

उज्जैन। निजातपुरा क्षेत्र के सागर फ्लेक्स नामक दुकान में भीषण आग लगने से 2 लोग भी झुलस गए हैं। लाखों रुपए की कीमत का माल भी जलकर खाक हो गया है। पांच से अधिक दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंच गई थीं। बता दें कि निजातपुरा क्षेत्र के सागर फ्लेक्स नामक दुकान में अचानक -शेष पृष्ठ दो पर

जब तक बहादुर जवान सीमाओं पर खड़े हैं, भारत सुरक्षित है : पीएम

लेप्चा (हिप्र)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि देश से बढ़ती वैश्विक अपेक्षा के समय शांति बनाए रखने और भारत की सीमाओं को सुरक्षित रखने में सुरक्षा बलों की बड़ी भूमिका है। सैनिकों के साथ दिवाली मनाने की परंपरा को बरकरार रखते हुए प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भारत रक्षा क्षेत्र में तेजी से एक बड़ी वैश्विक ताकत के रूप में उभर रहा है और इसके सुरक्षा बलों की क्षमताएं लगातार बढ़ रही हैं। मोदी ने रविवार को हिमाचल प्रदेश के लेप्चा में सुरक्षाबलों के साथ दिवाली मनाई और उनके अटूट साहस की सराहना करते हुए कहा कि जब तक देश की सीमाओं पर बहादुर जवान खड़े हैं, तब तक भारत सुरक्षित है। प्रधानमंत्री ने सीमा के पास तैनात सुरक्षाकर्मियों के साथ दिवाली मनाने के बाद यहां जवानों को संबोधित किया। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) की वर्दी पहने मोदी ने कहा कि ऐसे महत्वपूर्ण समय में यह जरूरी है कि भारत की सीमाएं सुरक्षित रहें और देश में शांति का माहौल रहे और इसमें आपकी बड़ी भूमिका है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत तब तक सुरक्षित है, जब तक मेरे बहादुर जवान हिमालय की तरह सीमाओं पर खड़े हैं। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद, इन बहादुरों (सेना के जवानों) ने कई युद्ध लड़े और देश का दिल जीता... हमारे जवानों ने चुनौतियों का सामना करते हुए विजय हासिल की है। मोदी ने जवानों से कहा कि कहा जाता है कि पर्व वहां होता है, जहां परिवार है। त्योहारों पर, परिवार से दूर रहना और सीमाओं पर तैनात रहना कर्तव्य के प्रति प्रतिबद्धता का उदाहरण है... देश आपका ऋणी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इसलिए, दिवाली पर, एक दीया आपकी सुरक्षा के लिए है और हर प्रार्थना में लोग आपकी सुरक्षा की कामना करते हैं। मोदी ने कहा कि 30-35 साल से ऐसी कोई दिवाली नहीं रही, जो मैंने आपके साथ न मनाई हो। जब मैं न तो प्रधानमंत्री था और न ही मुख्यमंत्री, तब मैंने सीमावर्ती इलाकों में आपके बीच दिवाली मनाई थी। उन्होंने कहा कि भारत के सैनिक हमेशा अपनी जान जोखिम में डालकर आगे बढ़े हैं और हमेशा साबित किया है कि वे सीमाओं पर *सबसे मजबूत दीवार* हैं। मोदी ने कहा कि मेरे लिए वह जगह, जहां हमारे सुरक्षा बल तैनात हों, वह किसी मंदिर से कम नहीं है। प्रधानमंत्री ने भूकंप प्रभावित क्षेत्रों में निकासी और अन्य आपदाओं के दौरान सशस्त्र बलों द्वारा निभाई गई भूमिका की भी सराहना की। मोदी ने कहा कि जब हमें सूडान से लोगों को बाहर निकालना था, तो भारत के बहादुरों ने साहस के साथ मिशन पूरा किया... जब तुर्किये में भूकंप आया, तो उन्होंने लोगों को बचाने के लिए अपनी जान जोखिम में डाल दी। उन्होंने कहा कि जहां भी भारतीय खतरे में हैं, सुरक्षा बल हमेशा उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मोदी ने कहा कि हमें अपनी सेना और सैनिकों पर गर्व है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं देश के आखिरी गांव, जिसे मैं पहला गांव कहता हूं, वहां मैं सुरक्षा बलों के साथ दिवाली मना रहा हूं। यहां से दिवाली की शुभकामनाएं विशेष हैं। उन्होंने कहा कि पिछली दिवाली से लेकर इस दिवाली तक का समय भारत के लिए अभूतपूर्व उपलब्धियों से भरा रहा है। -शेष पृष्ठ दो पर

सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने साझा की आकर्षक तस्वीर

ब्रह्मपुत्र नदी पर बने कोलिया भोमोरा पुल के बैकग्राउंड में हिमालय

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को ब्रह्मपुत्र नदी बने एक पुल की तस्वीर को सोशल मीडिया पर साझा किया है। इसके बैकग्राउंड में हिमालय पर्वत की पहाड़ियां नजर आ रही हैं। इसके साथ ही शर्मा ने लिखा कि इतना सुंदर, इतना मनोहर, बिल्कुल वाह जैसा लग रहा है! कोलिया भोमोरा सेतु नाम का यह पुल सोनितपुर जिले के तेजपुर शहर में है। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने कहा कि एक प्रदूषण मुक्त वातावरण ने इस शानदार पर्वत श्रृंखला की चोटियों की स्पष्ट दृश्यता को सक्षम किया। उन्होंने कहा कि क्या प्रभावशाली नजारा है! तेजपुर के कोलिया भोमोरा सेतु से सर्दियों की सुबह शक्तिशाली हिमालय दिखाई देता है। कम एक्यूआई और प्रदूषण मुक्त वातावरण अरुणाचल-तिब्बत सीमा के पास स्थित शानदार पर्वत श्रृंखला की चोटियों की स्पष्ट दृष्यता को सक्षम बनाता है। -शेष पृष्ठ दो पर

भारत के साथ लड़ाई नहीं चाहता कनाडा : ट्रूडो

ओटावा। खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर कनाडा और भारत के बीच तनाव अभी खत्म नहीं हुई है। इस बीच, प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने एक बार फिर अपने दावों को दोहराया है। उन्होंने कहा कि कनाडा अभी भारत के साथ लड़ाई नहीं करना चाहता है लेकिन इस बेहद गंभीर मामले पर नई दिल्ली के साथ रचनात्मक ढंग से काम करना चाहता है। ट्रूडो ने शुक्रवार को मीडिया को संबोधित करते हुए यह -शेष पृष्ठ दो पर

मानव तस्करी : आठ राज्यों से 44 लोग गिरफ्तार

आगरतला। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) द्वारा मानव तस्करी और घुसपैठ के खिलाफ राष्ट्रव्यापी छापेमारी के तहत लगभग 25 लोगों को गिरफ्तार किया है। त्रिपुरा पुलिस ने रविवार को अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने के आरोप में 14 बांग्लादेशियों को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने रविवार को इस बात की जानकारी दी है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि चार महिलाओं और चार बच्चों सहित 14 बांग्लादेशी नागरिकों को दक्षिणी त्रिपुरा के -शेष पृष्ठ दो पर

उत्तरकाशी में निर्माणाधीन सुरंग टूटी, 40 श्रमिक फंसे

उत्तरकाशी। उत्तरकाशी जिले में ब्रहमखाल-यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर सिलक्यारा से डंडालगांव के बीच निर्माणाधीन सुरंग का एक हिस्सा रविवार तड़के अचानक टूट गया जिससे उसमें काम कर रहे करीब 40 श्रमिक अंदर फंस गए। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, हादसा सिलक्यारा की तरफ तड़के करीब चार बजे हुआ जब साढ़े चार किलोमीटर लंबी निर्माणाधीन सुरंग का करीब 150 मीटर हिस्सा टूट गया। घटना की जानकारी मिलते ही उत्तरकाशी के पुलिस अधीक्षक अर्पण यदुवंशी तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्यों की कमान संभाली। मौके पर पुलिस, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, राज्य आपदा मोचन बल, अग्निशमन, आपातकालीन 108 व सुरंग का निर्माण करा रही संस्था राष्ट्रीय राजमार्ग एवं अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (एनएचआईडीसीएल) के कर्मचारी भी मौके पर सुरंग खुलवाने के काम में जुटे हुए हैं। हर मौसम के अनुकूल चार धाम सड़क परियोजना के तहत बन रही इस सुरंग के बनने से उत्तरकाशी से यमुनोत्री धाम तक का सफर 26 किलोमीटर कम हो जाएगा। उधर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के सिलक्यारा के पास टनल निर्माण के समय एक हिस्सा गिरने से मलबा में फंसे श्रमिकों के राहत और बचाव की मुख्यमंत्री धामी से फोन पर बातचीत कर जानकारी ली। मुख्यमंत्री धामी ने सोशल मीडिया के माध्यम से यह जानकारी दी। उन्होंने बताया किलेपचा, हिमाचल प्रदेश से लौटते ही प्रधानमंत्री का फोन आया। प्रधानमंत्री आज उत्तरकाशी के सिल्क्यारा के पास टनल निर्माण के समय मलबा आने की वजह से टनल में फंसे श्रमिकों की स्थिति, राहत व बचाव कार्यों के संबंध में विस्तृत जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को श्रमिकों को सकुशल बाहर निकालने के लिए संचालित बचाव कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी और वस्तु स्थिति से अवगत कराया। प्रधानमंत्री ने इस हादसे से निपटने के लिए हर संभव मदद का आश्वासन दिया। भारत सरकार की ओर से केंद्रीय एजेंसियों को राहत और बचाव कार्यों में सहयोग करने के लिए निर्देशित कर दिया गया है।

पाकिस्तान के जेल से मुक्त हुए 80 मछुआरे पहुंचे वडोदरा

वडोदरा (हि.स.)। गुजरात और केंद्र शासित प्रदेश के 80 मछुआरे रविवार को ट्रेन के जरिए वाघा बार्डर से वडोदरा रेलवे स्टेशन पहुंचे। यहां राज्य के मत्स्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत कर उन्हें दो एसी लग्जरी बसों से वेरावल के लिए रवाना किया। वाघा वार्डर पर 10 नवंबर की रात इन सभी मछुआरों को सभी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद गुजरात सरकार के मत्स्य विभाग के अधिकारियों के हवाले किया गया। इसके बाद इन सभी को ट्रेन से वडोदरा -शेष पृष्ठ दो पर

MCJ® Beauty with Purity
MANIK CHAND™
JEWELLERS
GOLD • DIAMOND • PLATINUM
SHUBH DIWALI
Flat 25% OFF* On Making Charge of Gold Ornaments
Flat 5% OFF* On Diamond/ Platinum Ornaments
*Offer valid from 5th Nov to 15th Nov, 2023
*Condition Apply
IJSF INDIA JEWELLERY SHOPPING FESTIVAL 2023
MCJ KRISHAN SONI GROUP
Chamkegi Sabki Kismat!
• Christian Basti, G.S. Road, Guwahati-5, Ph.: 2343186 / 2343189
• Shoppers Point, 1st flr, H.B.Rd., Guwahati-1, Ph.: 2732767 / 2736102
• K. C. Road, Fancy Bazar, Guwahati-1, Ph.: 2547454 / 2516922
• TIME SQUARE MALL, R. G. Baruah Road, Sunderpur, Guwahati-5, Ph.: 2203101/ 9678068936
• IMPERIAL MALL, G. Floor, Club Road, Silchar, Ph.: 03842-236002, 236004
• Hotel COURTYARD BY MARRIOTT, Jail Road, Police Bazar, Shillong, Ph. : 0364-2912990 | Mobile 9678068930
Email : info@mcj.net.in 9678068937 manikchandjewellersgs www.facebook.com / Manik-Chand-Jewellers-969752743149007 Web : www.manikchandjewellers.com

दीवाली मंगलमय हो
শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road, Athgaon
Guwahati-781001
98648-02947
70025-06581

+91 7002506581
সুমন ফাইবাৰ এণ্ড ইনটেৰিঅ'ৰ
sfi
SUMAN
FIBRE & INTERIOR
Siddiqui Ali Commercial Complex, S.J. Road, Athgaon, Guwahati-781001
शुभ दीपावली
WHOLESALER OF :
PVC FALSE CEILING & WALL PANEL, DOOR FITTINGS, PLYWOOD, SUNMICA
POWER TOOLS, MODULAR KITCHEN & ACCESSORIES

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

संघर्ष-विराम की मांग को बेंजामिन नेतन्याहू ने फिर किया खारिज

खान यूनिस (गाजा पट्टी)। इजराइल ने गाजा पट्टी के सबसे बड़े अस्पताल के पास अपने सैनिकों और हमास लड़ाकों में भीषण लड़ाई के बीच क्षेत्र में शनिवार को पूरी रात और रविवार सुबह बड़े पैमाने पर हवाई हमले किए और गोले बरसाए। स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि अस्पताल में बिजली आपूर्ति ठप पड़ने और अहम चीजों की उपलब्धता घटने के बीच हजारों चिकित्साकर्मी, मरीज और विस्थापित लोग फंसे हुए हैं। इससे पहले, इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने संघर्ष-विराम की बढ़ती अंतर्राष्ट्रीय अपील को शनिवार को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि गाजा पट्टी में सत्तारूढ़ हमास चरमपंथियों को कुचलने के लिए इजराइल की लड़ाई *पूरी ताकत* के साथ जारी रहेगी। टेलीविजन पर दिए संबोधन में नेतन्याहू ने स्पष्ट किया कि संघर्ष-विराम तभी संभव है, जब गाजा में चरमपंथियों द्वारा बंधक बनाए गए 239 लोगों को रिहा किया जाएगा। इजराइल ने गाजा में हमास के 16 साल के शासन को खत्म करने और उसकी सैन्य क्षमताओं को कुचलने का संकल्प लिया है। उसने क्षेत्र में फंसे 23 लाख फलस्तीनियों पर युद्ध से पड़ने वाले असर के लिए हमास चरमपंथियों को दोषी ठहराया है। युद्ध के छठे हफ्ते में प्रवेश करने के साथ ही इजराइल पर अस्थाई संघर्ष-विराम के लिए अंतर्राष्ट्रीय दबाव बढ़ रहा है। शनिवार को सऊदी अरब में 57 देशों के मुस्लिम और अरब नेताओं की एक बैठक में युद्ध समाप्त करने का आह्वान किया

गया। वहीं, लंदन में लगभग 3,00,000 फलस्तीन समर्थक प्रदर्शनकारियों ने शांतिपूर्वक मार्च निकाला। यह इजराइल और हमास के बीच युद्ध शुरू होने के बाद से शहर में सबसे बड़ा प्रदर्शन है। नेतन्याहू ने अपने संबोधन में जोर देकर कहा कि युद्ध के बाद गाजा का असैनिकीकरण किया जाएगा और इजराइल क्षेत्र में अपना सुरक्षा नियंत्रण बनाए रखेगा। यह रुख इजराइल के निकटतम सहयोगी अमेरिका द्वारा युद्ध के बाद के परिदृश्यों को लेकर व्यक्त किए गए विचारों के विपरीत है। अमेरिका ने कहा था कि वह क्षेत्र के फिर से इजराइल के कब्जे में जाने का विरोध करता है। यह पूछे जाने पर कि सुरक्षा नियंत्रण से उनका क्या मतलब है, नेतन्याहू ने कहा कि चरमपंथियों को पकड़ने के लिए जब जरूरी हो, इजराइली सेना गाजा में प्रवेश करने में सक्षम होनी चाहिए। गाजा के सबसे बड़े अस्पताल के चिकित्सकों ने कहा था कि क्षेत्र के आखिरी जनरेटर का ईंधन खत्म होने से समय से पहले जन्मे एक शिशु, इंक्यूबेटर में रखे गए एक बच्चे और चार अन्य मरीजों की मौत हो गई है। चिकित्सकों के इस बयान में बाद इजराइल पर संघर्ष-विराम का दबाव बढ़ रहा है। युद्ध में घायल हजारों लोग, चिकित्सा कर्मचारी और विस्थापित नागरिक युद्ध क्षेत्र में फंस हुये हैं। दरअसल, इजराइल ने शिफा अस्पताल को हमास की मुख्य कमान चौकी के रूप में चित्रित करते हुए कहा है कि आतंकवादी वहां नागरिकों का ढाल के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं और उन्होंने इसके नीचे बंकर बनाए हैं। हालांकि, इस दावे का हमास के साथ ही शिफा प्रशासन ने खंडन किया है। हाल के दिनों में, उत्तरी गाजा में शिफा और अन्य अस्पतालों के पास लड़ाई तेज हो गई है, जिससे वहां जरूरी चीजों की आपूर्ति ठप पड़ गई है। शिफा के निदेशक मोहम्मद अबू सेल्मिया ने गोलियों और विस्फोटों की आवाज के बीच फोन पर बात करते हुए कहा कि बिजली नहीं है। चिकित्सा उपकरण बंद हो गए हैं। मरीजों, विशेष रूप से गहन देखभाल इकाई में रखे गए लोगों की मौत होने लगी है। अबू सेल्मिया ने कहा कि इजराइली सैनिक अस्पताल के बाहर या अंदर किसी को भी गोली मार रहे हैं और परिसर में इमारतों के बीच आवाजाही रोक दी है। इजराइल की सेना ने अस्पताल के बाहर झड़प की पुष्टि की, लेकिन रियर एडमिरल डैनियल हगारी ने इस बात से इनकार किया कि शिफा की घेराबंदी की गई है। उन्होंने कहा कि सैनिक शिफा में इलाज करा रहे शिशुओं को वहां से स्थानांतरित करने में रविवार को मदद करेंगे। हगारी ने दावा किया कि हम अस्पताल के कर्मचारियों के साथ सीधे और नियमित रूप से बात कर रहे हैं। इजराइल के सैन्य खुफिया विभाग के पूर्व प्रमुख अमोस यादलिन ने कहा कि चूंकि इजराइल का लक्ष्य हमास को कुचलना है, इसलिए अस्पतालों पर नियंत्रण कायम करना महत्वपूर्ण होगा, लेकिन इस दौरान मरीजों, अन्य नागरिकों और इजराइली बंधकों को नुकसान न पहुंचे, इसके लिए बहुत सारी सामरिक रचनात्मकता की भी आवश्यकता पड़ेगी।

मणिपुर हिंसा के बारे में एक शब्द बोलने में पीएम को 80 दिन लग गए : विजयन

तिरुवनंतपुरम। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने रविवार को भाजपा नीत केंद्र सरकार पर हमला बोला और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मणिपुर में हिंसा के बारे में एक शब्द भी बोलने में 80 दिन लग गए। विजयन ने पत्रकार जॉर्ज कल्लीवायलिल की किताब *मणिपुर एफआईआर* का विमोचन करते हुए कहा कि केंद्रीय मंत्रियों ने इस साल मई में भड़की हिंसा के मामले में तीन महीने तक पूर्वोत्तर राज्य का दौरा करने की भी परवाह नहीं की। वाम नेता ने यहां आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि ऐसे समय में जब मुख्यधारा का मीडिया मणिपुर से हिंसा की खबरों को हल्का कर रहा है या पूरी तरह नजरअंदाज कर रहा है, कल्लिवालिल ने वहां मानवता के खिलाफ हो रहे अपराधों का दस्तावेजीकरण करने की पहल की है। उन्होंने कहा कि मणिपुर पिछले छह महीनों से हिंसा की चपेट में है। कुछ मीडिया आउटलेट्स घंटों के भीतर ही इस्राइल पहुंच गए, लेकिन उन्होंने अभी तक मणिपुर की स्थिति को कवर नहीं किया है। इससे प्रमुख मीडिया घरानों की प्राथमिकताओं के बारे में स्पष्ट हो जाता है और वे किसके हितों के साथ गठबंधन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि हिंसा भड़कने के तुरंत बाद विपक्ष के वरिष्ठ नेताओं ने राज्य का दौरा किया लेकिन न तो प्रधानमंत्री और न ही मंत्रियों ने मामले को देखने की चिंता की। विजयन ने कहा कि हिंसा मई 2023 में शुरू हुई थी। देश के प्रधानमंत्री को मणिपुर के बारे में एक शब्द बोलने में 80 दिन लग गए और वह भी तब जब वहां हो रही बर्बर घटनाओं की खबरें सामने आईं। तब तक वह पूरी तरह चुप थे। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि ऐसी घटनाओं के दोषियों को गिरफ्तार करने के बजाय वहां की बर्बर घटनाओं को कवर करने और उसे दुनिया के सामने लाने वालों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए। एक आधिकारिक रिपोर्ट का हवाला देते हुए विजयन ने कहा कि इस घटना में 200 लोगों की मौत हो गई और 1,000 से अधिक घायल हो गए, जबकि लगभग 5,000 घर जल गए। मुख्यमंत्री ने एक कार्यक्रम में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रमेश चेन्निथला को पुस्तक सौंपी, जिसमें राज्य के मंत्री पी राजीव, दिल्ली में केरल सरकार के विशेष दूत केवी थॉमस, सांसद हिबी ईडन, एएम आरिफ, थॉमस चझिक्कादन, विधायक टीजे विनोद, अनवर सदत, केसी जोसेफ, रोजी एम जॉन और पूर्व राजनयिक वेणु राजमणि शामिल हुए।

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत

गोलाघाट (हिंस)। गोलाघाट जिले के मरंगी पंका गांव में सप्त शहीद रोड पर हुए सड़क हादसे में एक बाइक सवार की मौत हो गई। पुलिस ने आज बताया कि नुमलीगढ़ ग्रामीण थाना अंतर्गत इलाके में हुए इस हादसे में मरनेवाले युवक की पहचान मरंगी तेलिया गांव के दिव्यजीत सैकिया (दीपू) के रूप में हुई है। यह दुर्घटना उस समय हुई जब नुमलीगढ़ रिफाइनरी में मजदूरी करने वाला मृतक बाइक (एएस-05एम-6741) से बीती देर रात को घर वापस जा रहा था। मृतक अपने पीछे डेढ़ साल के संतान के साथ ही माता-पिता और पत्नी को छोड़ गया। दिव्यजीत के निधन से गांव में सन्नाटा छा गया है।

शराईघाट पुल से ब्रह्मपुत्र में युवक ने लगाई छलांग

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी में आज शराईघाट पुल से ब्रह्मपुत्र नद में एक युवक ने छलांग लगा दी। पुलिस ने बताया कि पुल पर युवक का वैगन आर (एएस-01एजी-5321) वाहन बरामद किया गया। युवक की पहचान राजब्रत बोरा के रूप में की गई है। शख्स का आधार कार्ड भी बरामद किया गया है। बरामद वाहन की जांच की जा रही है। नदी पुलिस ब्रह्मपुत्र में व्यक्ति की तलाश कर रही है।

ग्राहक बनकर लाखों की साड़ी पर हाथ साफ कर गई महिमलाएं

चेन्नई। तमिलनाडु के चेन्नई में चोरी का एक अनोखा मामला सामने आया है। यहां एक महिला गिरोह ने पहले 7 लाख की साड़ियां चुराईं। इसके बाद उन्होंने इन साड़ियों को वापस पुलिस को पार्सल कर दिया। जानकारी के अनुसार, बीते 28 अक्तूबर को बेसेंट नगर की एक दुकान से महिला गिरोह ने साड़ियों के बंडल पर हाथ साफ कर दिया था। इसके बाद पुलिस ने महिला गिरोह की तलाश शुरू की। हालांकि,

पुलिस की कार्रवाई के डर से चोरों ने साड़ियों के बंडल को चेन्नई के शास्त्री नगर थाने में भेज दिया। हालांकि, जब शास्त्री नगर थाने में मौजूद पुलिसकर्मियों ने उसे बंडल को देखा तो उन्होंने लगा कि उन्हें दिवाली का गिफ्ट दिया गया है। लेकिन कुछ देर बाद आंध्र प्रदेश की विजयवाड़ा पुलिस से फोन आया और उन्हें बताया कि गया कि ये साड़ियां चोरी की गई थी। बता दें कि चुराई गई साड़ियों की कीमत करीब सात लाख रुपए बताई जा रही है। इसके बाद चेन्नई पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे को खंगाला और मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है। हालांकि, पुलिस को महिला गिरोह के संबंध में कोई जानकारी नहीं मिल पाई। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि गिरोह में छह या सात महिलाएं शामिल थीं, जो सभी साड़ी पहने हुए थीं। उन्होंने जो साड़ियां चुराईं, उनकी कीमत 30 हजार से ऊपर थी और कुछ की कीमत 70 हजार थी। चेन्नई पुलिस को संदेह है कि यह गिरोह विजयवाड़ा का था और उसने इस चोरी के बारे में वहां की पुलिस को जानकारी दी।

गर्लफ्रेंड से रेप कर 111 बार चाकू मारकर हत्या करने वाले आरोपी को पुतिन ने किया रिहा

मॉस्को। रूस राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने एक अजीबोगरीब फैसला लिया है, जिसके बाद उनकी काफी आलोचना हो रही है। रूस में एक शख्स ने अपनी गर्लफ्रेंड की बेरहमी से हत्या की थी। पुतिन ने हत्यारे के दोषी की सजा को माफ कर दिया है, क्योंकि यह शख्स अब युक्रेन के खिलाफ युद्ध लड़ रहा है। इस शख्स ने गर्लफ्रेंड का बलात्कार करने के बाद बड़ी बेरहमी से हत्या कर दी थी। उसने अपनी पूर्व प्रेमिका को मारने के लिए 111 बार चाकू से गोदा था। द सन की रिपोर्ट के मुताबिक, व्लादिस्लाव कान्यस ने अपनी पूर्व प्रेमिका वेरा पेखटेलेवा की बेरहमी से हत्या की थी। इसके बाद उसे कोर्ट ने 17 साल की सजा सुनाई, लेकिन अभी उसने सजा का सिर्फ एक साल से कम का समय काटा है। अब कैनियस को रिहा करने का फैसला किया गया है। वेरा की मां ओक्साना ने कहा कि यह उनके लिए झटका है कि उनकी बेटी के हत्यारे को जेल से बाहर आने की अनुमति दे दी गई। बता दें कि, वेरा पेक्टेलेवा ने व्लादिस्लाव कान्युस से ब्रेकअप कर लिया था, जिससे वह घबरा गया है

और उसकी बेरहमी से हत्या कर दी। कैनियस ने उससे रिश्ता तोड़ने के लिए अपनी पूर्व प्रेमिका पर 111 बार चाकू से हमला किया, उसके साथ साढ़े तीन घंटे तक बलात्कार किया और उसे प्रताड़ित किया। द सन की रिपोर्ट के अनुसार, फिर उसने लोहे की केबल से उसका गला घोंट दिया, अंतत: उसकी मौत हो गई। वेरा की मां ओक्साना ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि यह मेरे लिए एक आघात है। मैं एक बहुत मजबूत व्यक्ति हूं, लेकिन हमारे देश की यह अराजकता मुझे एक मृत अंत में धकेल देती है। मुझे नहीं पता कि आगे क्या करना है। एक क्रूर हत्यारे को हथियार कैसे दिया जा सकता है? उसे रूस की रक्षा के लिए युद्ध के मोर्चे पर क्यों भेजा गया? वह कोई इंसान नहीं, शैतान है। वह (हत्यारा) किसी भी क्षण बदला लेने के लिए हममें से किसी को भी मार सकता है। मेरी जान को भी उससे खतरा है। महिला अधिकार कार्यकर्ता अलयोना पोपोवा ने बुधवार को कहा कि जेल अधिकारियों ने कान्यस को यूक्रेन की सीमा से लगे दक्षिणी रूस के रोस्तोव भेजे जाने की पुष्टि की है। उन्होंने 3 नवंबर को रूसी अभियोजक जनरल के कार्यालय से एक पत्र साझा किया, जिसमें कहा गया था कि कान्यस को माफ कर दिया गया था,और 27 अप्रैल को राष्ट्रपति के आदेश की तरफ से उनकी सजा को खत्म कर दिया गया था।

पृष्ठ एक का शेष

जब तक बहादुर ...

मोदी ने चंद्रयान-3, आदित्य एल1 प्रक्षेपण, एशियाई और पैरालंपिक खेलों में 100 से अधिक पदक जीतना, नए संसद भवन में प्रवेश, महिला आरक्षण विधेयक का पारित होना, जी20 का सफल आयोजन और भारत का जीडीपी के मामले में दुनिया में पांचवां सबसे बड़ा देश बनना जैसी भारत की उपलब्धियां गिनाईं। प्रधानमंत्री ने जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि अगर भारत अपनी पूरी ताकत से विकास की ऊंचाइयों को छू रहा है, तो इसका श्रेय आपकी क्षमताओं, संकल्प और बलिदान को भी जाता है। उन्होंने कहा कि भारत के सुरक्षा बलों की क्षमताएं लगातार बढ़ रही हैं और भारत तेजी से रक्षा क्षेत्र में एक बड़ी वैश्विक ताकत के रूप में उभर रहा है। मोदी ने यह भी बताया कि हाल के वर्षों में 500 से अधिक महिला अधिकारियों को सेना में स्थायी कमीशन दिया गया है। वह रविवार सुबह लेप्चा पहुंचे। उन्होंने सोशल मीडिया पर सैनिकों के साथ अपनी मुलाकात की तस्वीरें साझा कीं, जिनमें वह उन्हें मिठाई खिलाते भी नजर आ रहे हैं। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, हिमाचल प्रदेश के लेप्चा में हमारे बहादुर सुरक्षाबलों के साथ दिवाली मनाना गहरी भावनाओं और गर्व से भरा अनुभव साबित हुआ। उन्होंने लिखा, अपने परिवार से दूर रह रहे हमारे राष्ट्र के रक्षक अपने समर्पण से हमारे जीवन को रोशन करते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारे सुरक्षाबलों का साहस अटूट है। अपने प्रियजनों से दूर, सबसे दुर्गम इलाकों में तैनाती के दौरान उनका त्याग और समर्पण हमें सुरक्षित रखता है। उन्होंने कहा कि भारत हमेशा इन नायकों का आभारी रहेगा, जो बहादुरी और लचीलेपन के आदर्श प्रतीक हैं। साल 2014 में सत्ता में आने के बाद से ही मोदी दिवाली मनाने के लिए सैन्य प्रतिष्ठानों का दौरा करते आए हैं। प्रधानमंत्री ने 2014 में सियाचिन ग्लेशियर पर सैनिकों के साथ दिवाली मनाई थी। इसके अगले वर्ष, पाकिस्तान के साथ 1965 के युद्ध की 50वीं वर्षगांठ पर उन्होंने पंजाब में तीन स्मारकों का दौरा किया था, जहां भारतीय सशस्त्र बलों ने भीषण लड़ाई लड़ी थी, जो देश की जीत में महत्वपूर्ण साबित हुई थी। वर्ष 2016 में मोदी ने चीन सीमा के पास सुमदोह में भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी), डोगरा स्काउट्स और सेना के कर्मियों से मिलने के लिए हिमाचल प्रदेश की यात्रा की थी। मोदी 2017 में उत्तर कश्मीर के गुरेज सेक्टर में थे, जबकि 2018 में उन्होंने उत्तराखंड के हर्षिल में दिवाली मनाने के बाद केदारनाथ की यात्रा की थी। साल 2019 में दोबारा प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी ने जम्मू-कश्मीर के राजौरी में दिवाली मनाई थी। 2020 में दिवाली पर वह लोंगेवाला की सीमा चौकी पर थे और 2021 में उन्होंने नौशेरा में सैनिकों के साथ यह त्योहार मनाया था। प्रधानमंत्री ने पिछले साल कारगिल में सशस्त्र बलों के साथ दिवाली मनाई थी।

ब्रह्मपुत्र नदी पर...

इसे गौतम डेका द्वारा कैप्चर किया गया है। दरअसल, सोशल मीडिया पर इन दिनों एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें एक महिला सोशल मीडिया पर अपनी दुकान के कपड़ों को बेचते हुए कहती है कि सो ब्यूटीफुल, सो एलिजेंट, जस्ट लुकिंग लाइक अ वॉव। अब उसका यह वाक्यांश सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। इस वाक्यांश का इस्तेमाल बॉलीवुड कलाकार रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोण, निक जोनस और ईशान किशन जैसी हस्तियां भी कर चुकी हैं। कोलिया भोमोरा सेतु 1987 में बनाया गया था। यह उत्तरी तट पर सोनितपुर जिले के तेजपुर को नदी के दक्षिणी तट पर नागांव जिले के कलियाबोर से जोड़ता है। इस पुल का नाम असमिया जनरल कालिया भोमोरा फुकन के नाम पर रखा गया है। महज तीन किलोमीटर लंबा यह पुल सात पूर्वोत्तर राज्यों को देश के बाकी हिस्सों जोड़ने में अहम भूमिका निभाता है।

उज्जैन में लगी ...

आज भीषण आग लग गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार दुकान में मौजूद 2 लोग भी आग की चपेट में आ गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। आपको बता दें कि पूरा मामला उज्जैन के निजातपुरा क्षेत्र का है जहां सागर फ्लेक्स नामक दुकान में अज्ञात कारण के चलते अचानक आग लग गई वहीं दुकान के अंदर रखा हुआ माल भी जलकर खाक हो गया आग लगने की सूचना मिलने के बाद दमकल की 5 से ज्यादा गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग बुझाने का काम शुरू किया फायरफाइटर ने बताया कि निजातपुरा के सागर फ्लेक्स दुकान में अचानक अज्ञात कारण के चलते आग लग गई जिससे दुकान मालिक भी आग की चपेट में आ गया फिलहाल 5 से अधिक फायर ब्रिगेड की गाड़ियां ने मौके पर पहुंच कर आग बुझाने का कार्य शुरू किया गया। इसी के साथ बताया जा रहा है कि दमकल को खबर करने के लिए फोन लगाया गया तो वहां किसी ने फोन नहीं उठाया और जब किसी ने फोन नहीं उठाया तो एक लड़की अपनी गाड़ी से दमकल को सूचना देने के लिए पहुंची इसके बाद घटनास्थल पर दमकल कर्मी पहुंचे हैं दमकल कर्मियों पर तीसरी मंजिल पर चढ़ने के लिए साधन भी नहीं थे जिससे आग ने भयानक रूप ले लिया।

भारत के साथ...

भी आरोप लगाया कि भारत ने वियना संधि का उल्लंघन किया है। नई दिल्ली ने 40 से अधिक कनाडाई राजनयिकों से राजनयिक छूट वापस लेने की चेतावनी दी थी। इसके बाद कनाडा ने अपने राजनयिकों को भारत से स्थानांतरित कर दिया गया था। इस साल 18 जून ब्रिटिश कोलंबिया में खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या कर दी गई थी। ट्रूडो ने सितंबर में देश की संसद को संबोधित करते हुए निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की संभावित संलिप्तता का आरोप लगाया था। इसके बाद दोनों देशों के बीच संबंधों में काफी तनाव आ गया था। भारत ने 2020 में निज्जर को आतंकवादी घोषित किया था। भारत ने ट्रूडो के आरोपों को बेतुका और प्रेरित बताते हुए खारिज कर दिया था। ट्रूडो ने कहा कि उनकी सरकार ने भारत से संपर्क किया है और उनसे इस मामले की तह तक जाने के लिए मिलकर काम करने को कहा है। मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हमें शुरुआत से ही जब कनाडा की धरती पर एक कनाडाई नागरिक की हत्या में भारत सरकार के एजेंटों के शामिल होने के विश्वसनीय आरोपों के बारे में पता चला, तो हमने भारत से संपर्क किया और उनसे इस मामले की तह तक जाने के लिए हमारे साथ काम करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि कनाडा ने अंतर्राष्ट्रीय कानून और लोकतंत्र की संप्रभुता के इस गंभीर उल्लंघन पर काम करने के लिए अमेरिका और अन्य मित्रों और सहयोगियों से भी संपर्क किया और कहा कि यह कुछ ऐसा है जिसे हम बहुत गंभीरता से ले रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि हम सभी भागीदारों के साथ काम करना जारी रखेंगे क्योंकि कानून प्रवर्तन और जांच एजेंसियां अपना काम करना जारी रखती हैं। कनाडा एक ऐसा देश है जो हमेशा कानून के शासन के लिए खड़ा रहेगा। उन्होंने कहा कि अगर बड़े देश बिना किसी परिणाम के अंतर्राष्ट्रीय कानून का उल्लंघन कर सकते हैं, तो पूरी दुनिया सभी के लिए अधिक खतरनाक हो जाती है।

मानव तस्करी : आठ ...

सीमावर्ती सबरूम में एक घर से गिरफ्तार किया गया। एक अधिकारी ने बताया कि बांग्लादेश के नागरिकों ने शनिवार को अवैध रूप से दक्षिणी त्रिपुरा में प्रवेश किया और सबरूम उपखंड के बैष्णबपुर गांव में एक भारतीय के घर पर रुके। बांग्लादेशियों ने पुलिस को बताया कि वे नौकरी की तलाश में बेंगलुरु जाने की कोशिश कर रहे हैं। हम उनके दावों की पुष्टि कर रहे हैं। उस घर के मालिक सहित दो भारतीयों को भी गिरफ्तार किया गया, जहां वे शनिवार की रात विश्राम कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पुलिस सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के साथ मिलकर विदेशी नागरिकों के अवैध प्रवेश की जांच कर रही है, जिन्हें जल्द ही स्थानीय अदालत में पेश किया जाएगा। इस बीच, एनआईए ने असम पुलिस के साथ मिलकर 8 नवंबर को मानव तस्करी और घुसपैठ से संबंधित गतिविधियों में कथित संलिप्तता के लिए 25 लोगों को गिरफ्तार किया, जिसमें त्रिपुरा में 21 और असम में 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार व्यक्तियों को पूछताछ और आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए राज्य से बाहर ले जाया गया है। एनआईए ने अन्य सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर 8 नवंबर को त्रिपुरा, असम, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, तमिलनाडु, पुडुचेरी, तेलंगाना और हरियाणा में छापेमारी की। इन आठ राज्यों से एनआईए ने कुल 44 गुर्गों को पकड़ा और गिरफ्तार किया है। वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों ने कहा कि इस साल और पिछले साल के दौरान त्रिपुरा और असम से बड़ी संख्या में बांग्लादेशी और रोहिंग्याओं को गिरफ्तार किया गया था। घुसपैठियों से पूछताछ के दौरान यह पता चला था कि अवैध प्रवासियों को गुप्त मार्गों के माध्यम से भारत में प्रवेश करने में मदद की गई थी। जांच के दौरान यह भी पता चला कि दलाल न केवल भारत-बांग्लादेश सीमा के दोनों ओर बल्कि देश की मुख्य भूमि पर भी मौजूद हैं। एक सूत्र ने कहा कि जांच से पता चला कि दलालों का एक नेटवर्क पूरे भारत में मौजूद है, जो अंतर्राज्यीय प्रभाव के साथ एक गंभीर राष्ट्रीय सुरक्षा चिंता का विषय है। उन्होंने बताया कि त्रिपुरा और असम का उपयोग घुसपैठ और मानव तस्करी गतिविधियों के लिए गलियारे के रूप में किया जाता है। बांग्लादेशी और रोहिंग्या अवैध रूप से बिना बाड़ वाली और खुली भारत-बांग्लादेश सीमा के माध्यम से भारत में प्रवेश करते हैं।

पाकिस्तान के जेल से ...

के लिए रवाना किया गया था। पाकिस्तानी जेल से मुक्त किए गए मछुआरों में से गिर सोमनाथ जिले के 59, देवभूमि द्वारका के 15, जामनगर के 2, अमरेली के एक मिलाकर गुजरात के 77 समेत दीव के तीन मछुआरे हैं। देर शाम तक इनके वेरावल पहुंचने की उम्मीद है। इससे दिवाली ये अपने-अपने घर पर मनाएंगे। जानकारी के अनुसार भारतीय मछुआरे मछली पकड़ने के लिए कई बार पाकिस्तान की जल सीमा में प्रवेश कर जाते हैं। इसके बाद पाकिस्तानी मरीन इन्हें पकड़कर जेल में डाल देती है। केंद्र सरकार के प्रयत्नों और आपसी समझौते के बीच पाकिस्तान जेल से इन 80 भारतीय मछुआरों को भारत वापस लाने में सफलता मिली है। इन सभी मछुआरों को वर्ष 2020 में पकड़ा गया था। अभी करीब 200 मछुआरे पाकिस्तान के जेलों में सजा काट रहे हैं। वाघा बार्डर पर मत्स्य विभाग के सहायक निदेशक जीग्नेश कुमार, डॉ ध्रुव दवे, कौशिक दवे, परवेज जीलानी, ओनराजा मकरानी समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

डब्ल्यूओएएच का 33वां सम्मेलन आज से नई दिल्ली में

नई दिल्ली (हि.स.)। भारत एशिया और प्रशांत के लिए डब्ल्यूओएएच क्षेत्रीय आयोग के 33वें सम्मेलन की मेजबानी 13 से 16 नवंबर तक नई दिल्ली में करने जा रहा है। केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री परषोत्तम रूपाला समारोह का उद्घाटन और समापन करेंगे। कार्यक्रम में केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी राज्यमंत्री डॉ. संजीव बालियान और डॉ. एल मुरुगन भी उपस्थित रहेंगे। इस कार्यक्रम की मेजबानी करने का निर्णय मई 2023 में पेरिस में डब्ल्यूओएएच के प्रतिनिधियों की विश्वसभा के 90वें आमसत्र के दौरान किया गया था। होटल ताज महल, नई दिल्ली सम्मेलन का आयोजन स्थल होगा। पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा आयोजित सम्मेलन में भारत सहित 36 सदस्य देशों के प्रतिनिधि, क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के वरिष्ठ अधिकारी और क्षेत्र के निजी क्षेत्र और निजी पशु चिकित्सा संगठनों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। कोविड-19 महामारी से उत्पन्न चुनौतियां मानव-पशु-पर्यावरण इंटरफेस पर जोखिमों का आकलन करने में वैज्ञानिक विशेषज्ञता की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देती हैं। यह भविष्य की चुनौतियों के लिए पशु चिकित्सा सेवाओं में लचीलापन और क्षमता बढ़ाने की आवश्यकता को भी रेखांकित करता है। इस तरह के क्षेत्रीय सम्मेलन प्रतिनिधियों, आमंत्रित विशेषज्ञों और प्रमुख क्षेत्रीय भागीदारों के बीच निकट संपर्क, सक्रिय संवाद और सार्थक बहस की सुविधा प्रदान करते हैं। यह मूल्यवान चर्चाओं को बढ़ावा देने और आवश्यक नेटवर्किंग संबंध बनाने का सप्ताह होने का अनुमान है।

एशिया के सबसे पुराने बौद्ध मठ में बिजली और स्वास्थ्य सेवाएं खराब

तवांग। एशिया के सबसे पुराने बौद्ध मठ अरुणाचल प्रदेश स्थित तवांग मठ में बिजली और स्वास्थ्य सेवाएं अभी भी संतोषजनक नहीं हैं। मठ के प्रमुख एबॉट शेडलिंग तुलकु थुपतेन तेंदर रिनपोचे ने यह बात कही है। रिनपोचे को तवांग मठ का प्रमुख बने एक साल हो गया है। इस दौरान मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि हमारे मठ के बौद्ध भिक्षु बहुत अनुशासित हैं और अपनी शिक्षाओं पर फोकस करते हैं और वह परंपराओं का भी अच्छे से पालन कर रहे हैं। रिनपोचे ने कहा कि हमारे लिए सबसे बड़ा मुद्दा स्वास्थ्य सेवाएं हैं। अगर कोई स्वास्थ्य इमरजेंसी आती है तो हमें इलाज के लिए गुवाहाटी या तेजपुर जाना पड़ता है। अगर सरकार तवांग में ही स्वास्थ्य की बेहतर सुविधाओं की व्यवस्था कर दे तो अच्छा होगा। बता दें कि तवांग से गुवाहाटी की दूरी 430 किलोमीटर और तेजपुर की दूरी 330 किलोमीटर है। साथ ही रिनपोचे ने राज्य सरकार से अपील की कि मोनेस्ट्री में निर्बाध रूप से बिजली की सप्लाई की जाए। इससे ना सिर्फ मठ में रहने वाले बौद्ध भिक्षुओं का फायदा होगा बल्कि यहां आने वाले पर्यटकों और वीआईपी लोगों को भी इसका फायदा मिलेगा। तवांग मठ में बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। हालांकि पर्यटकों की संख्या बढ़ने से मठ के आसपास कचरे की समस्या भी बढ़ गई है। मठ प्रमुख रिनपोचे ने अपील की कि लोग तवांग मठ घूमने आएं तो साफ-सफाई का ध्यान रखें और कचरा इधर-उधर ना फेंके। इससे पर्यावरण की भी रक्षा होगी। रिनपोचे ने कहा युवाओं को धर्म के प्रति जागरुक करने के लिए धर्म को विज्ञान के साथ जोड़ने की जरूरत है।

हिंदू उत्सव में प्रदूषण दिखता है, ईद में नहीं : अशोक सिंघल

गुवाहाटी (हिंस)। राज्य के शहरी विकास आदि मामलों के मंत्री अशोक सिंघल ने मीडिया से उल्टा सवाल पूछा कि दुर्गा पूजा हो, दिवाली हो या फिर होली हो- आप सभी को प्रदूषण दिखने लगता है, लेकिन ईद में आप लोगों को कभी भी प्रदूषण नहीं दिखता है। ईद के समय में आप कभी भी इस तरह के सवाल क्यों नहीं पूछते हैं? उन्होंने कहा कि यहां लोग परंपरागत रूप से उत्सव मनाएंगे ही, इसमें किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए। मंत्री सिंघल कल रात मीडिया के सवालों का जवाब दे रहे थे। एक कार्यक्रम के बाद मीडिया के लोगों ने उनसे सवाल पूछा की दिवाली पर इतना अधिक प्रदूषण होता है, सरकार क्यों नहीं कार्रवाई करती है? उसे पर मंत्री सिंघल ने पलट कर मीडिया को ही सवालों को घेरे में ला दिया।

पंडित मदन मोहन मालवीय की पुण्यतिथि पर मुख्यमंत्री ने दी श्रद्धांजलि

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉक्टर हिमंत विश्व सरमा ने पंडित मदन मोहन मालवीय को आज उनकी पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। अपने श्रद्धांजलि संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि पंडित मदन मोहन मालवीय ज्ञान के भंडार, राष्ट्रवाद के अटूट समर्थक और बनारस हिंदू विश्वविद्यालय की स्थापना के दूरदर्शी प्रणेता थे। उनकी विरासत सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। इस दिन को हम अपने राष्ट्र की प्रगति में उनके अमूल्य योगदान को याद करते हैं।

नलबाड़ी में 38, 880 नशीली गोलियों के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

नलबाड़ी (हिंस)। नलबाड़ी जिले के मुकालमुवा स्थित आदाबाड़ी वॉच पोस्ट की पुलिस को नशे के खिलाफ अभियान चलाने में बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने आज बताया कि मुकालमुवा थाना अंतर्गत अदाबाड़ी थाना प्रभारी तरणी दास के नेतृत्व में पुलिस टीम ने अदाबाड़ी के सुतारकुची में छापेमारी कर मुकालमुआ थाना के इतिहास की सबसे ज्यादा नशीली गोलियां जब्त की है। आदाबाड़ी पुलिस ने सुतारकुची गांव में तपन महंत के घर पर तीन घंटे से अधिक समय तक मैराथन छापेमारी की और 38 हजार 880 नशीली गोलियां जब्त करने में सफल रही। लंबे समय से नशे के कारोबार में लिप्त रहने के आरोपित तपन महंत के गौशाला घर पर छापा मारा गया। पुलिस ने भारी मात्रा में गोलियां जब्त कीं, जिन्हें दवा कारोबारी तपन महंत ने गोशाला में सुरक्षित हालत में जमीन के अंदर दबा दिया था। पुलिस मादक पदार्थों के कारोबार में संलिप्तता के लिए तपन महंत और दो अन्य को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने तपन महंत के बड़े भाई दीपू महंत को भी गिरफ्तार किया है। आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई है।

नगांव में करंट से मजदूर की मौत

नगांव (हिंस)। जिले के कालियाबोर के बराली गांव में बिजली तार के संपर्क में आने से एक मजदूर की मौत हो गई। यह घटना दिवाली उत्सव के बीच हुई। बारालीगांव के केवी ईंट-भट्ठे पर ट्रक नंबर (एएस 02 डीसी 0520) से कोयला खाली कर रहे नगांव कसुवा का बरदुद्दीन अली उच्च क्षमता वाले विद्युत तार के संपर्क में आ गया। उसे कालियाबोर सब-डिविजनल सिविल अस्पताल ले जाया गया लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घर में लगी आग, महिला की मौत

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के वशिष्ठ थाना क्षेत्र के जोराबाट में लगी आग के दौरान एक महिला की जलकर मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि रविवार की दोपहर को जोराबाट इलाके में स्थित एक मकान में आग लगने की खबर मिलते ही मौके पर पुलिस और अग्निशमन की टीम पहुंची। आग पर अग्निशमन की टीम ने बड़ी मशक्कत के बाद काबू पाया। आग बुझाए जाने तक पांच घर पूरी तरह जलकर राख हो गया। आग के दौरान तीन रसोई गैस के सिलेंडरों में विस्फोट होने की वजह से आग ने भयावह रूप ले लिया। आग लगने की वजह से सुजाता चौधरी नामक महिला बुरी तरह झुलस गई। जिसकी वजह से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मृत महिला के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल भेज दिया है। हालांकि आग कैसे लगी इसकी जानकारी नहीं लग पाई है। आग लगने की वजह से लाखों रुपए की संपत्ति का नुकसान हुआ है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ओरांग में नारी तस्करी के दो आरोपी चढ़े पुलिस के हत्थे

उदालगुड़ी (हिंस)। जिले की ओरंग पुलिस ने बाहरी राज्यों के दो महिला तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आज बताया कि दक्षिणी दिल्ली निवासी राज किशोर (24) और राजस्थान निवासी हावला (36) नामक तस्करों को गिरफ्तार किया है। दोनों तस्करों को मोरीगांव जिले में मिकिरभेटा के जाजरी से गिरफ्तार किया गया। ओरांग के फटाशिमलू गांव में दो किशोरियों की तस्करी से संबंधित एक मामला लंबित था। कुछ दिन पहले ओरांग पुलिस ने ओरांग पुलिस स्टेशन में दर्ज भारतीय दंड संहिता की धारा 370/34 के तहत छापेमारी करते हुए हरियाणा से दो किशोरियों को मुक्त कराया था और चार महिला तस्करों को गिरफ्तार किया था। शनिवार को मोरीगांव में फिर से राज्य के बाहर से आए इन दोनों युवकों के आने की सूचना मिलने के बाद ओरांग पुलिस ने तुरंत मोरीगांव के मिकिरभेटा में छापा मारा और दोनों तस्करों को गिरफ्तार कर ओरांग ले आई। ओरांग पुलिस ने दोनों युवकों को रविवार को अदालत में पेश किया। यह गिरोह असम की युवतियों और लड़कियों को बहला-फुसलाकर राज्य से बाहर ले जाने का लालच देता है और उन्हें देह व्यापार में शामिल करता है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भारी मात्रा में ड्रग्स एवं नकदी के साथ महिला तस्कर गिरफ्तार

नगांव (हिंस)। जिले के सामागुड़ी गेरुवामुख से पुलिस ने भारी मात्रा में ड्रग्स तथा नगदी के साथ एक महिला तस्कर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार सामागुड़ी के खाटोवाल और सामागुड़ी पुलिस के संयुक्त अभियान में गेरुवामुख नाथगांव की हलीमा खातून नामक महिला को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार महिला के घर में चलाए गए अभियान के दौरान 36 साबुनदानी में बंद ड्रग्स बरामद किया गया। बरामद किए गए ड्रग्स की कीमत 10 लाख रुपए से अधिक बताई गई है। पुलिस ने ड्रग्स कारोबार में व्यवहार किए जाने वाले दो चार पहिया वाहन तथा एक बाइक भी जप्त कर लिया गया। वहीं, महिला के पास से एक एक लाख 90 हजार रुपए नगद भी बरामद किए गए। इस सिलसिले में और अधिक जानकारी हासिल करने के लिए पुलिस महिला को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ कर रही है।

नृत्य प्रशिक्षण के नाम पर युवती से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

गोलाघाट (हिंस)। गोलाघाट में नृत्य प्रशिक्षण देने के नाम पर युवती के साथ दुष्कर्म करने के आरोप में एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जबकि एक अन्य आरोपी फरार है। स्नातक की छात्रा पीड़ति युवती ने पुलिस के समक्ष दिए गए बयान में बताया है कि निजरा डांस अकादमी में प्रशिक्षण लेने के दौरान युवती के साथ प्रशिक्षक बंधुओं ने लगातार दुष्कर्म किया। इस प्रकार से प्रशिक्षक द्वारा कई युवतियों के साथ दुष्कर्म किया जा रहा है, लेकिन लोक लाज के भय से युवतियों ने अपना मुंह नहीं खोला है। युवती द्वारा दिए गए बयान के आधार पर गिरफ्तार किए गए व्यक्ति की पहचान अनंत नारायण बोरा के रूप में की गई है। जबकि, एक अन्य भाई दुर्लभ नारायण बोरा फरार है। युवती ने पहले सोशल मीडिया के जरिए प्रशिक्षक बंधुओं पर आरोप लगाया। उसके बाद गोलाघाट थाने में औपचारिक रूप से प्राथमिकी दर्ज कराई। दर्ज प्राथमिक के आधार पर पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

आएलीता आर्ट एंड क्राफ्ट स्कूल में चित्रांकन प्रतियोगिता संपन्न

नगर संवाददाता। महानगर के सचल स्थित आएलीता आर्ट एंड क्राफ्ट स्कूल के तत्वावधान में नंदी मिकिर प्राथमिक विद्यालय में बाल दिवस के तहत रविवार को चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह स्कूल एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लंदन बुक्स ऑफ रिकॉर्ड्स एवं इंडिया बुक्स ऑफ रिकॉर्ड्स से सम्मानित स्वयंसेवी संस्था आनुपूर्वक आर्ट एवं क्राफ्ट एसोसिएशन द्वारा संचालित है। चार वर्गों में आयोजित प्रतियोगिता के वर्ग *क* में पहला स्थान खानापाड़ा केंद्रीय विद्यावलय की छात्रा उर्सीता दत्त को, दूसरे स्थान पर गुरुकुल ग्रामर सेकेंडरी स्कूल की सान्वी महंत, तीसरे स्थान पर ग्रीन मिड्स स्कूल के नोरिया इकबाल हजारिका और सेंट रोज स्कूल के निलाभ हजारिका एवं द नॉर्थ ईस्ट एकेडमी के राहुल रॉय को प्रोत्साहन पुरस्कार मिला। *ख* वर्ग में क्रमशः पहला, दूसरा और तीसरा स्थान खानापाड़ा केंद्रीय विद्यालय के इमान दास, शंकरदेव विद्या निकेतन की प्रिया मालौ, बीआर दास स्कूल के लालभानू बेगम और प्रोत्साहन पुरस्कार क्रमशः मारिया पब्लिक स्कूल के अभिज्ञा भारद्वाज, बीआर दास स्कूल की सकिना खातून प्राप्त किया। *ग*-वर्ग में दिसपुर राजकीय माध्यमिक विद्यालय के अभिजीत विश्वास ने पहला, शंकरदेव विद्या निकेतन के विकास नाथ ने दूसरा और एनई एकादमी की उत्पलक्षी तालुकदार ने तीसरा स्थान हासिल किया। प्रोत्साहन पुरस्कार शंकरदेव विद्या निकेतन के रिकिता अनुपम और इहित कश्यप ने संयुक्त रूप से प्राप्त किया। शंकरदेव विद्या निकेतन की अपरूपा भुइयां ने घ वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में प्रख्यात चित्रकार गणेश छेत्री, शतद्रु चौधरी और भैरव मेधी ने भाग लिया। बैठक का संचालन आर्ट एंड क्राफ्ट स्कूल के प्रबंधन समिति के अध्यक्ष धनंजय तालुकदार ने किया। बैठक में असम सरकार के पंचायत ग्रामीण विकास विभाग के सेवानिवृत्त अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी(सीईआ) फटिक चंद्र शर्मा, नंदी मिकीर प्राथमिक विद्यालय की प्रबंधन समिति के अध्यक्ष देवानंद तेरोन, दैनिक पूर्वोदय के स्टाफ रिपोर्टर संतोष दास, आमार असम के चीफ रिर्पोटर साम्य भरद्वाज प्रकृति प्रेमी मंच असम के उपाध्यक्ष भूपेन दास और संयुक्त सचिव पार्थ प्रतिम गौतम विशिष्ठ अतिथि के रुप में उपस्थित थे। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रत्येक प्रतियोगी को सील, मेडल के साथ प्रमाण पत्र दिए गए, इस प्रतियोगिता में भाग लेनेवाले प्रत्येक प्रतियोगियों को भी प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। प्रतियोगिता के सफल समापन के लिए विद्यालय की प्रधानाध्यपिका जोनाकी कलिता तालुकदार ने प्रतियोगी, विचारक मंडली, विशिष्ठ अतिथियों का धन्यावाद और आभार प्रकट किया।

मणिपुर गांव का बड़ा फैसला, वन्यजीवों के संरक्षण के लिए शिकार करने पर लगाया तीन साल का प्रतिबंध

इंफाल। पत्र पर शिरुई गांव (अजे) और शिरुई गांव (अटो) के मुखियाओं द्वारा संयुक्त रूप से हस्ताक्षर किए गए थे। मणिपुर के तीन महत्वपूर्ण खजाने जिनमें राज्य फूल-शिरुई लिली (लिलियम मैकलिनिया), राज्य पक्षी-नॉन्निन (सिर्मेटिकस हुमिया) और राज्य वृक्ष-उनिंगथौ (फोबे हैनेसियाना) शामिल हैं, शिरुई क्षेत्र में पाए जाते हैं। मणिपुर बीते लंबे अर्से से हिंसा की खबरों के कारण लगातार चर्चा में बना हुआ है। मणिपुर की राजधानी इम्फाल के पास का एक गांव अब चर्चा में आ गया है। हालांकि इस गांव के चर्चा में आने का कारण हिंसा नहीं है। नस्लीय हिंसा से इतर इस गांव की चर्चा किसी अन्य कारण से हो रही है। इम्फाल जिले से लगभग 100 किमी उत्तर पूर्व में स्थित शिरुई चोटी जिसे स्थानीय भाषा में शिरुई काशोंग भी कहा जाता है। इन दिनों शिरुई के बेहद चर्चा हो रही है। एक अहम फैसला करते हुए तांगखुल-नागा बहुल उखरुल जिले के प्रसिद्ध और सुरम्य शिरुई गांव के लोगों ने अपने क्षेत्र में जानवरों और पक्षियों की हत्या और शिकार पर तीन साल के लिए प्रतिबंध लगा दिया है। यानी अब कोई जानवरों या पक्षिों का शिकार-हत्या नहीं कर सकेगा। बता दें कि ये कदम उस समठ में उठाया गया है जब तामेंगलोंग जिले के वन अधिकारियों और ग्रामीणों ने पंख वाले मेहमान अमूर बाज की रक्षा के लिए प्रयास तेज किए है। इस फैसले को शिरुई गांव की अर्धवार्षिक बैठक में एक संकल्प लिया गया, शिरुई गांव (अजे) के मुखिया सोयो ए वुंगसेक ने कहा। उन्होंने कहा कि विचार जंगल और वन्य जीवन को संरक्षित करने का है। शिरुई ग्राम प्राधिकरण ने इस संबंध में पिछले महीने प्रभागीय वन अधिकारी, उखरुल (अजे) को एक पत्र भी लिखा था। पत्र पर शिरुई गांव (अजे) और शिरुई गांव (अटो) के मुखियाओं द्वारा संयुक्त रूप से हस्ताक्षर किए गए थे। मणिपुर के तीन महत्वपूर्ण खजाने जिनमें राज्य फूल-शिरुई लिली (लिलियम मैकलिनिया), राज्य पक्षी-नॉन्निन (सिर्मेटिकस हुमिया) और राज्य वृक्ष-उनिंगथौ (फोबे हैनेसियाना) शामिल हैं, शिरुई क्षेत्र में पाए जाते हैं। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बिरेन सिंह ने संरक्षण एवं जैवविविधता को बढ़ावा देने के वास्ते तीन साल के लिए शिकार पर पाबंदी लगाने पर उखरूल जिले के सुदूर तांगखूल नगा गांव के लोगों की तारीफ की। मुख्यमंत्री ने कहा कि मणिपुर में पहली बार शिरुई गांव के लोगों ने जानवरों और पक्षियों के शिकार एवं वध पर पूर्ण रूप से पाबंदी लगाने का फैसला किया है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच *एक्स* पर लिखा कि यह जैवविविधता के संरक्षण और हमारे बेशकीमती वन्यजीव की रक्षा की दिशा में उल्लेखनीय कदम है। मैं शिरूई गांव के लोगों द्वारा उठाए गए शानदार कदम की दिल से तारीफ करता हूं। ऐसे कदम पूरे मणिपुर में और उसके बाहर एक उदाहरण कायम करते हैं। वन्यजीव की रक्षा करने के लिए शिरूई गांव प्रशासन ने अपने क्षेत्र में जानवरों और पक्षियों का शिकार रोकने को एयरगन एवं आग्नेयास्त्र पर भी रोक लगा दी है। यह क्षेत्र उखरूल जिला मुख्यालय से करीब 15 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

बढ़मपुर में लगी भीषण आग में लाखों की संपत्ति जली

नगांव (हिंस)। नगांव के बढ़मपुर बरटोप गांव में लगी भीषण आग में लाखों की संपत्ति जलकर राख हो गई। पुलिस के बताया कि आग बीती रात मंटू कलिता नामक व्यक्ति की रसोई घर से लगी। माना जा रहा है कि आग पटाखों से उड़ी चिंगारी से लगी। स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाया लिया गया। लेकिन, तब तक आग में लाखों की संपत्ति जल गई। घटना की सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है।

नेपनी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस दे रहा है देशभर के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति

गुवहाटी। नॉर्थ ईस्ट पैरामेडिकल एंड नर्सिंग इंस्टीट्यूट (नेपनी) ने देश भर के मेधावी और गरीबी रेखा से नीचे के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति की घोषणा की है। बता दें कि नेपनी हेल्थ केयर एजुकेशन का प्रमुख संस्थान है जिसमें नर्सिंग और पैरामेडिकल कोर्सेस कराए जाते हैं। यह संस्थान असम के गुवाहाटी के पास स्थित नेपनी ट्रस्ट के तत्वावधान में चलाया जाता है। मेरिट छात्रवृत्ति उन छात्रों को दी जाएगी जिन्होंने विज्ञान स्ट्रीम से 12वीं की परीक्षा में 80 प्रतिशत और उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं जबकि बीपीएल छात्रवृत्ति 12वीं परीक्षा में 60 प्रतिशत और उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्रों को दी जाएगी। प्रत्येक छात्र को 30, 000 रुपए की छात्रवृत्ति दी जाएगी। यह छात्रवृत्ति उन छात्रों के लिए लागू होगी जिन्होंने नेपनी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में एएनएम, जीएनएम, बीएससी नर्सिंग और पैरामेडिकल कोर्सेस यानी फिजियोथेरेपी, रेडियोग्राफी और मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी में प्रवेश लिया है। बता दें कि प्रवेश की अंतिम तारीख 30 नवंबर 2023 है। अधिक जानकारी और जरूरी डेटा ऑनलाइन जमा करने के लिए छात्रों को नेपनी की आधिकारिक वेबसाइट पर जाना होगा। छात्रवृत्ति के बारे में बात करते हुए नेपनी ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री बाबुल अली ने कहा कि हमें इस साल देश भर के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। मेरिट और बीपीएल छात्रवृत्ति के अलावा अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय की ओर से अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति भी दी जाएगी। हम असम के बाहर के राज्यों से आने वाले छात्रों के लिए अलग छात्रावास सुविधाओं की भी व्यवस्था करेंगे, हम छात्रों को एजुकेशन लोन भी प्राप्त करने में मदद करेंगे और हम राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर छात्रों के लिए 100 प्रतिशत प्लेसमेंट देने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं।

दीपावली के अवसर पर बंगाईगांव में भव्य रंगोली प्रतियोगिता आयोजित

बंगाईगांव। बंगाईगांव के एस एम होसपीटल एंड डायग्नोस्टिक सेंटर (अग्रवाल न्यूरो केयर) में दीपावली के उपलक्ष में एक रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता अस्पताल में कार्यरत विभिन्न विभागों के कर्मचारियों के बीच कराई गई जिसमें बड़ी संख्या में प्रतियोगियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य घर से दूर रह रही कर्मचारियों को दीपावली पर घर जैसा माहौल प्रदान करना तथा उनकी कार्यशैली में सद्भावना तथा कार्यक्षमता का संचार करना था। सभी प्रतियोगियों ने एक से बढ़कर एक अपनी कला का प्रदर्शन किया। रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम स्थान संयुक्त रूप से हीरामणि बर्मन -लखी भौमिक एवं बबीता टोपो-जयश्री बोड़ो, दूसरा स्थान संयुक्त रूप से ब्यूटी मजूमदार-पियली सरकार एवं रूसेन बेक-अंजलीना कुजुर तथा तृतीय स्थान इभा राय दास-पद्मावती राय को मिला। प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले सभी प्रतियोगियों को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। पुरस्कार वितरण संस्थान के प्रमुख डॉक्टर मुरारी लाल अग्रवाला एवं डॉक्टर श्रीमती सुधा अग्रवाला ने किया। डॉ. विकास अग्रवाल, डॉ. डोली अग्रवाल, महेश कुमार अग्रवाल एवं संजय जैन ने निर्णायक की भूमिका निभाई। अग्रवाल न्यूरो केयर के प्रमुख डॉ. विकास अग्रवाल ने कार्यक्रम को सफल करने के लिए सभी को धन्यवाद दिया।

भारी बर्फबारी : 4,000 फीट ऊंचाई पर जवानों ने मनाई दिवाली

श्रीनगर। दुनियाभर में आज दिवाली का त्योहार धूमधाम से मनाया जा रहा है। हालांकि, देश की रक्षा करने वाले जवान इस दिन भी हमारे देश की सीमा की निगरानी करने के लिए तैनात हैं। समाचार एजेंसी एएनआई ने आज एक वीडियो साझा किया, जिसमें देखा जा सकता है कि जम्मू-कश्मीर में भारी बर्फबारी के बीच 4,000 फीट की ऊंचाई पर भारतीय सेना के जवान एलओसी पर पाकिस्तानी चौकियों के सामने गश्त कर रहे हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि जवान एक-दूसरे को दिवाली को शुभकामनाएं दे रहे हैं। भारत माता की जयकारे लगाते हुए हमारे देश के वीर सैनिक दिवाली के त्योहार पर भी देश की सुरक्षा के लिए दुर्गम परिस्थितियों में तैनात हैं। पश्चिम बंगाल में बीएसएफ कर्मियों ने दिवाली के अवसर पर भारत-बांग्लादेश सीमा, फुलबारी में बीजीबी कर्मियों (बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश) के साथ मिठाइयों का आदान-प्रदान किया । इस साल प्रधानमंत्री मोदी दिवाली मनाने हिमाचल प्रदेश के लेप्चा पहुंचे। यहां उन्होंने भारतीय सेना के जवानों के साथ बातचीत की और उन्हें दिवाली की शुभकामनाएं दी। जम्मू में नियंत्रण रेखा के साथ सटे छंब सेक्टर में भारतीय सेना के जवानों के साथ दिवाली मनाने पहुंचे। इसके साथ ही, प्रधानमंत्री ज्यौड़ियां के रक्ख मुट्ठी क्षेत्र में सेना के जवानों के साथ दिवाली की मिठाई खाएंगे। दोपहर बाद वह दिल्ली लौटने से पहले एक सैनिक सम्मेलन को भी संबोधित करेंगे।

बारिश के बाद भी नहीं सुधरी दिल्ली की आबोहवा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में रविवार सुबह वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) *खराब* श्रेणी में दर्ज किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने कहा कि दिल्ली भर में वायु गुणवत्ता खराब श्रेणी में बनी हुई है। सीपीसीबी के आंकड़ों के मुताबिक, रविवार सुबह सात बजे आनंद विहार में एक्यूआई 266 था, जबकि आरके पुरम में यह 241 दर्ज किया गया। इसी तरह पंजाबी बाग इलाके में यह 233 और आईटीओ इलाके में 227 दर्ज किया गया। प्रदूषण संबंधी ग्रेप4 नियमों के बीच अधिकारियों द्वारा राष्ट्रीय राजधानी में प्रवेश करने वाले वाहनों की जांच की जा रही है। शुक्रवार को हुई बारिश के बाद शनिवार को दिल्ली की वायु गुणवत्ता में थोड़ा सुधार हुआ। वायु गुणवत्ता, जिसे पहले केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा *बहुत खराब* के रूप में वर्गीकृत किया गया था, सुधरकर *खराब* श्रेणी में पहुंच गई। हालांकि, बारिश से थोड़ी राहत मिलने के बावजूद, दिल्ली की वायु गुणवत्ता निवासियों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। स्थानीय निवासी और सुबह की सैर करने वाले ने कहा कि बारिश के बाद प्रदूषण में थोड़ी कमी आई है लेकिन खराब वायु गुणवत्ता की स्थिति बनी हुई है। हमें अभी भी सांस लेने में कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने शुक्रवार को घोषणा की थी कि राज्य सरकार शहर में ऑड-ईवन कार-राशनिंग योजना के प्रस्तावित कार्यान्वयन में देरी करेगी। राष्ट्रीय राजधानी और आसपास के इलाकों में सुबह चार बजे के बाद प्रदूषक तत्वों पीएम 2.5 और पीएम 10 के स्तर में भी गिरावट देखी गई। दिवाली के बाद रविवार को अगले दो दिनों के लिए, मौसम विभाग ने सुबह में धुंध या हल्के कोहरे के साथ आंशिक रूप से बादल छाए रहने का अनुमान लगाया है और उसके बाद, अगले दो दिनों के लिए, सुबह में हल्के कोहरे के साथ मुख्य रूप से साफ आसमान रहने का अनुमान लगाया है। दिल्ली सरकार प्रदूषण-विरोधी उपायों को क्रियान्वित करने के प्रयास कर रही है, और प्रदूषण की समस्या को कम करने के लिए कृत्रिम बारिश के विचार पर भी विचार कर रही है। आम आदमी पार्टी के कई मंत्री भी गुरुवार रात जमीन पर प्रदूषण विरोधी पहलों के कार्यान्वयन का निरीक्षण करते देखे गए। वर्तमान में, ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (जीआरएपी) के चरण चार को राष्ट्रीय राजधानी में लागू किया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में खतरनाक वायु गुणवत्ता पर गंभीर चिंता व्यक्त की और निर्देश दिया कि किसानों को पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में पराली जलाना तुरंत बंद कर देना चाहिए, क्योंकि यह वायु प्रदूषण के प्रमुख कारकों में से एक है।

कर्नाटक में घर में मिले एक ही परिवार के चार लोगों के शव

नई दिल्ली। कर्नाटक के उडुपी जिले से दिल दहला देने वाली खबर आई है। मालपे पुलिस थाना अंतर्गत के अंतर्गत तृप्ति नगर में एक ही परिवार के चार सदस्यों के शव उनके घर में पाए गए। उडुपी पुलिस ने एक बयान में बताया कि मृतकों में तीन बच्चे और उनकी मां शामिल हैं। उधर पुलिस मौके पर पहुंच गई है। मृतकों की पहचान हसीना (48), अफनान (23), अयनाज (21) और असीम (14) के रूप में हुई है। पुलिस ने कहा कि आगे की जांच जारी है। घटना रविवार सुबह 8:30 से 9 बजे के बीच की है। शुरुआती जानकारी से पता चलता है कि एक व्यक्ति जबरन एक घर में घुस गया और किसी बात को लेकर महिला के साथ झगड़ा करने लगा। इसी दौरान हमलावर ने महिला और उसके बच्चों को बेरहमी से चाकू मारकर हत्या कर दी। हमलावर ने पहले महिला हसीना और उसके बच्चों अफनान और ऐनाज को चाकू मारा था। वहीं जब बाहर खेल रहा एक अन्य बच्चा असीम चीखें सुनकर घर में भाग गया और हमलावर ने उसकी भी जान ले ली। इसके अलावा, महिला की सास को भी निशाना बनाया गया जिनका स्थानीय अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस बीच, उडुपी के एसपी डॉ. अरुण ने घटनास्थल का दौरा किया और मालपे पुलिस द्वारा प्रारंभिक जांच का जायजा लिया। फिंगरप्रिंट विशेषज्ञों और डॉग स्क्वाड ने भी घटनास्थल का दौरा किया। प्राथमिक जांच के अनुसार, उडुपी एसपी ने कहा कि एक अज्ञात व्यक्ति आया और मां और तीन बेटों की हत्या कर दी। हत्या का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है, पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है। घर से कोई सोना या नकदी चोरी नहीं हुई है। मालपे पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

अनोखा प्रण : भाजपा की सरकार बनने तक भोजन नहीं करेंगे नेता

नई दिल्ली। चुनाव जीतने के लिए नेता अजब-गजब नुस्खे अपनाते हैं। भाजपा नेता डॉ. सतीश पूनिया भी चुनाव जीतने के लिए एक ऐसे अजूबे नुस्खे को आजमा रहे हैं जो इस समय चर्चा का केंद्र बन गई है। पूनिया ने शाम का भोजन करना ही छोड़ दिया है। उन्होंने कहा है कि अब वे तभी शाम का भोजन करेंगे जब राजस्थान में भाजपा की सरकार बन जायेगी। भाजपा नेता का प्रण केवल यही तक नहीं रुका है। उन्होंने यह भी तय किया है कि जब तक राजस्थान में भाजपा की सरकार नहीं बनती, वे किसी भी कार्यक्रम में फूल की माला नहीं पहनेंगे। दरअसल, डॉ. सतीश पूनिया राजस्थान भाजपा के पूर्व अध्यक्ष रहे हैं। वे भाजपा के उन चंद नेताओं में शामिल हैं जिनकी प्रशंसा स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की थी। पीएम मोदी ने दिल्ली में भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में कहा था कि सतीश पूनिया से यह सीखा जाना चाहिए कि संगठन में सबको साथ लेकर कैसे चला जाता है। उन्होंने उनके दलित-वंचित तबकों से संपर्क साधने और महिलाओं-युवाओं को आगे बढ़ाने के उनके कार्यों की भी प्रशंसा की थी। इसके बाद से ही यह चर्चा चलने लगी थी कि राजस्थान में चुनाव जीतने के बाद सतीश पुनिया भाजपा की तरफ से मुख्यमंत्री के सबसे बढ़े दावेदार बन सकते हैं। वे इस समय जयपुर की आमेर विधानसभा से अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। उन्होंने अपने कार्यकाल में पूरे राजस्थान का दौरा किया। हर विधानसभा क्षेत्र के हर बूथ पर पन्ना प्रमुख, शक्ति केंद्र प्रमुख और बूथ प्रमुख स्थापित करने का सबसे पहला काम राजस्थान में ही पूरा किया गया था।

मोदी सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों, कोरोना काल में भाजपा द्वारा किए गए सेवा कार्यों, आमेर विकास मॉडल और भाजपा संगठन की मजबूती एवं सामाजिक सरोकारों के नाम पर भाजपा को वोट देने की सतीश पूनियां अपील कर रहे हैं। भाजपा के मात्रि संगठन आरएसएस से जुड़े रहे डॉ. पुनिया को संगठन का व्यक्ति माना जाता है। वे राष्ट्रीय नेतृत्व की निगाह में तभी आए थे जब गुजरात विधानसभा चुनाव के दौरान मिली सीटों पर भाजपा को शानदार जीत सफलता दिलाने का काम किया था। उनके इसी काम को देखते हुए बाद में पार्टी ने उन्हें बढ़ी जिम्मेदारी दी थी।

तेंदुए ने अग्निशमन और सुरक्षा विभाग के कर्मियों पर किया हमला

नीलगिरि (तमिलनाडु)। तमिलनाडु के नीलगिरि में तेंदुए का आतंक देखने को मिला है। नीलगिरि के कुन्नूर इलाके में एक तेंदुए ने अग्निशमन और सुरक्षा विभाग के कर्मियों पर हमला कर दिया। खबरों के अनुसार, कुन्नूर इलाके में अचानक एक तेंदुआ घुस आया। इसकी जानकारी मिलते ही मौके पर अग्निशमन और सुरक्षा विभाग के कर्मी पहुंचे। हालांकि, उन्होंने जैसे ही तेंदुए को पकड़ने के लिए ऑपरेशन चलाया तो तेंदुए ने उन पर हमला बोल दिया। इस दौरान वहां स्थानीय लोग भी मौजूद थे। बताया जा रहा है कि तेंदुए के हमले में उन्हें ज्यादा चोटें नहीं आई है। फिलहाल तेंदुए को पकड़ने के लिए ऑपरेशन जारी है।

महिलाओं के खातों में हर साल आएंगे 15 हजार रुपए : बघेल

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने घोषणा की कि अगर राज्य में कांग्रेस की सत्ता बरकरार रही तो छत्तीसगढ़ गृह लक्ष्मी योजना की शुरुआत की जाएगी, जिसके तहत महिलाओं के खातों में प्रति वर्ष 15 हजार रुपए दिए जाएंगे। इससे पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) भी अपने घोषणा पत्र में महिलाओं को 12 हजार रुपए देने का वादा कर चुकी है। बघेल ने रविवार को सोशल मीडिया मंच एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट किया कि छत्तीसगढ़ गृह लक्ष्मी योजना: महिलाओं के खातों में हर साल 15000 रुपए। न फॉर्म भरें, न लाइन में लगें। पोस्ट में उन्होंने कहा कि मेरी माताओं-बहनों! आज देवारी (दिवाली) के शुभ अवसर पर छत्तीसगढ़ में माता लक्ष्मी की असीम कृपा रहे। मेरा छत्तीसगढ़ अमीर हो, हम गरीबी के अभिशाप को मिटा सके इस संकल्प के साथ हमारी सरकार ने पांच साल काम किया है। आज दिवाली के शुभ दिन पर हम अपनी माताओं और बहनों को और समृद्ध तथा सक्षम देखना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि इसलिए आज इस शुभ अवसर पर मैं यह घोषणा करता हूं कि आप कांग्रेस को वोट दीजिए, छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार बनाइए हम छत्तीसगढ़ गृह लक्ष्मी योजना की शुरुआत करेंगे, जिसके तहत हम 15 हजार रुपए प्रति वर्ष प्रत्येक महिला को देंगे। बघेल ने कहा कि सभी माताओं और बहनों को बोलना चाहूंगा कि आपको कहीं लाइन में लगने की जरूरत नहीं है, न ही कोई फॉर्म भरने की जरूरत है। सरकार आपके खुद सर्वे कराएगी। सब कुछ ऑनलाइन रहेगा और सीधे खाते में पैसा आएगा। चुनावी राज्य में मुख्यमंत्री की इस घोषणा को भाजपा के महतारी वंदन योजना का जवाब माना जा रहा है। इस योजना के तहत भाजपा ने वादा किया है कि राज्य में पार्टी की सरकार बनी तो प्रत्येक विवाहित महिलाओं के खाते में 12 हजार रुपए प्रति वर्ष जमा किए जाएंगे। भाजपा के सूत्रों ने बताया कि इस घोषणा के बाद पार्टी ने महिलाओं से महतारी वंदन योजना का फार्म भी भरवाना शुरू कर दिया है।

इजराइली सैनिकों के साथ संघर्ष में हो रहा नए किस्म के हथियारों का इस्तेमाल : हिजबुल्ला

बेरूत। लेबनान के आतंकवादी समूह हिजबुल्ला के नेता ने शनिवार को कहा कि उसके लड़ाके लेबनान-इजराइल सीमा पर चल रहे संघर्ष में अधिक मारक क्षमता वाली मिसाइल सहित नये किस्म के हथियारों का इस्तेमाल कर रहे हैं, इतना ही नहीं, वे सीमा पर तनावपूर्ण स्थिति बनाए रखेंगे, जिससे इजराइल पर दबाव बने। हिजबुल्ला नेता सैय्यद हसन नसरल्ला ने इजराइल-हमास युद्ध पर अमेरिका की आलोचना करते हुए कहा कि यह (अमेरिका) एकमात्र देश है जो गाजा पट्टी पर इजराइल के व्यापक हमले को रोक सकता है, लेकिन यह ऐसा नहीं कर रहा है। उन्होंने कहा कि इराक और सीरिया में अमेरिकी सैनिकों पर हमले गाजा में युद्ध खत्म होने तक जारी रहेंगे। इन हमलों को लेकर अमेरिका ने कहा है कि 40 से अधिक रॉकेट और आत्मघाती ड्रोन हमले हुए हैं। नसरल्ला ने कहा कि लेबनान की दक्षिणी सीमा पर चल रहे युद्ध में हाल के दिनों में बदलाव देखा गया है, जिसमें हथियारों के इस्तेमाल और इजराइल में भीतर तक किए गए हमलों में परिवर्तन भी शामिल है। उन्होंने कहा कि हिजबुल्ला उत्तरी इजराइल में निगरानी और सर्वेक्षण करने वाले मानवरहित ड्रोन भेज रहा है, जिनमें से कुछ को मार गिराया गया है, जबकि कुछ अन्य जानकारी के साथ उनके पास लौट आए। दक्षिणी इजराइल में हमास के हमले के एक दिन बाद आठ अक्तूबर से हिज्बुल्लाह और इजराइली सैनिक के बीच लेबनान-इजराइल सीमा पर गोलीबारी कर रहे हैं।

पीओके में महंगाई के खिलाफ प्रदर्शन, लोग नदी-नालों में बहा और जला रहे बिजली बिल

पेशावर। पाक अधिकृत कश्मीर पीओके में महंगाई और बिजली बिलों अप्रत्याशित वृद्धि के खिलाफ लोगों का आक्रोश प्रदर्शनों में बदलता जा रहा है। लोग पाक सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतर आए हैं और बिजली बिल में की गई वृद्धि के विरोध में अपने बिल को नदी-नालों में बहा और जला रहे हैं। पीओके निवासियों का कहना है कि पाकिस्तान सरकार कोई राहत या रियायत दिए बिना क्षेत्र के प्राकृतिक संसाधनों का दोहन कर रही है और उनपर भारी टैक्स थोपती है।। हाल ही में एक विरोध प्रदर्शन के दौरान निवासियों ने प्रशासन पर भेदभाव पूर्ण रवैया अपनाने का आरोप लगाया। निवासियों ने कहा कि पाकिस्तान की सरकार उनपर भारी कर थोपती है। यहां के स्थानीय लोगों को कोई राहत या रियायत दिए बिना क्षेत्र के प्राकृतिक संसाधनों का दोहन कर रही है। नारों के बीच प्रदर्शनकारियों ने अपने लोगों पर शासन करने की क्षमता होने का दावा करते हुए पाकिस्तानी प्रतिष्ठानों को वापस बुलाने का आह्वान किया। एक अन्य प्रदर्शन में निवासियों ने अपने बिजली बिल जलाए। लोगों ने प्रशासन पर उनकी दुर्दशा पर ध्यान नहीं देने का आरोप लगाया। प्रशासन विरोधी नारे लगाते हुए प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि इस्लामाबाद और उसका कठपुतली प्रशासन क्षेत्र को गर्त में ढकेल रहा है। उन्होंने पाकिस्तान के प्रॉक्सी प्रशासन का जिक्र करते हुए सामूहिक रूप से घोषणा की इस्लामाबाद का कब्जा स्वीकार नहीं है।

डल झील आग : प्रभावित परिवारों से मिली महबूबा

श्रीनगर। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने डल झील में आग लगने की घटना में अपने हाउसबोट और आवास गंवाने वाले परिवारों से रविवार को मुलाकात की। शनिवार को हुई इस घटना में तीन बांग्लादेशी पर्यटकों की मौत हो गई थी। मुफ्ती ने सोशल मीडिया मंच *एक्स* पर एक पोस्ट में कहा कि डल (झील) का दौरा किया, जहां शनिवार को भीषण आग से कई हाउसबोट नष्ट हो गए थे। स्थानीय लोगों के प्रयासों के बावजूद काफी नुकसान हुआ है और तीन पर्यटकों की मृत्यु हो गई। उन्होंने प्रभावित परिवारों को कम ब्याज पर ऋण मुहैया करने का उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के नेतृत्व वाले जम्मू-कश्मीर प्रशासन से अनुरोध किया, ताकि वे अपने हाउसबोट का पुनर्निर्माण कर सकें। पीडीपी प्रमुख ने कहा कि उपराज्यपाल मनोज सिन्हा जी से हाउसबोट मालिकों को इसके पुनर्निर्माण के लिए कम ब्याज पर ऋण और अन्य आवश्यक चीजें प्रदान करने का अनुरोध करती हूं। भविष्य में वहां अग्निशमन केंद्र स्थापित करने से इन घटनाओं को रोकने में मदद मिलेगी। अपनी पार्टी के नेता अल्ताफ बुखारी ने प्रभावितों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए प्रशासन से नुकसान का आकलन करने और उसके अनुसार पीड़ितों को मुआवजा देने का आग्रह किया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया कि डल झील पर हाउस बोट मालिकों के प्रति सहानुभूति व्यक्त करता हूं, जिन्होंने भीषण आग में करोड़ों रुपए की संपत्ति गंवा दी है। इस कठिन समय में पीड़ितों को शक्ति मिले। नूर मोहम्मद और अशरफ मीर सहित अपनी पार्टी के नेताओं की एक टीम ने डल झील में घटना स्थल का दौरा किया। उपराज्यपाल सिन्हा ने घटना पर दुख व्यक्त करते हुए शनिवार को कहा था कि श्रीनगर की डल झील में आग लगने की घटना में जानमाल के नुकसान से मुझे गहरा दुख हुआ है।

गोवावासियों ने दीवाली मनाने के लिए जलाए नरकासुर के पुतले

नई दिल्ली। आज देशभर में प्रकाश और उत्साह का पर्व दीपावली मनाया जा रहा है। तटीय राज्य गोवा के लोगों ने दिवाली उत्सव की शुरुआत करने के लिए रविवार तड़के राक्षस *नरकासुर* के विशाल पुतले जलाए। इस बीच, राज्य के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने लोगों को शुभकामनाएं दीं और उनसे त्योहार मनाने के लिए स्थानीय उत्पाद खरीदने का आग्रह किया। गोवा में नरकासुर के पुतले बनाने और उन्हें दिवाली पर जलाने की एक लंबी परंपरा है। स्थानीय लोग इस परंपरा को बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक मानते हैं। त्योहार मनाने के लिए राज्य में नरकासुर वध प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। पणजी स्थित इतिहासकार संजीव सरदेसाई ने कहा कि यह बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। भगवान कृष्ण की वेशभूषा में एक कलाकार सुबह के समय नरकासुर का वध करता है। इस तरह हम दिवाली मनाते हैं। उन्होंने कहा कि नरकासुर वध करने की परंपरा राज्य में पुर्तगाली शासन के दौरान भी मौजूद थी, लेकिन धार्मिक स्वतंत्रता पर प्रतिबंध के कारण यह दबी रही। हालांकि, पुर्तगाली शासन से मुक्ति के बाद गोवा की युवा पीढ़ी इस परंपरा का पालन कर रही है। इसके साथ ही राज्य भर में लोग दिवाली मनाने के लिए अपने घरों के प्रवेश द्वार पर पारंपरिक आकाशकंदिल (लालटेन) लगाते हैं। सीएम सावंत ने त्योहार पर शुभकामनाएं दीं और कामना की कि दिवाली की रोशनी राज्य में एकता की भावना से लोगों के मन और हृदय को रोशन करे। अपने दिवाली संदेश में सीएम ने कहा कि इस दिन की रोशनी हमें भगवान राम के उच्च आदर्शों की याद दिलाती है। इसके साथ ही सावंत ने कहा कि गोवा के लोग सुशासन की दिशा में आगे बढ़ चुके हैं। पीएम मोदी के *वोकल फॉर लोकल* अभियान का उल्लेख करते हुए सीएम ने कहा कि हम त्योहार मनाने के लिए स्थानीय उत्पादों को खरीदने पर अधिक जोर दें।

यूपी एटीएस ने आईएस के चार संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश के एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) ने प्रतिबंधित आतंकी संगठन आईएस के चार संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया। यह गिरफ्तारी पिछले दिनों अलीगढ़ से गिरफ्तार किए गए दो संदिग्ध आतंकियों से पूछताछ के बाद हुई है। आतंकी गतिविधियों में शामिल छह लोगों को अब तक उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया जा चुका है। ये सभी उत्तर प्रदेश में किसी बड़ी आतंकी घटना को अंजाम देने की फिराक में थे। विशेष पुलिस महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) प्रशांत कुमार ने रविवार को बताया कि गिरफ्तार संदिग्ध आतंकियों में राकिब को अलीगढ़ से और नावेद सिद्दकी, नोमान एवं मो. नाजिम को संभल से गिरफ्तार किया है। ये चारों अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से बीटेक और बीएएसी डिग्री होल्डर हैं। इनके पास से जो वस्तुएं बरामद हुई हैं उससे यह प्रतीत हुआ है कि ये सभी प्रतिबंधित संगठन आईएस से प्रेरित हैं और राज्य में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए अपने आईएस आकाओं के संपर्क में थे। उनके पास से पेन ड्राइव से आईएस और एक्यूआईएस से संबंधित प्रचार सामग्री बरामद की है। एटीएस एडीजी मोहित अग्रवाल के मुताबिक गिरफ्तार किए गए आतंकी उत्तर प्रदेश में बड़ी घटना को अंजाम देन की फिराक में थे। ये लोग कई युवकों को सोशल मीडिया के जरिए जिहाद के लिए उकसाने के साथ ही उन्हें गोपनीय स्थानों पर आतंकी प्रशिक्षण दिलाने का काम कर रहे थे। एटीएस इनके कुछ अन्य साथियों की भी तलाश कर रही है। उल्लेखनीय है कि यूपी एटीएस की टीम ने बीते दिनों अलीगढ़ से आईएस से जुड़े दो लोगों- अब्दुल्ला अर्सलान और माज बिन तारिक को गिरफ्तार किया था।

मुख्यमंत्री योगी ने किए रामलला के दर्शन साधु-संतों से भी मिले

अयोध्या (हिंस)। भव्य दीपोत्सव पर शनिवार को अयोध्या पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह श्रीरामलला के दर्शन किए। इसके बाद उन्होंने हनुमानगढ़ी में भी पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री ने भगवान से दीपावली पर्व पर देश एवं प्रदेशवासियों के कल्याण एवं सुख-समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री ने संतों से भी मुलाकात की। उन्होंने कहा कि 1990 के दशक में यहां कर्फ्यू लगता था, मगर अब दुनिया अयोध्या की तरफ आकर्षित हो रही है। आदित्यनाथ ने मणिराम दास जी की छावनी में महंत नृत्य गोपाल दास से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य के बारे में जाना। इसके बाद मुख्यमंत्री बड़ा भक्तमाल भी पहुंचे। यहां मुख्यमंत्री ने कौशल किशोरदास महाराज से मुलाकात की और उनका हालचाल जाना।

पुरानी पेंशन बहाल न होने पर होगा देशव्यापी हड़ताल : एआईआरएफ

प्रयागराज (हिंस)। विगत दिनों ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन (एआईआरएफ) का 99वॉ वार्षिक महाअधिवेशन परेल मुम्बई में हुआ, जिसमें तमाम वक्ताओं ने नई पेंशन स्कीम (एनपीएस) को समाप्त करके पुरानी पेंशन की बहाली के आंदोलन का उद्घोष किया। निर्णय लिया गया कि यदि सरकार जल्द पुरानी पेंशन बहाली की घोषणा नहीं करती है तो एआईआरएफ और उसके घटक यूनियन के साथ एनजेसीए से जुड़े हुए तमाम स्टेट गवर्नमेंट की कर्मचारी यूनियनें व शिक्षक कश्मीर से कन्याकुमारी तक हड़ताल पर जाएंगे। एनसीआरएमयू के शाखा मंत्री व मीडिया प्रभारी नागेन्द्र बहादुर सिंह ने रविवार को कहा कि अधिवेशन में निर्देशित किया गया कि हड़ताल पर जाने के लिए सभी कर्मचारियों से 21 व 22 नवंबर को स्ट्राइक वॉलेट द्वारा सहमति ली जाएगी। तत्पश्चात् पुरानी पेंशन बहाली के स्ट्राइक की तिथि घोषणा की जाएगी। इसके अलावा कोविड पीरियड के रोके गए डीए (18 माह) के एरियर का भुगतान ब्याज के साथ कराया जाए। महिला सहायक लोको पायलटों, महिला पायलटो, महिला ट्रैक मैंटरों, महिला ट्रेन मैनेजरों की कोर्ट परिवर्तन, रेलवे निजीकरण, निगमीकरण, मौद्रिकरण रोकने, रेलवे में रिक्त पड़े लाखों पदों को भरने, आठवें वेतन आयोग का गठन, बोनस की अदायगी कर्मचारियों के वेतन 7000 की सीलिंग को समाप्त कर 18000 के आधार पर करने की अदायगी आदि कुल 13 प्रस्तावों पर चर्चा की गई। इन तमाम मुद्दों पर राष्ट्रीय स्तर पर आंदोलन छेड़ने के प्रस्ताव पर समर्थन पारित किए गए। अंत में एआईआरएफ के महामंत्री शिवगोपाल मिश्रा ने सभी को आगाह किया कि चुनाव से पहले यदि सरकार पुरानी पेंशन बहाली की घोषणा नहीं करती है तो हड़ताल के लिए तैयार रहने के लिए कहा। नॉर्थ सेंट्रल रेलवे प्रयागराज जोन से नॉर्थ सेंट्रल रेलवे मेंस यूनियन के महामंत्री व ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन के उपाध्यक्ष आरडी यादव ने कहा कि हड़ताल ऐसी होगी की पूरे नार्थ सेंट्रल रेलवे जोन का चक्का पूरी तरह रुक जाएगा।

गांव में गरीबों के घर बरसा धन दीपावली बना समृद्धि का आधार

बेगूसराय (हिंस)। लंका विजय कर प्रभु श्रीराम के अयोध्या लौटने की खुशी में मनाए जाने वाले दीपावली और लक्ष्मी-गणेश पूजन में गांव की समृद्धि को एक नया आधार दे दिया है। वैसे तो कोई भी पर्व-त्योहार गांव की समृद्धि का आधार बनता है। इस वर्ष की भी दीपावली में हुए धन की बरसात ने गांव को समृद्ध किया है। दीपावली को लेकर बेगूसराय में जब तीन सौ करोड़ से भी अधिक का कारोबार हुआ है तो इसमें से करोड़ों रुपए गांव भी पहुंचे। गांव में बसे कुम्हार द्वारा बनाए गए मिट्टी के दीप और कलश की जहाज जमकर बिक्री हुई। वहीं, संठी उत्पादक किसानों को भी काफी फायदा हुआ है। एक अनुमान के मुताबिक बेगूसराय में 50 लाख अधिक के सिर्फ कलश, दीप, मूर्ति और संठी की बिक्री हुई हैं। विभिन्न गांवों में बसे कुम्हार परिवारों द्वारा बनाए गए दीप, कलश और चौमुख तथा मंसूरचक की प्रसिद्ध मूर्ति की बिक्री ना केवल उनके घर और स्थानीय बाजार में हुई। बल्कि बेगूसराय जिला में भी मुख्यालय में दूर-दूर से आए दो सौ से अधिक लोगों ने सड़क किनारे अस्थाई दुकान लगाया था। जहां कि तीन दिनों तक जमकर बिक्री हुई। धनतेरस और छोटी दीपावली के बाद आज रविवार को दीपावली के दिन भी खूब बिक्री हो रही है। मिट्टी के बने दीप, चौमुख और कलश पहले तो खूब दिखते थे। बीच के समय में इनकी बिक्री में कमी आई। लेकिन अब जब कोरोना ने लोगों को गांव की याद दिलाया तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्थानीय उत्पाद खरीदने की अपील किया तो बाजार में इसका जबरदस्त असर देखा गया। सभी लोगों ने कुछ ना कुछ मिट्टी के बने दीप जरूर खरीदे हैं। जिससे इसे बनाने वाले परिवारों में नई आशा का संचार हुआ है। कचहरी रोड में लगे एक अस्थाई दुकान पर मिट्टी के दिए दीप और कलश खरीद रही बबीता देवी ने बताया कि हमारे पूर्वजों के समय से मिट्टी के बने दीए जलाने की परंपरा रही है। बीच के दौर में आधुनिकता की चकाचौंध से प्रभावित लोगों ने सिंथेटिक दीपों का उपयोग करना शुरू किया। लेकिन अब एक बार फिर लोग पूरी तरह से पर्यावरण के अनुकूल स्थानीय स्तर पर बनाए गए मिट्टी के बर्तन की ओर आकर्षित हुए हैं। मिट्टी के बने दीप और कलश ना केवल

फूड प्वाइजनिंग से दो बच्चियों की मौत, तीन की हालत नाजुक

बेगूसराय (हिंस)। बिहार के बेगूसराय में भोज खाने के बाद बीमार पड़ी पांच बच्चियों में से दो के मौत का संदेहास्पद मामला रविवार को सामने आया है। घटना तेघड़ा थाना क्षेत्र के पकठौल पंचायत स्थित वार्ड संख्या-एक पकठौल की है। दोनों बच्ची स्थानीय निवासी सत्तो तांती की पुत्री बताई जा रही है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है सत्तो तांती के पड़ोस में ही एक मुंडन का भोज था। जिसमें भोज खाने के बाद सत्तो तांती की पांच पुत्री की तबीयत अचानक बिगड़ गई। जिसमें एक बच्ची गायत्री की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार बच्चियों को गंभीर हालत में तेघड़ा पीएचसी ले जाया गया। जहां कि रविवार को एक और बच्ची की मौत हो गई। इस संबंध में प्रशासनिक पुष्टि की प्रतीक्षा की जा रही है। घटना की जानकारी मिलने के बाद तेघड़ा डीएसपी डॉ. रविन्द्र मोहन प्रसाद के नेतृत्व में पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। मृत बच्चियों का शव समाचार भेजे जाने तक पोस्टमार्टम के लिए नहीं आया है। घटना की छानबीन एवं पोस्टमार्टम रिपोर्ट होने के बाद ही मौत के कारणों का खुलासा होगा। परिजन इस घटना को फूड प्वाइजनिंग बता रहे हैं तथा उनका कहना है कि भोज में भात खाने के बाद पांचों बच्ची की तबीयत बिगड़ी। लेकिन ग्रामीण फूड प्वाइजनिंग की बात से साफ इनकार कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि भोज बड़ी संख्या में लोगों ने खाया था।

प्राथमिक और मध्य विद्यालय के शिक्षक 24 को निकालेंगे मशाल जुलूस

रांची (हिंस)। प्राथमिक और मध्य विद्यालय के शिक्षक 24 नवंबर को सभी जिला मुख्यालय में मशाल जुलूस निकालेंगे। शिक्षक स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग की ओर से पिछले दिनों प्रोन्नति को लेकर जारी किये गये दिशा-निर्देश का विरोध कर रह रहे हैं। अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश प्रवक्ता नसीम अहमद ने रविवार को बताया कि विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देश प्रावधान के अनुरूप नहीं है। राज्य भर में शिक्षक इसका विरोध कर रहे हैं। इसी को लेकर मशाल जुलूस निकाला जाएगा।

दीपावली पर मुस्लिम महिलाओं ने भगवान राम की आरती उतार की स्तुति

वाराणसी (हिंस)। दीपावली पर रविवार को प्रतिवर्ष की भांति मुस्लिम महिलाओं ने भगवान राम की विधिवत आरती उतारी, भजन गाकर उर्दू में श्रीराम लिखा और उस पर दीप जलाए। भगवान श्रीराम, माता जानकी, लक्ष्मण एवं हनुमान जी को भी पुष्प अर्पित कर विश्व को मानवीय एकता और शांति का संदेश दिया। लमही स्थित सुभाष भवन में मुस्लिम महिला फाउंडेशन और विशाल भारत संस्थान के संयुक्त बैनर तले जुटी मुस्लिम महिलाओं ने हनुमान चालीसा फेम नाजनीन अंसारी के नेतृत्व में भगवान राम की आरती उतारी। इस अवसर पर महिलाओं ने कहा कि हमारे पूर्वज भगवान राम की पूजा करते आ रहे हैं तो वो इसे कैसे छोड़ सकती हैं। भगवान राम को अपना पूर्वज मानने वाली मुस्लिम महिलाएं शांति और एकता की दूत हैं, जो नफरत और हिंसा के अंधेरे को रामनाम के प्रकाश से खत्म करने का प्रयास करती हैं। वर्ष 2006 में संकट मोचन बम ब्लास्ट के बाद मुस्लिम महिलाएं लगातार प्रभु श्रीराम की आरती कर शांति, एकता और सद्भावना का संदेश देती आ रही हैं। कई बार आतंकियों और कट्टरपंथियों ने आरती बंद करने की धमकी दी, लेकिन मुस्लिम महिलाएं न कभी रुकीं और न धमकियों से डरीं। फाउडोशन की नेशनल सदर नाजनीन अंसारी ने कहा कि प्रभु श्रीराम हमारे पूर्वज हैं। हम धर्म बदल सकते हैं, लेकिन पूर्वज नहीं बदल सकते। रामनाम के प्रकाश से अधर्म का अंधकार मिट जाता है, जरूरत है राम नाम को हर जगह फैलाने की। जो राम से दूर हैं, वही हिंसा के लिए मजबूर हैं। फिलिस्तीन और इजरायल आपस में खून बहा रहे हैं, दोनों को भगवान राम के रास्ते पर चलने की जरूरत है, तभी शांति आ सकती है। मैं मुस्लिम देशों को चिट्ठी लिख रही हूं कि वे अपने देश में श्रीराम की प्रतिमा स्थापित करें और उनके महान त्याग को अपने देश का आदर्श बनाये। रामराज्य ही दुनियां को शांति की ओर ले जा सकता है। संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राजीव ने कहा कि देशों या परिवार को आपसी रिश्ते सुधारने हो तो यह जरूरी है कि हमें राम के मार्ग का अनुसरण करना होगा। राम ही साधन हैं और राम ही विकल्प। जिन देशों में राम की पूजा शुरू हो जाएगी, वहां के लोगों के मन में शांति स्थापित हो जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर पीएचडी करने वाली मुस्लिम महिला डॉ नजमा परवीन ने कहा कि मुस्लिम महिलाओं का यह प्रयास आपसी संबंधों को मजबूत करने वाला और शांति का संदेश देने वाला है। श्रीराम की आरती में डॉ. अर्चना भारतवंशी, रजिया सुल्ताना, शबाना बेगम, शमा अफरोज, रेशमा कुरैशी, रजिया, जलिया बेगम, नगीना बेगम, रबीना आदि ने भागीदारी की।

राजस्थान / हरियाणा / पंजाब

पंजाब के नौजवानों की दीवाली का तोहफा

पुलिस में 1450 भर्तियों को मंजूरी

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान ने नौजवानों को दिवाली का तोहफा देते हुए राज्य में 1450 पुलिस कर्मचारियों की भर्ती प्रक्रिया शुरू करने के लिए मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रंगला पंजाब के सपने को साकार करने के लिए नौजवान अहम भूमिका निभाएंगे और इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए उनकी सरकार द्वारा नौजवानों के लिए सरकारी नौकरियों में भर्ती के रास्ते खोले जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि इन 1450 पुलिस कर्मचारियों में से 50 इंस्पेक्टर, 150 सब-इंस्पेक्टर, 500 सहायक सब-इंस्पेक्टर (एएसआई) और 750 हेड-कांस्टेबल भर्ती किए जाएंगे। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य यह सुनिश्चित बनाना है कि नौजवान राज्य के सामाजिक- आर्थिक विकास में बराबर के हिस्सेदार बनें। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने अब तक 37,683 नौजवानों को सरकारी नौकरियाँ दी हैं। उन्होंने कहा कि यह एक रिकॉर्ड है क्योंकि सरकार ने इस भर्ती मुहिम को केवल 18 महीनों में पूरा किया है, जबकि पिछली सरकारों ने अपने पूरे कार्यकाल के दौरान इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया। भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह मुहिम आने वाले दिनों में भी जारी रहेगी, जिससे और नौजवानों को भी राज्य सरकार का हिस्सा बनने का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस में 1450 पुलिस कर्मचारियों की भर्ती से ज़िला स्तर पर पुलिस फोर्स का कामकाज और अधिक सुचारू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि यह अहम पहल राज्य में कानून-व्यवस्था को कायम रखने के साथ-साथ समाज विरोधी तत्वों से निपटने में भी और अधिक सहायक होगी। भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार अधिक से अधिक नौजवानों को भर्ती करने के अलावा बुनियादी ढांचे को वैज्ञानिक राह पर अपग्रेड करके पंजाब पुलिस के आधुनिकीकरण के लिए प्रतिबद्ध है।

जहरीली शराब से मरने वालों की संख्या 17 तक पहुंची

यमुनानगर (हिंस)। हरियाणा के यमुनानगर में जहरीली शराब पीकर मरने वालों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। जहरीली शराब ने पांच गांवों में दीपावली को काला कर दिया है। पीजीआई में इलाज करवा रहे मंडेबरी के रमेश (35) की रविवार सुबह मौत हो गई। वह अधिक शराब पीने का आदी था और शराब बेचने का काम भी करता था। इसका पोस्टमार्टम मजिस्ट्रेट द्वारा गठित डॉक्टरों के बोर्ड द्वारा कराया जाएगा। जहरीली शराब पीने से अभी तक मरने वालों की संख्या 17 तक पहुंच गई है। अभी भी 4 व्यक्ति जिंदगी और मौत की लड़ाई लड़ रहे हैं। मरने वालों का आंकडा अभी और बढ़ सकता है। जहरीली शराब से अंबाला और यमुनानगर में मौत का आंकड़ा बढ़ने से अब प्रदेश सरकार ने भी संज्ञान लिया है। थाना फरकपुर,थाना छप्पर और थाना बिलासपुर के अंतर्गत बीते मंगलवार से लेकर रविवार तक गांव मंडेबरी, पंजेटो का माजरा, फूस गढ़ और सारण और मंगलौर में जहरीली शराब पीने से मरने वालों की संख्या 16 से बढ़कर 17 हो गई,जबकि 4 व्यक्तियों का इलाज अलग-अलग अस्पताल में जारी है। इन सभी गांवों में पुलिस और स्वास्थ्य विभाग के डॉक्टर्स और आशा वर्कर्स की टीमें घर-घर जाकर सर्वे कर रही है।

कांग्रेस के दीपोत्सव में एक लाख 56 हजार दीपों का किया प्रज्ज्वलन

जयपुर (हिंस)। दीपोत्सव और चुनावी साल के बीच राजनीतिक दलों में सॉफ्ट हिंदुत्व की इमेज को मजबूत करने की कसरत और होड़ नजर आने लगी है। शनिवार को छोटी दीपावली के मौके पर राजधानी जयपुर में कांग्रेस की ओर से दीप प्रज्वलन का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शिरकत की और 1 लाख 56 हजार दीपों का प्रज्ज्वलन किया। विद्याधर नगर स्टेडियम में यह कार्यक्रम पूरी तरह से कांग्रेस के रंग में डूबा रहा। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस के कई नेता और जयपुर से कांग्रेस के उम्मीदवार प्रत्याशी भी मौजूद रहे। इस मौके पर मालवीय नगर से कांग्रेस प्रत्याशी अर्चना शर्मा, किशनपोल से पार्टी के उम्मीदवार अमीन कागजी, विद्याधर नगर के कांग्रेस प्रत्याशी सीताराम अग्रवाल और झोटवाड़ा प्रत्याशी अभिषेक चौधरी मौजूद रहे। स्टेडियम में आयोजित दीपोत्सव कार्यक्रम के दौरान दीप माला के जरिए कांग्रेस के सिंबल हाथ के निशान को दर्शाया गया। इसके अलावा प्रदेश में कांग्रेस के चुनावी नारे काम किया दिल से, कांग्रेस फिर से और साथ गारंटी को दिखाया गया। इस मुहिम में डेढ़ लाख से ज्यादा दीपों को प्रज्वलित कर कांग्रेस ने चुनावी दौर में अपने संकल्प को जाहिर किया। दीपोत्सव कार्यक्रम में सात गारंटी वाले पोस्ट पर पहली दफा राहुल गांधी की तस्वीर भी नजर आई। गौरतलब है कि चुनाव कार्यक्रम में मुख्यमंत्री की ओर से डिजाइन बॉक्स नाम की कंपनी ने प्रदेश में प्रचार की पूरी कमान संभाल रखी है। इस दौरान शुरुआत में मुख्यमंत्री और इसके बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा की तस्वीर प्रचार के दौरान नजर आने लगी थी। अब इस मुहिम में पहली बार राहुल गांधी का पोस्टर दीपोत्सव कार्यक्रम के मंच पर बैकड्रॉप पर दिखाया गया।

दरबार साहिब में उमड़ी भीड़, दो लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद

चंडीगढ़ (हिंस)। दीपावली व बंदी छोड़ दिवस के अवसर पर देश-विदेश से श्रद्धालु अमृतसर स्थित दरबार साहिब पहुंच रहे हैं। सिख धर्म में अधिकतर लोगों का यह प्रयास रहता है कि दीपावली की रात दरबार साहिब में ही माथा टेका जाए। पंजाब में कहावत है कि (दाल रोटी घर दी-दीवाली अमृतसर दी)। रविवार को दीपावली के अवसर पर अल सुबह से ही देश-विदेश से आए हुए श्रद्धालु दरबार साहिब पहुंच गए हैं। सामान्य दिनों में जहां यहां पर करीब एक से सवा लाख श्रद्धालु आते हैं वहीं रविवार को बंदी छोड़ दिवस के अवसर पर यहां दो लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद जताई जा रही है। जिसके चलते अमृतसर की सभी सराय, धर्मशाला, होटल व लॉज पहले से ही बुक हो चुके हैं। पंजाब में परंपरा है कि कनाडा, जर्मनी व आस्ट्रेलिया में बसे सिख बंदी छोड़ दिवस के अवसर पर पंजाब में अपने पैतृक गांवों में पहुंच जाते हैं और दरबार साहिब में माथा टेकने के बाद अपने काम शुरू करते हैं। रविवार को दिवाली और बंदी छोड़ दिवस के मौके पर अमृतसर के गोल्डन टेंपल को सुंदर लाइटों से सजाया गया है। स्वर्ण मंदिर इस कदर खूबसूरत दिख रहा है कि हर कोई उसे एक टक देखता रह जाता है और प्रणाम करता है। शाम होते ही इसकी खूबसूरती कई गुणा बढ़ने वाली है। शाम को गोल्डन की परिक्रमा में 1 लाख देसी घी के दीये जलाए जाएंगे।

राहुल गांधी का 16 को बीकानेर में रोड शो

बीकानेर (हिंस)। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी 16 नवंबर को बीकानेर में पश्चिम-पूर्व विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस प्रत्याशियों के लिए रोड शो करेंगे। राहुल का कार्यक्रम तय होने के बाद कांग्रेस नेताओं ने तैयारियों शुरु कर दी है। राहुल का रोड शो किन रास्तों से निकाला जाए ताकि पूर्व और पश्चिम दोनों ही सीटों को लाभ हो सके इस बारे में पश्चिम से प्रत्याशी डॉ. बीडी कल्ला, पूर्व क्षेत्र से प्रत्याशी यशपाल गहलोत ने कांग्रेस के प्रदेश सचिव हाजी जिया उर रहमान आरिफ के साथ चर्चा की। कांग्रेस के संगठन महासचिव नितिन वत्सस ने बताया कि राहुल गांधी 16 नवंबर की दोपहर बारह बजे के बाद बीकानेर पहुंचेंगे। इसके बाद रोड शो में हिस्सा लेंगे। करीब दो से तीन घंटे तक राहुल गांधी का बीकानेर प्रवास हो सकता है। बीकानेर कांग्रेस को अब तक राहुल का विस्तृत कार्यक्रम नहीं मिला है। राहुल गांधी के साथ मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी बीकानेर आ सकते हैं, हालांकि उनका अधिकृत कार्यक्रम अभी जारी नहीं हुआ है। केंद्रीय संगठन से भी कुछ पदाधिकारी राहुल गांधी के साथ होंगे। राहुल की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रास्तों को तय किया जाएगा।

ट्रक के पीछे घुसी जीप, एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

जयपुर (हिंस)। बूंदी के हिंडोली में बाइपास एनएच 52 पर शनिवार देर रात एक ट्रक में घुस जाने से जीप में सवार चार जनों की मौत हो गई। वहीं तीन जने गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए बूंदी चिकित्सालय में भर्ती करवाया गया है। पुलिस के अनुसार मध्यप्रदेश के आगर जिले के निवासी गुर्जर समाज के लोग दीपावली पर छांठ भरने पुष्कर जा रहे थे। जीप में एक ही परिवार के सदस्य मौजूद थे। उसे दौरान कस्बे के बाइपास पर जीप एक ट्रक के पीछे घुस गई, जिससे उसमें सवार चार जनों की मौत हो गई एवं तीन घायल हो गए। तीनों घायलों को उपचार के लिए बूंदी चिकित्सालय ले जाया गया।

सिख धर्म में दीवाली पर मनाया जाता है बंदी छोड़ दिवस

चंडीगढ़ (हिंस)। भारत विभिन्न जाति व धर्मों का देश है। जहां प्रत्येक त्यौहार को अलग-अलग तरीके से मनाए जाने की परंपरा है। आज देश में जहां दीपावली की धूम है वहीं पंजाब समेत समूचे विश्व में बसे सिख समुदाय के लोग दिवाली के दिन बंदी छोड़ दिवस के रुप में मनाते हैं। बंदी छोड़ दिवस का संबंध सिखों के छठे गुरू गुरू हरगोबिंद सिंह से है। माना जाता है गुरू हरगोबिंद सिंह जी की इस दिन जहांगीर द्वारा रिहाई की गई थी। इसीलिए सिख समुदाय के लोग बंदी छोड़ दिवस को दिवाली के समान ही मनाते हैं और घरों और गुरुद्वारों को रौशन करते हैं। पौराणिक कथा के अनुसार मुगलों ने ग्वालियर के किले को जेल में तबदील कर दिया। इस किले में मुगल सल्तनत के लिए खतरा कहे जाने वाले लोगों को कैद करके रखा जाता था। मुगल बादशाह जहांगीर ने यहां 52 राजाओं के साथ छठे सिख गुरु हरगोबिंद साहिब को भी कैद रखा था। ऐसा माना जाता है जहांगीर को सपने में एक रूहानी हुक्म के कारण गुरु हरगोबिंद साहिब को रिहा करना पड़ा। जब मुगल बादशाह को जब अपनी गलती का अहसास हुआ, तो उन्होंने हरगोबिंद साहिब से लौटने का आग्रह किया। गुरु हरगोबिंद साहिब ने अकेले जानें से मना कर दिया और अपने साथ के सभी 52 कैदियों की भी रिहाई करवाई। गुरु साहिब के लिए 52 कली का चोला बनवाया। 52 राजा जिसकी एक-एक कली पकड ?र किले से बाहर आ गए। इस तरह उन्हें कैद से मुक्ति मिल सकी थी। इसीलिए इस दिन को बंदी छोड़ दिवस यानि बंधनों से मुक्ति दिलाने वाला दिन कहा जाता है। ऐसा माना जाता है गुरु हरगोबिंद सिंह जी दिवाली वाले दिन 52 राजाओं को जहांगीर की कैद से मुक्त कराकर अकाल तख्त साहिब, अमृतसर पहुंचे थे। इस मौके पर पूरे अमृतसर शहर को दीयों से सजाया गया। रविवार को भी दीपावली व बंदी छोड़ दिवस के अवसर पर दरबार साहिब में संगत अल सुबह से नतमस्तक हो रही है।

संपादकीय

मंत्रिमंडल विस्तार के लाग लपेट

नजर बांधने का इंतखाब अच्छा, तेरे नाम पे ये पैगाम अच्छा। बिलासपुर दौरे पर हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू ने सियासी सुख की दरकार को पूरा करने का आश्वासन दिया और इस तरह मंत्रिमंडल विस्तार के लाग लपेट से हट कर जिला का नाम आया। बिलासपुर से मंत्रिमंडल का रास्ता यूं तो शिमला से दूर नहीं है, फिर भी राजनीति के अपने घुमाव व पेंच रहे हैं। ऐसे में मुख्यमंत्री की ओर से आया संकेत क्षेत्रीय राजनीति के आयाम को पैगाम दे रहा है। ये सुर्खियां जितनी सहजता से विधायक राजेश धर्माणी के सफर से मुखातिब होती हैं, उतनी ही आसानी से आगामी लोकसभा चुनाव की राजनीतिक तैयारियों को इंगित करती हैं। हिमाचल की सत्ता के अगले मुकाम पर सरकार अपने काम पर रही है, लेकिन लोकसभा चुनाव तफतीश करेंगे कि अंततः कांग्रेस चली कितने कोस। लोकसभा चुनाव की दूरियों को पाटने के लिए दरियां नहीं, दिल मिलाने होंगे और इसी की शुरुआत में बिलासपुर की खनक पूरे हमीरपुर संसदीय क्षेत्र की नब्ज पर हाथ रख रही है। यह कोई अचंभा भी नहीं कि मंत्रिमंडल की उदारता में बिलासपुर का चेहरा नजर आ रहा है, लेकिन सियासत के संतुलन का इंतखाब कोशिश कर रहा है। कहना न होगा कि अकेले हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के लिए मंत्रिमंडल में जगह सुनिश्चित करके चुनावी पारी पूरी हो जाएगी, बल्कि साथ लगते कांगड़ा संसदीय क्षेत्र का राजनीतिक सूनापन कब से रूठा पड़ा है। बेशक हमीरपुर की वकालत में बिलासपुर का सिक्का काम आएगा, लेकिन सरकार में पहले से मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्री के दर्जे में यह संसदीय क्षेत्र, हिमाचल व केंद्र की सत्ता का मर्ज भी बन रहा है। यह इसलिए भी क्योंकि राज्य से एकमात्र केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर को यहीं से पंजा लड़ाना है या इसलिए भी क्योंकि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा को भी अपना कद आजमाना है। जिस मंडी में पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर की सियासी जिद्द पारंगत हुई उससे मुलाकात न भी सही, लेकिन मंत्रिमंडल में छाए शिमला संसदीय क्षेत्र को राजनीति औकात बतानी और बनानी है। सरकार के अपने प्लस हो सकते हैं, लेकिन मंत्रिमंडल के माइनस में अटकी कांगड़ा की सांसों की फितरत बीमार मरीज से भिन्न नहीं है। यहां मसला राजनीतिक परंपराओं का है और सत्ता के प्रतिनिधित्व का भी। यह इसलिए भी क्योंकि मुख्य संसदीय सचिवों की सत्ता में पारी पर, अदालती आशंकाएं निर्णायक मोड़ पर खड़ी हैं और अगर फैसला प्रतिकूल असर ले कर आता है, तो राज्य सरकार में क्षेत्रीय भागीदारी का ईनाम फिर से प्रश्न खड़े करेगा। हालांकि मंत्रिमंडल विस्तार की संभावना में दाल बांटने के मुहूर्त का किसी को कोई अनुमान नहीं, फिर भी लोकसभा के चुनावों ने राजनीतिक पांत तो बिछा दी है। सत्ता में मंत्री और सत्ता के कैबिनेट रैंक में बंटे ओहदों की भरपूर चमक के बावजूद, जिलों के अपने बागीचों में उगती रही सियासी धूप को नजरअंदाज करने का नकारात्मक पक्ष हमेशा रहेगा। ऐसे में बिलासपुर तक पहुंच रहा कैबिनेट विस्तार क्या कांगड़ा जिला तक भी पहुंचेगा। क्या फिर से राजनीतिक वरिष्ठता को मंत्रिमंडल विस्तार स्वीकार करेगा या नई पौधशाला से कुछ नए चेहरों को प्राथमिकता मिलेगी। जो भी हो, होना है तो लोकसभा चुनाव से पूर्व ही विस्तार करना होगा, वरना खेत में पहले ही भाजपा नामी चिडिया मौजूद है। यहां घात-प्रतिघात की सियासत के लिए वर्तमान दौर नाजुक समझा जा रहा है और यह भी कि बतौर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह के लिए अपनी सरकार के मुआयने में लोकसभा चुनाव काफी कुछ सिद्ध करेंगे। कांग्रेस वैसे भी राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के सामने नए विचार, नए आकार और अस्तित्व के प्रसार के साथ चुनौती बढ़ा रही है, तो हिमाचल में सत्ता के दम पर यही चुनाव समीक्षा करेगा। बहरहाल राजेश धर्माणी के समीप मंत्रिमंडल विस्तार की अटकलों को स्पष्टता से देखने की वजह अगर मजबूत होती है, तो आगे चलकर यही पैगाम कांगड़ा के कुछ चेहरों को खुश कर सकता है, लेकिन उस स्थिति में शायद हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के अन्य नेताओं के लिए सत्ता की ओर से रेड सिग्नल मिल चुका होगा।

> हिमाचल की सत्ता के अगले मुकाम पर सरकार अपने काम पर रही है, लेकिन लोकसभा चुनाव तफतीश करेंगे कि अंतत : कांग्रेस चली कितने कोस। लोकसभा चुनाव की दूरियों को पाटने के लिए दरियां नहीं, दिल मिलाने होंगे और इसी की शुरुआत में बिलासपुर की खनक पूरे हमीरपुर संसदीय क्षेत्र की नब्ज पर हाथ रख रही है। यह कोई अचंभा भी नहीं कि मंत्रिमंडल की उदारता में बिलासपुर का चेहरा नजर आ रहा है, लेकिन सियासत के संतुलन का इंतखाब कोशिश कर रहा है। कहना न होगा कि अकेले हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के लिए मंत्रिमंडल में जगह सुनिश्चित करके चुनावी पारी पूरी हो जाएगी, बल्कि साथ लगते कांगड़ा संसदीय क्षेत्र का राजनीतिक सूनापन कब से रूठा पड़ा है। बेशक हमीरपुर की वकालत में बिलासपुर का सिक्का काम आएगा, लेकिन सरकार में पहले से मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्री के दर्जे में यह संसदीय क्षेत्र, हिमाचल व केंद्र की सत्ता का मर्ज भी बन रहा है। यह इसलिए भी क्योंकि राज्य से एकमात्र केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर को यहीं से पंजा लड़ाना है या इसलिए भी क्योंकि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा को भी अपना कद आजमाना है। जिस मंडी में पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर की सियासी जिद्द पारंगत हुई उससे मुलाकात न भी सही, लेकिन मंत्रिमंडल में छाए शिमला संसदीय क्षेत्र को राजनीति औकात बतानी और बनानी है। सरकार के अपने प्लस हो सकते हैं, लेकिन मंत्रिमंडल के माइनस में अटकी कांगड़ा की सांसों की फितरत बीमार मरीज से भिन्न नहीं है।

कुछ अलग

एमएसपी की चुनावी बढ़ोतरी

भारत सरकार के कृषि मूल्य आयोग ने गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) बढ़ाया है। गेहूं रबी के मौसम की मुख्य फसल होती है। 2023-24 के लिए एमएसपी में बढ़ोतरी 150 रुपए कर गेहूं के दाम 2275 रुपए प्रति क्विंटल तय किए गए हैं। यह अभी तक की सबसे अधिक वृद्धि है, क्योंकि यूपीए सरकार के दौरान 2006-07 और 2007-08 में लगातार दो साल फसलों के एमएसपी में बढ़ोतरी की गई थी, लेकिन तुलना में वे कम थीं। यह एमएसपी वृद्धि महज किसानों के कल्याण और उनकी आर्थिक स्थिति के मद्देनजर नहीं है। इससे किसानों की आमदनी दोगुनी होने लगेगी, ऐसे कोई आसार नहीं हैं। दरअसल बुनियादी व्यवस्था में ही खोट है, क्योंकि किसान की फसल एमएसपी पर नहीं खरीदी जाती। सरकारी खरीद का लाभ बेहद सीमित है। उसका फायदा 10-12 फीसदी किसानों को भी नसीब नहीं है, लिहाजा किसान कृषि की मंडियों में ही फसल बेचने को विवश है। वहां कई तरह की कटौतियों के बाद किसान के हाथ एमएसपी तक नहीं लगता। फसल बेचना उसकी मजबूरी है, लिहाजा किसान कम दाम पर भी फसल बेचने को विवश है। यही सवाल कई दशकों से किसानों के सामने 'यक्ष' की तरह मौजूद है। मोदी सरकार के 10 साल भी गुजर जाएंगे, लेकिन एमएसपी का सवाल अनुत्तरित रहेगा। वैसे उसने एक समिति का गठन कर रखा है, जिसमें कुछ किसान प्रतिनिधि भी शामिल हैं, लेकिन वह समिति क्या कर रही है, उनका विमर्श किस निष्कर्ष तक पहुंचा है, क्या एमएसपी को कानूनी दर्जा देने की सिफारिश पर सहमति बन चुकी है, लेकिन लंबा समय बीतने के बावजूद कुछ भी सार्वजनिक नहीं किया गया है। अभी एमएसपी की घोषणा करने के आर्थिक के साथ-साथ राजनीतिक, चुनावी आयाम भी हैं। 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले एमएसपी में यह आखिरी बढ़ोतरी है। इसके अलावा, पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों की प्रक्रिया जारी है। नवम्बर में मतदान होंगे और 3 दिसंबर को जनादेश घोषित किए जाएंगे। इन राज्यों में मध्यप्रदेश और राजस्थान में गेहूं रबी मौसम की प्रमुख फसल है। एमएसपी में बढ़ोतरी की गई है, जाहिर है कि किसानों के वोट बैंक पर निगाहें रही होंगी। वैसे मोदी सरकार ने अपने साढ़े नौ साल के कार्यकाल में गेहूं का एमएसपी 875 रुपए क्विंटल बढ़ाया है, जबकि यूपीए सरकार के दौरान यह बढ़ोतरी 770 रुपए क्विंटल की गई थी। धान का एमएसपी भी मौजूदा सरकार ने 873 रुपए क्विंटल बढ़ाया है, लेकिन यूपीए सरकार के 10 साला कालखंड में यह वृद्धि 760 रुपए की गई थी। वैसे ऐसी तुलनाएं ही गलत हैं, क्योंकि मुद्रा के अवमूल्यन और मुद्रास्फीति को भी ध्यान में रखना होता है।

आंख के बदले आंख विश्व को अंधा बना देगी, गांधी जी के इस कथन पर भी विचार होना चाहिए

'आंख के बदले आंख' सिद्धांत कितना प्रासंगिक

प्रताप सिंह पटियाल

> रूस-यूक्रेन की जंग व इजरायल के साथ हमास जैसे चरमपंथी संगठन के सशस्त्र संघर्ष ने विश्व को कई सबक सिखा दिए हैं। गत सात अक्तूबर 2023 को जब इजरायल की आवाम अपना 'योम किप्पुर' नामक पर्व मना रही थी, तब फिलिस्तीन के गाजापट्टी से संचालित होने वाले चरमपंथी संगठन 'हमास' ने इजरायल पर खौफनाक हमले को अंजाम देकर पूरी दुनिया को चौंका दिया।

'आंख के बदले आंख और दांत के बदले दांत', यह पंक्ति बेबीलोन के राजा हाम्बुराबी (1790 ई. पूर्व) के कानून का एक अंश है। एक विशाल पत्थर के स्लैब पर अंकित हाम्बुराबी की कानून संहिता को सन्-1901 में ईरान के 'सुसा' शहर में खोजा गया था तथा मौजूदा वक्त में यह स्टेल पेरिस के 'लौवर' संग्रहालय में संरक्षित है। प्रखर राष्ट्रवाद के लिए प्रसिद्ध इजरायल की सेना अपने दुश्मनों के साथ आंख के बदले आंख के सिद्धांत पर काम करती है। लेकिन 'आंख के बदले आंख पूरे विश्व को अंधा बना देगी', यह कथन 'महात्मा गांधी' का है। महात्मा बुद्ध, महावीर, गुरु नानक देव जैसे महापुरुषों के आध्यात्मिक ज्ञान की विरासत, अहिंसा के मंत्र, सत्य के सिद्धांत सदियों से भारतीय सभ्यता का हिस्सा रहे हैं। मगर प्रश्न यह है कि जब पड़ोस में आतंक का तर्जुमान पाकिस्तान हो, दूसरी तरफ शातिर चीन तथा अन्य मुल्क वक्त की नजाकत को देखकर रंग बदलने में माहिर हों तथा विदेशों में शरण लेकर भारत को खंडित करने का ख्वाब देख रहे चरमपंथी संगठन मौजूद हों, तो शांति का मसीहा बनकर नैतिकता का पाठ व अहिंसा के सिद्धांतों की दुहाई देना कितना प्रासंगिक है। रूस-यूक्रेन की जंग व इजरायल के साथ हमास जैसे चरमपंथी संगठन के सशस्त्र संघर्ष ने विश्व को कई सबक सिखा दिए हैं। गत सात अक्तूबर 2023 को जब इजरायल की आवाम अपना 'योम किप्पुर' नामक पर्व मना रही थी, तब फिलिस्तीन के गाजापट्टी से संचालित होने वाले चरमपंथी संगठन 'हमास' ने इजरायल पर खौफनाक हमले को अंजाम देकर पूरी दुनिया को चौंका दिया। हमास ने इजरायल पर हमला करके पचास वर्ष पूर्व की उस तारीख को ताजा कर दिया जब मिस्र व सीरिया की सेनाओं ने मिलकर छह अक्तूबर 1973 को इजरायल पर योम किम्पूर

पर्व के अवसर पर हमला किया था। इजरायल के वर्तमान प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू उस योम किप्पुर जंग में इजरायली सेना का हिस्सा बनकर लड़े थे। इजरायली सेना के शदीद पलटवार के बाद 26 अक्तूबर 1973 को सीजफायर का ऐलान हुआ। युद्ध के बाद मिस्र व इजरायल में मुजाकरात का दौर शुरू हुआ। एक तवील अर्से के बाद पूर्व सैन्य अधिकारी रहे मिस्र के राष्ट्रपति मुहम्मद अनवर अल सादत ने सन् 1977 में इजरायल का दौर किया। सन्-1978 में मु. अनवर अल सादत तथा इजरायली प्रधानमंत्री 'मेनाकेम बेगिन' के बीच मिस्र-इजरायल नामक शांति संधि हुई। लेकिन कट्टरपंथ की उल्फत में डूबे कई मुल्कों को वो शांति संधि नागवार गुजरी। आखिर छह अक्तूबर 1981 के दिन मिस्र की राजधानी काहिरा में सैन्य परेड के दौरान आतंकियों ने राष्ट्रपति मो. अनवर अल सादत को कत्ल कर दिया था। भावार्थ यह है कि मैदाने जंग में दुश्मन को धूल चटाकर हमेशा फातिम योद्धा का किरदार निभाने वाले मुल्क इजरायल के साथ युद्ध तथा शांति संधि दोनों इंतसार पैदा करते हैं। किसी भी देश पर अचानक हमला होने की स्थिति में वहां की खुफिया एजेंसियों की चूक पर सवाल उठते हैं। देश की सुरक्षा में खुफिया विभाग की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। इजरायल देश की आंतरिक सुरक्षा का जिम्मा खुफिया एजेंसी 'शिन बेट' तथा देश के बाहर की कमान सन्-1949 में स्थापित 'मोसाद' संभालती है। जोखिम भरे मिशनों को खुफिया तरीके से अंजाम देने में माहिर मोसाद दुनिया की सर्वश्रेष्ठ खुफिया एजेंसियों में शुमार करती है। मोसाद के खुफिया सैन्य मिशनों का एक शानदार इतिहास रहा है। 27 जून 1976 को इजरायल की राजधानी तेल अवीव में फ्रांस की ऐयरबस का कुछ आतंकियों ने अपहरण करके उसे युगांडा के एंतेबे हवाई अड्डे पर उतार दिया था, जिसमें ज्यादातर इजरायली नागरिक सवार थे। चार जून 1976 को इजरायल के 'एलिट ग्रुप' के कमांडो ने आपरेशन 'थंडरबोल्ट' को अंजाम देकर एंतेबे हवाई अड्डे पर सात आतंकियों सहित युगांडा के पचास सैनिकों को भी हलाक करके उस जहाज को रिहा करा लिया था। उस कमांडो मिशन में इजरायल के वर्तमान प्रधानमंत्री नेतन्याहू के बड़े भाई कर्नल 'जोनाथन नेतन्याहु' शहीद हो गए थे। गौर करने वाली बात है कि इजरायल का सियासी नेतृत्व करने वाले ज्यादातर सियासतदानों का सैन्य क्षेत्र का जमीनी अनुभव रहा है। लिहाजा इजरायल से प्रत्यक्ष युद्ध की हिमाकत कोई भी देश नहीं करता। इसीलिए आतंकी संगठनों की सरपरस्ती हो रही है। 14 मई 1948 को इजरायल ने खुद को एक आजाद मुल्क घोषित कर दिया था। वजूद में आने के एक दिन बाद ही अरब देशों ने इजरायल पर हमला बोल दिया था। तब यूएनओ ने मध्यस्थता करके युद्ध को शांत कर दिया था। दुश्मन देशों से घिरे इजरायल की आवाम पर अत्याचारों की एक लम्बी दास्तान है। मगर जिस प्रकार इजरायल ने खुद को हर क्षेत्र में सक्षम किया है वो एक मिसाल है। हमास के हमले से भारत की सियासी हरारत भी बढ़ चुकी है। मजहब के कई रहनुमां हैवानियत को शर्मसार करने वाले हमास के आतंकियों को इंकलाबी चेहरे बता रहे हैं। मजलूमों को मारने का हश्र क्या होता है, हमास की इस हरकत का अंजाम फिलिस्तीन की आवाम भुगत रही है। शहर शमशान में तब्दील हो रहे हैं। अलबत्ता मजहबी नारे लगाकर बेगुनाह लोगों का कत्ल करने वाले आतंकियों को इजरायली सेना जहन्नुम की परवाज पर भेजकर ही दम लेगी। स्मरण रहे प्रतिशोध भरा इंतकाम जुल्म से भी बद्दतर साबित होता है। लाशें रोती नहीं, मगर उन्हें सुपुर्दे खाक करने वाले चीत्कार के साथ मातम मनाते हैं। नया शहर कितना भी आबाद हो, परंतु पीछे छूटने वाले आशियाने बेचैन करते हैं। इसलिए यूएनओ को युद्ध के कहर से शरणार्थी बन रहे लोगों का दर्द समझना होगा। बहरहाल जब बात राष्ट्र के स्वाभिमान की हो तो बेगुनाहों का रक्त बहाने वाली मानसिकता पर 'आंख के बदले आंख व दांत के बदले दांत' के सिद्धांत को अपनाना पड़ता है, मगर आंख के बदले आंख विश्व को अंधा बना देगी, गांधी जी के इस कथन पर भी विचार होना चाहिए। फिलिस्तीन-इजरायल से भारत के बेहतर रिश्ते हैं। अतः वैश्विक शांति के लिए दहशतगर्दी की किसी भी सूरत में हिमायत नहीं होनी चाहिए।

विधानसभा चुनाव और विपक्षी एकता

> सुप्रीम कोर्ट के सख्त रुख को देखते हुए विपक्षी दलों को याचिका वापस लेने को मजबूर होना पड़ा था। तृणमूल सांसद महुआ मोइत्रा ने विपक्षी एकता की अच्छी किरकिरी करा दी है। इससे भाजपा को विपक्ष के भ्रष्टाचार को लेकर फिर से चुनावी मुद्दा मिल गया है। लोकसभा की एथिक्स कमेटी सांसद महुआ के मामले की जांच कर रही है। कमेटी का कहना है कि उसे उद्योगपति दर्शन हीरानंदानी का हलफनामा मिला है। दर्शन हीरानंदानी ने माना है कि उन्होंने संसद में सवाल पूछने के लिए तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा को रिश्वत दी थी। एथिक्स कमेटी के प्रमुख विनोद सोनकर ने कहा कि हमें दर्शन हीरानंदानी का हलफनामा मिला है। आरोप बहुत गंभीर हैं। कमेटी निशिकांत दुबे की शिकायत पर 26 अक्टूबर को सुनवाई करेगी। जरूरत पड़ी तो महुआ मोइत्रा को भी बुलाया जाएगा।

विपक्षी गठबंधन इंडिया बनने से पहले ही बिखरने के कगार पर आ गया है। गठबंधन के दलों में आपसी मतभेद अब खुल कर सामने आते जा रहे हैं। इस बात की पहले ही आशंका थी कि विपक्षी दलों का यह बेमेल गठबंधन बगैर सिद्धान्तों, पारदर्शिता और नीति के आगे नहीं बढ़ पाएगा। गठबंधन के सामने भाजपा से निपटने की असली चुनौती सीटों का तालमेल है। इस मुद्दे पर गठबंधन की बैठकों में चर्चा तक नहीं हो पाई। इस मुद्दे पर बिखराव की शुरुआत हो चुकी है। हालांकि विपक्षी इंडिया ने गठबंधन लोकसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा से मुकाबला करने के लिए खड़ा किया है। इससे पहले पांच राज्यों में हो रहे विधानसभा चुनाव में गठबंधन की कमजोर नींव खिसकती नजर आ रही है। मध्य प्रदेश में कांग्रेस और सपा की बात नहीं बन पाई है, जिसे लेकर दोनों दलों के रिश्ते तल्खियों तक पहुंच गए। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव की सख्त टिप्पणी के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलनाथ ने पलटवार किया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व सीएम कमलनाथ ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि कांग्रेस की दूसरी सूची आने पर सभी कार्यकर्ताओं में गजब का उत्साह है और हमें जितनी उम्मीद थी उससे भी कहीं ज्यादा सीटों पर हम चुनाव जीतेंगे। अखिलेश यादव से जुड़े एक सवाल पर कमलनाथ ने कह दिया, अरे छोड़िए अखिलेश, वखिलेश। इससे समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव कांग्रेस से नाराज हो गए हैं। उन्हें मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में कांग्रेस से सीट की चाहत थी जो पूरी नहीं हुई। इसके साथ ही यह भी कह रहे हैं कि गठबंधन के रूपरेखा को वह शायद समझ नहीं पाए। बीते दिनों उन्होंने यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय को निशाने पर लेते हुए चिरकुट नेता बोल दिया। अब एमपी चुनाव में कांग्रेस के सबसे बड़े चेहरे कमलनाथ ने भी अखिलेश को इसी लहजे में जवाब दिया। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में कांग्रेस द्वारा एक भी सीट नहीं दिए जाने से नाराज समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तीखे लहजे में कहा कि कांग्रेस नेतृत्व को अपने छोटे नेताओं को उनकी पार्टी के बारे में टिप्पणी करने की अनुमति नहीं देनी चाहिए। सपा प्रमुख ने कहा कि यदि उन्हें पता होता कि इंडिया गठबंधन बस राष्ट्रीय स्तर के लिए है तो उनकी पार्टी के नेताओं ने मध्य प्रदेश की बैठक में शामिल होने के लिए कांग्रेस का फोन नहीं उठाया होता। सीतापुर में उन्होंने कटाक्ष भरे स्वर में कहा कि मैं भ्रमित हो गया था। यादव ने कहा कि यदि यह गठबंधन केवल संसदीय चुनाव के लिए है तो उनकी पार्टी इसे स्वीकार करती है, लेकिन उन्होंने संकेत दिया कि जब 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए उत्तर प्रदेश में सीटों के बंटवारे पर चर्चा होगी तो कांग्रेस के लिए मुश्किल होगी। अखिलेश यादव ने कहा कि यदि उत्तर प्रदेश में गठबंधन केवल केंद्र के लिए होगा तो इस पर उस वक्त चर्चा की जाएगी और जिस तरह समाजवादी पार्टी के साथ बर्ताव किया गया, यहां उन्हें भी वैसा ही बर्ताव नजर आयेगा। आगामी मध्य प्रदेश चुनाव के बारे में उन्होंने कहा कि यदि मुझे पहले दिन पता होता कि विधानसभा स्तर पर कोई गठजोड़ नहीं होगा तो हमारी पार्टी के नेता बैठकों में नहीं जाते। हमने उन्हें सूची नहीं दी होती कि सपा मध्य प्रदेश में किन-किन और कितनी सीटों पर चुनाव लडना चाहती है और न ही हम उनका फोन उठाते। समाजवादी पार्टी ने मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए अपने 22 और उम्मीदवारों के नाम घोषित कर दिए। पार्टी अब तक कुल 31 सीटों पर अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर चुकी है। यादव ने कहा कि यदि प्रदेश स्तर पर कोई गठबंधन नहीं है तो हम इसे स्वीकार करते हैं और अपनी पार्टी के उम्मीदवार घोषित करते हैं। इसमें हमने क्या गलत किया है। भाजपा इंडिया में शामिल दलों की एकता को लेकर खिल्ली उड़ाने में पीछे नहीं रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा के अन्य नेता इंडिया गठबंधन को पहले ही भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद का गठबंधन बताते हुए तंज कस चुके हैं। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी की बयानबाजी पर कहा कि दिल्ली में दोस्ती और राज्यों में कुश्ती, ऐसा कहीं होता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी को एक साल तक धोखे में रखा। जिन शब्दों का प्रयोग उन्होंने (अखिलेश यादव) किया है, उससे उनके मन की स्थिति को समझा जा सकता है। मध्य प्रदेश में कांग्रेस, सपा और आप तीनों लड़ रहे हैं। ये किस बात का गठबंधन है? जनता आश्चर्य के साथ इस गठबंधन को देख रही है कि आज जब ये आपस में लड़ रहे हैं तो इनके हाथों में देश का भविष्य कैसे होगा? इतना ही नहीं विपक्षी एकता गठबंधन को तृणमूल की सांसद महुआ मोइत्रा ने भी मुश्किल में डाल दिया। अब इस मामले से तृणमूल ने अपना पल्ला झाड़ लिया है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा को कोसने में पीछे नहीं रही हैं। हालांकि इस मुद्दे पर विपक्षी दल सुप्रीम कोर्ट तक से मात खा चुके हैं। सुप्रीम कोर्ट के सख्त रुख को देखते हुए विपक्षी दलों को याचिका वापस लेने को मजबूर होना पड़ा था। तृणमूल सांसद महुआ मोइत्रा ने विपक्षी एकता की अच्छी किरकिरी करा दी है। इससे भाजपा को विपक्ष के भ्रष्टाचार को लेकर फिर से चुनावी मुद्दा मिल गया है। लोकसभा की एथिक्स कमेटी सांसद महुआ के मामले की जांच कर रही है। कमेटी का कहना है कि उसे उद्योगपति दर्शन हीरानंदानी का हलफनामा मिला है। दर्शन हीरानंदानी ने माना है कि उन्होंने संसद में सवाल पूछने के लिए तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा को रिश्वत दी थी। एथिक्स कमेटी के प्रमुख विनोद सोनकर ने कहा कि हमें दर्शन हीरानंदानी का हलफनामा मिला है। आरोप बहुत गंभीर हैं। कमेटी निशिकांत दुबे की शिकायत पर 26 अक्टूबर को सुनवाई करेगी। जरूरत पड़ी तो महुआ मोइत्रा को भी बुलाया जाएगा। भाजपा के निशिकांत दुबे ने आरोप लगाया है कि मोइत्रा ने अदाणी समूह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधने के लिए व्यवसायी दर्शन हीरानंदानी से संसद में सवाल पूछने के लिए रिश्वत ली थी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को लिखे पत्र में भाजपा सांसद ने तृणमूल नेता पर संसदीय विशेषाधिकार का उल्लंघन, सदन की अवमानना और आपराधिक साजिश का आरोप लगाया है। अखिलेश यादव के कांग्रेस पर लगाए गए आरोप और तृणमूल सांसद मोइत्रा के मामले से पहले विपक्षी गठबंधन के दल डीएमके नेता उदयगिरी द्वारा सनातन धर्म पर दिए गए बयान को लेकर भाजपा के निशाने पर रहे हैं। इस मुद्दे पर कांग्रेस सहित दूसरे बचाव की मुद्रा में आ गए।

देश दुनीया से

अफगानिस्तान का सिने-इतिहास और फिल्मों की दुनिया

अफगा हमारा पड़ोसी देश है, जिससे हमारा बहुत पुराना संबंध है। अफगान के विषय में फिल्मी जानकारी पहली बार एक फिल्म के माध्यम से हुई। फिल्म का नाम है, 'एस्केप फ़रॉम तालिबान' 2003 की उज्जवला चटर्जी द्वारा निर्देशित फिल्म सत्य घटना पर आधारित है। सुस्मिता बनर्जी ने एक अफगान से विवाह किया और वे वहां बस गई। फिर छः साल उनके साथ लोमहर्षक घटनाएं हुई और वे किसी तरह वहां से बच निकलीं। मगर बच नहीं पाईं 2013 में उन्हें मार डाला गया। फिल्म में मनीषा कोइराला, नवाब खान, विनीत मलिक, पृथ्वी जुत्सी एवं अली खान ने बहुत अच्छा अभिनय किया है। इसी फिल्म में पहली बार अफगान का लोकेशन देखा। मगर यह फिल्म अफगानिस्तान की नहीं थी और हम बात कर रहे हैं अफगान सिने-इतिहास की। अमीर हबिबुल्लाह खान ने 1901-1919 तक अफगानिस्तान पर शासन किया और उन्होंने ने ही इस देश का फिल्म से परिचय कराया, मगर यह परिचय दरबार तक सीमित था। आम जनता तब तक इसे न देख सकी। जनता के लिए यह 1923-24 में ही सुलभ हुआ जब पहली बार 'मैजिक बॉक्स' या 'मैजिक लालटेन' के माध्यम से मूक फिल्म दिखाई गई। अफगानिस्तान में बहुत बाद में 1946 में जाकर पहली फिल्म 'लव एंड फ़रेंडशिप' का प्रोडक्शन हुआ। एक सूत्र के अनुसार 1949 में पहली अफगान फिल्म भारत में बनी और इसके बाद काबुल में कुछ केंद्र भारतीय फिल्म दिखाने लगे। शाह अमानोल्ला ने 1966 में अमेरिका की सहायता से अफगान फिल्म सिनेमेटिक सेंटर स्थापित किया और इस तरह अफगानिस्तान में सुसंगठित तरीके से फिल्म बनाने का कार्य प्रारंभ हुआ। मगर 1978 में कम्युनिस्ट तख्तापलट के बाद अमेरिकी सहयोग पूरी तरह रुक गया तथा रूस की सहायता प्राप्त होने लगी। सरकारी फिल्म सेंटर स्थापित होने के साथ वहां डॉक्यूमेंट्री बननी शुरू हुई। शूटिंग के बाद की प्रक्रिया के लिए रील भारत, इंग्लैंड, सोवियत यूनियन भेजी जाती। फिल्में फारसी (दारी) अथवा पश्तो भाषा में बन रही थीं। 1970 में एक बार सरकार ने सिनेमा-त्रयी दिखाई। इसमें 'तलबगार', 'शब ए जुमा' तथा 'द स्मगलर्स' तीन फिल्में 'द टाइम्स' शीर्षक के अंतरगत दिखाई गईं। तीनों फिल्मों को बनाने वाले तथा अभिनेता भिन्न थे। पहली 'तलबगार' (स सूटर) 39 मिनट लम्बी फिल्म में एक दुष्ट आदमी एक लड़की का शादी के लिए हाथ पाने हेतु तमाम जतन करता है मगर उसका छल लड़की के परिवार के सामने खुल जाता है। 31 मिनट की दूसरी फिल्म एक आदमी तथा उसकी होने वाली पत्नी के परिवार के बीच एक डिनर के इंतजाम को लेकर चलने वाले नाटक से संबंधित है। तीसरी फिल्म इनमें सबसे लंबी थी और जैसा कि नाम है यह एक स्मगलर गैंग के बारे में है, जो एक बड़ा प्लान बना रहे हैं, लेकिन राष्ट्रीय पुलिस उसे असफल कर देती है। इन फिल्मों की विशेषता थी कि ये अफगानिस्तान सूचना एवं संस्कृति मंत्रालय द्वारा प्रड्यूस की गई थीं। आठवें दशक में इंजीनियर लतीफ, हुमायूं मोरोवत, सदीग बारमाक, अहद जोवन जैसे सिने-निर्देशक अफगानिस्तान में हुए। इंजीनिरिंग की पढ़ाई करने के कारण लतीफ को यह नाम मिला। उनका असली नाम अब्दुल लतीफ अहमदी है। 1950 में काबुल में जन्मे लतीफ अफगानिस्तान का सर्वाधिक प्रसिद्ध सिने-निर्देशक है। वे निर्देशन के अलावा लेखन तथा सिनेमाटोग्राफ़र हैं। उनकी 'परिंदे है महाजिर' तथा 'सबूर, द सोल्जर' फिल्म को नामांकन मिला था।

> फिल्म का नाम है, 'एस्केप फ़रॉम तालिबान' 2003 की उज्जवला चटर्जी द्वारा निर्देशित फिल्म सत्य घटना पर आधारित है। सुस्मिता बनर्जी ने एक अफगान से विवाह किया और वे वहां बस गई। फिर छः साल उनके साथ लोमहर्षक घटनाएं हुई और वे किसी तरह वहां से बच निकलीं। मगर बच नहीं पाईं 2013 में उन्हें मार डाला गया। फिल्म में मनीषा कोइराला, नवाब खान, विनीत मलिक, पृथ्वी जुत्सी एवं अली खान ने बहुत अच्छा अभिनय किया है। इसी फिल्म में पहली बार अफगान का लोकेशन देखा। मगर यह फिल्म अफगानिस्तान की नहीं थी और हम बात कर रहे हैं अफगान सिने-इतिहास की। अमीर हबिबुल्लाह खान ने 1901-1919 तक अफगानिस्तान पर शासन किया और उन्होंने ने ही इस देश का फिल्म से परिचय कराया, मगर यह परिचय दरबार तक सीमित था। आम जनता तब तक इसे न देख सकी। जनता के लिए यह 1923-24 में ही सुलभ हुआ जब पहली बार 'मैजिक बॉक्स' या 'मैजिक लालटेन' के माध्यम से मूक फिल्म दिखाई गई।

दृष्टिकोण

छिलकों की छाबड़ी : उसका सम्मानित होना...

राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त और कला, साहित्य, मीडिया एवं सामाजिक सेवा के लिए समर्पित एक संस्था ने पिछले दिनों उन्हें सृजनशीलता, परिपक्वता, शालीनता, कार्यशीलता, कार्यदक्षता, संवेदनशीलता और अपने समस्त कार्यों में समर्पण के लिए सम्मानित कर दिया। संस्था ने यह कामना की कि वे समाज में आदर्श स्थापित करते रहें। इस सम्मान से वे अंदर तक हिल गए। एक आम व्यक्ति जिसकी बात बात को खुराफात समझा जाता हो, में इतने गुण कैसे हो सकते हैं। भारी भरकम शब्द हमेशा परेशान करते हैं, ख़ास तौर पर वर्तमान माहौल में, जब सम्मान के लिए चौहत्तर तिकड़म लड़ाए जाते हैं। महत्त्वपूर्ण बात यह हुई कि संगठन वालों ने उन्हें गीता की एक प्रति भी भेंट की। मोमेंटो तो लकड़ी जैसी दिखती प्लास्टिक का बना हुआ था, प्रशस्ति पत्र और गीता दोनों पतले पॉलिथीन में पैक रही, जिसे पर्यावरण के लिए अब बुरा नहीं माना जाता। संस्था पर्यावरण रक्षक नहीं थी, उनका असली कर्तव्य तो सम्मान बांटते रहना है। हमारे समाज में गीता की बातें अभी भी बहुत शौक से की जाती हैं गांधी की तरह। लेकिन जैसे ही इनसान उनके बताए रास्तों पर दौडने बारे सोचता है, अनेक पारिवारिक, सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक और राजनीतिक किंतु, परंतु और कदाचित के कांटे उगने लगते हैं। बंदा, गांधी को त्यागकर, असामाजिक गलियों में शरण लेने लगता है। गीता, अन्य बेचारी पुरानी किताबों के साथ रखी रहती है। उसका एक श्लोक 'कर्मण्ये वाधिकारस्ते...' अधूरा याद है, वह भी इसलिए कि युवावस्था में, महाभारत सीरियल ने बार बार सुनाकर रटवा दिया। अगर इस श्लोक को जीवनसात कर लिया जाए तो फल की चिंता नहीं रहेगी, लेकिन अब ऐसा कौन कर सकता है। अब तो बढिया, स्वादिष्ट, रंगीन परिणाम प्राप्ति के लिए उचित कर्म करने के लिए कोचिंग लेने और देने का समय है। जब तक तन और मन वांछित फल प्राप्त कर, चख न लिया जाए, नींद हराम रहती है। कई बार तो दूसरों की नींद भी बर्बाद कर दी जाती है। सोशल मीडिया सारा वक्त चबा जाता है, समय नहीं बचता, तभी तो बंदा गीता अच्छी तरह से पढ़ नहीं पाता, ठीक से समझ नहीं पाता और कायाकल्प से बच जाता है। शालीनता, कर्तव्य परायणता, मानसिक शांति, सच और झूठ का ज्ञान, आत्मबल जैसी प्रवृतियों से दूर रहता है और आज के ज़माने के काबिल बना रहता है। गीता समझ ली तो जीवन में परेशानी बढ़ती जाएगी। शालीनता आ गई तो अशालीनता जीने नहीं देगी। कर्तव्य परायणता से ज़्यादा ज़रूरी स्मार्ट वर्किंग है। मानसिक शान्ति प्राप्त हो गई तो दुनिया अवांछित लगेगी। सच और झूठ का ज्ञान हो गया तो भ्रम उग आएगा। काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार तो अब हमारे चारित्रिक गुण हो चुके हैं। काम वासना, मनोरंजन का हिस्सा है। क्रोध को तो योग वाले भी आवश्यक नैसर्गिक वृति मानते हैं।

भारत ने अपने 20 साल पुराने रिकॉर्ड को किया ध्वस्त

बेंगलुरु। भारत ने रविवार को यहां विश्व कप के अंतिम लीग मैच में नीदरलैंड के खिलाफ चार विकेट पर 410 रन की विशाल पारी के दौरान कई रिकॉर्ड तोड़ दिए। कप्तान रोहित शर्मा (61 रन) ने जहां फिर से कई रिकॉर्ड बनाए तो वहीं श्रेयस अय्यर (नाबाद 128 रन) और केएल राहुल (102 रन) ने भी इसमें कुछ योगदान दिया। रोहित ने एक कैलेंडर वर्ष में वनडे में सबसे ज्यादा छक्के लगाए जिससे 2023 में इनकी संख्या 60 हो गई है। इससे उन्होंने 2015 में बनाए गए एबी डिविलियर्स के 58 छक्कों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। रोहित इसके साथ ही विश्व कप के एक चरण में सबसे ज्यादा छक्के (24) लगाने वाले कप्तान भी बन गए। उन्होंने इंग्लैंड के इयोन मोर्गन (22) को पीछे छोड़ दिया। रोहित और शुभमन गिल इस साल वनडे में सबसे ज्यादा 100 से

अधिक रन की साझेदारी बनाने में सफल रहे, उन्होंने पांच दफा ऐसा किया। रोहित ने भारतीय कप्तानों में विश्व कप के एक चरण सबसे अधिक रन (503) बना लिये। उन्होंने सौरव गांगुली (2003 में 465) को पीछे छोड़ा। रोहित विश्व कप के कई चरण (दो) में 500 से अधिक रन बनाने के मामले में तेंदुलकर के साथ शामिल हो गए। रोहित लगातार चरण में ऐसा करने वाले पहले खिलाड़ी भी बन गए। विराट कोहली (नीदरलैंड के खिलाफ 51 रन) ने विश्व कप में अब तक 14 मौकों पर 50 से अधिक का स्कोर बनाया है, जिससे वह सचिन तेंदुलकर (21) के बाद दूसरे स्थान पर हैं। कोहली एक विश्व कप में सर्वाधिक 50 से अधिक स्कोर (सात) बनाने के मामले में तेंदुलकर और बांग्लादेश के शाकिब अल हसन के साथ शामिल हो गए। यह पहली बार है कि भारत के शीर्ष पांच बल्लेबाजों ने वनडे की एक पारी में 50 से अधिक रन बनाए हैं। केएल राहुल विश्व कप मैच में सबसे तेज शतक लगाने वाले भारतीय बन गए, उन्होंने यह उपलब्धि 62 गेंद खेलकर हासिल की। इस तरह उन्होंने रोहित शर्मा (63 गेंद) को पछाड़ दिया। अब तक भारतीय बल्लेबाजों ने इस विश्व कप में 20 मौकों पर 50 से अधिक का स्कोर बनाया है जो उनका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इस तरह उन्होंने 2019 के अपने रिकॉर्ड (19) को पीछे छोड़ दिया है। श्रेयस अय्यर और केएल राहुल के बीच 208 रन की साझेदारी विश्व कप में चौथे विकेट या इससे नीचे के स्थान पर भारत की सर्वश्रेष्ठ भागीदारी भी रही। इससे पहले पिछली सर्वश्रेष्ठ साझेदारी महेंद्र सिंह धोनी और सुरेश रैना (नाबाद 196 रन) के बीच 2015 में जिम्बाब्वे के खिलाफ थी।

राहुल ने विश्व कप में भारत की ओर से सबसे तेज शतक लगाया

बंगलूरू। विश्व कप 2023 में नीदरलैंड के खिलाफ छक्कों की बौछार कर दी। बंगलूरू के चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में भारत ने 50 ओवर में चार विकेट गंवाकर 410 रन बनाए। श्रेयस अय्यर ने 94 गेंद में 10 चौके और पांच छक्के की मदद से 128 रन की नाबाद पारी खेली। वहीं, केएल राहुल ने 64 गेंद में 11 चौके और चार छक्के की मदद से 102 रन बनाए। राहुल और श्रेयस ने कई रिकॉर्ड भी बनाए। इसके अलावा कप्तान रोहित शर्मा ने 61 रन, शुभमन गिल ने 51 रन और विराट कोहली ने 51 रन की पारी खेली। राहुल ने 62 गेंद में शतक जड़ा, जो कि विश्व कप में भारत के लिए सबसे तेज शतक है। इस मामले में राहुल ने रोहित का रिकॉर्ड तोड़ा। रोहित ने इसी विश्व कप में अफगानिस्तान के खिलाफ 63 गेंद में शतक जड़ा था। राहुल ने श्रेयस अय्यर के साथ चौथे विकेट के लिए 128 गेंद में 208 रन की साझेदारी निभाई। राहुल का शतक इस विश्व कप का पांचवां सबसे तेज शतक है। इस विश्व कप में सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्सवेल के नाम है। उन्होंने नीदरलैंड के खिलाफ 40 गेंद पर शतक लगाया था। वहीं, दूसरे नंबर 49 गेंद में शतक के साथ दक्षिण अफ्रीका के एडेन मार्करम हैं। उन्होंने ऐसा श्रीलंका के खिलाफ किया था। तीसरे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ 59 गेंद में शतक जड़ा था। वहीं, पांचवें नंबर पर दक्षिण अफ्रीका के हेनरिक क्लासेन हैं। उन्होंने 61 गेंद पर शतक जड़ा था। वहीं, श्रेयस अय्यर भारत के लिए विश्व कप में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए शतक लगाने वाले तीसरे बल्लेबाज हैं। 12 साल बाद भारत के लिए किसी बल्लेबाज ने चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए शतक जड़ा है। पिछली बार ऐसा युवराज सिंह ने 2011 विश्व कप में किया था। तब उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ 113 रन की पारी खेली थी।

अफगानिस्तान के कोच ट्रॉट को मौके गंवाने का अफसोस

अहमदाबाद (हि.स.)। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुक्रवार को 5 विकेट से मिली हार के साथ ही अफगानिस्तान का आईसीसी विश्व कप 2023 में सफर समाप्त हो गया। मैच के बाद अफगानिस्तान के मुख्य कोच जोनाथन ट्रॉट ने कहा कि वे मिश्रित भावनाओं, चार जीतों पर खुशी और कुछ चूक गए अवसरों

पर अफसोस के साथ इस विश्व कप को छोड़ रहे हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि उनके प्रदर्शन से पता चलता है कि खिलाड़ियों का भविष्य उज्ज्वल है। अफगानिस्तान ने इस विश्व कप में गत चैंपियन इंग्लैंड, पाकिस्तान, श्रीलंका और नीदरलैंड पर शानदार जीत दर्ज की। वे ऑस्ट्रेलिया को हराने की राह पर थे, लेकिन ग्लेन मैक्सवेल का कैच छोड़ना टीम को भारी पड़ गया और उन्होंने अविश्वसनीय पारी खेलकर ऑस्ट्रेलिया को चमत्कारिक जीत दिला दी। मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में ट्रॉट ने कहा कि जाहिर है, कुछ चीजें हैं। मुझे लगता है कि हमने शानदार प्रदर्शन किया, बस टीम को वो फिनिश नहीं दिला सके, जिसकी जरूरत थी। बांग्लादेश के खिलाफ पहला मैच हारने के बाद, हमने जिस तरह से वापसी को वो शानदार था, लेकिन यह आज भी यहां बैठकर यह सोचने का मामला है कि कुछ मैच ऐसे भी थे, जिन्हें हम शायद जीत सकते थे। इंग्लिश कोच ने कहा कि उन्होंने इस विश्व कप के दौरान अपने खिलाड़ियों और टीम में कुछ सुधार देखे हैं। उन्होंने कहा कि एक कोच और टीम के सदस्य के रूप में, हम इससे निराश हैं, लेकिन आपके पास सब कुछ नहीं हो सकता। आप हमेशा जीत नहीं सकते. लेकिन मुझे कुछ अच्छे सुधार दिख रहे हैं, मैं खिलाड़ियों और उनकी क्षमता में काफी आत्मविश्वास देखता हूं।% उन्होंने कहा कि मुझे खिलाड़ियों पर भरोसा था, लेकिन कभी-कभी जब तक कोई ऐसा नहीं करता या वे स्वयं ऐसा नहीं करते, आप कभी भी निश्चित नहीं होते। इसलिए एक विकासशील टीम या एक विकासशील खिलाड़ी या राष्ट्र के लिए यह हमेशा एक चुनौती होती है जब तक कि वे लाइन पार नहीं कर लेते, मैंने टूर्नामेंट से पहले कई बार कहा है कि हमें उस विश्वास और पक्ष के चारों ओर चर्चा और बस कुछ मैच जीतने की जरूरत है क्योंकि ऐसा कई बार हुआ है कि हम जीत के करीब आकर हार गए हैं, हमने मैच जीते हैं और मैच जीतने के तरीके ढूंढे हैं।

विराट कोहली के क्लीन बोल्ड होते ही उतरा अनुष्का का चेहरा

नई दिल्ली। चिन्नास्वामी के मैदान पर नीदरलैंड्स के खिलाफ विराट कोहली का बल्ला तो बोला, लेकिन 50वें वनडे शतक का इंतजार खत्म नहीं हो सका। कोहली ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए विश्व कप 2023 में अपना सातवां अर्धशतक जमाया। हालांकि, फिफ्टी पूरी करने के तुंरत बाद ही कोहली को क्लीन बोल्ड होकर पवेलियन लौटना पड़ा। विराट के आउट होते ही स्टैंड में बैठीं वाइफ अनुष्का शर्मा का चेहरा उतर गया और उनका रिएक्शन सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। शुभमन गिल के पवेलियन लौटने के बाद क्रीज पर उतरे विराट कोहली ने रोहित शर्मा के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 29 रन जोड़े। रोहित के आउट होने के बाद विराट ने मोर्चा संभाला और मैदान के चारों कोने में दमदार शॉट्स लगाए।

हम अपने सर्कल में प्रवेश पर अतिरिक्त जोर देंगे : अमनदीप

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के प्रमुख सदस्य अमनदीप लाकड़ा ने शनिवार को आगामी एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2023 पर चर्चा करते हुए कहा कि टीम सर्कल में प्रवेश पर अतिरिक्त जोर देगी। उन्होंने 11वें सुल्तान जोहोर कप 2023 को लेकर अपने विचार और अनुभव भी साझा किए, जहां भारतीय टीम ने कांस्य पदक जीता था। अमनदीप ने कहा कि यूरोपीय टीमों के खिलाफ टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा करने से उन्हें सीखने के अद्वितीय अवसर मिले। उन्होंने कहा कि मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा है कि कैसे खेलना है और मैं इस अनुभव का उपयोग आगामी विश्व कप में करना चाहूंगा। अमनदीप 11वें सुल्तान जोहोर कप 2023 के दौरान पांच मैचों में छह गोल के साथ टूर्नामेंट के शीर्ष स्कोरर रहे थे। जब उनसे इस उपलब्धि के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने बताया कि अतीत में, मुझे अवसरों को बदलने में चुनौतियों का सामना करना पड़ा, अक्सर घबराहट के साथ संघर्ष करना पड़ा। हालांकि, जैसे-जैसे मुझे परिवर्तन करने की अपनी क्षमता पर विश्वास हुआ, इसने मुझे आत्म-

सुधार की अपनी यात्रा में और भी अधिक प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। इसके अलावा, अमनदीप ने सुल्तान जोहोर कप 2023 में अपने पेनल्टी कॉर्नर (पीसी) रूपांतरण में उल्लेखनीय प्रगति की, और उन्होंने इस सफलता का श्रेय अपनी ड्रैग फ्लिकिंग तकनीक को निखारने पर समर्पित ध्यान को दिया। उन्होंने अपने कौशल को बेहतर बनाने के लिए किए गए कठोर प्रयासों पर जोर दिया, जिससे उनकी रूपांतरण दर में काफी सुधार हुआ। उन्होंने कहा कि मेरी अथक मेहनत रंग लाई और मैं अधिक प्रभावी ढंग से बदलाव करने में सक्षम हुआ। आगामी एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप मलेशिया 2023 को देखते हुए, जो 5 दिसंबर से 16 दिसंबर 2023 तक कुआलालंपुर में होने वाला है, अमनदीप ने हाल के अनुभव से सीखने और टीम के कुछ विशिष्ट पहलुओं में सुधार करने की बात कही। उन्होंने जोर देकर कहा कि हम अपने सर्कल प्रवेश और रूपांतरण दरों पर अतिरिक्त जोर देंगे। हमारा प्राथमिक ध्यान हमारे खेलों में हमारे कठोर अभ्यास सत्रों से प्राप्त अंतर्दृष्टि और रणनीति को लागू करने पर केंद्रित होगा। जब अमनदीप से विश्व कप में भारत के प्रदर्शन के बारे में अपने विचार साझा करने के लिए कहा गया, तो उन्होंने एक समय में एक कदम उठाने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हमें न केवल भाग लेने बल्कि टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने की भी बहुत उम्मीदें हैं। हम इस प्रक्रिया में अपने दृढ़ संकल्प और कौशल का प्रदर्शन करते हुए भव्य मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराने का लक्ष्य रखेंगे।

विश्व कप : अहमदाबाद में दस लाखवें प्रशंसक के स्वागत पर जय शाह ने जताई खुशी

नई दिल्ली (हि.स.)। आईसीसी क्रिकेट विश्व कप ने शुक्रवार को अहमदाबाद में अपने दस लाखवें प्रशंसक का स्वागत किया, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने इस मील के पत्थर पर खुशी व्यक्त की और प्रशंसकों, राज्य संघों और टूर्नामेंट के प्रत्येक हितधारक को उनकी कड़ी मेहनत के लिए धन्यवाद दिया। आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 अब तक के सबसे अधिक दर्शकों वाले आईसीसी टूर्नामेंट का रिकॉर्ड तोड़ने की राह पर है। शुक्रवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका और अफगानिस्तान के बीच मैच के दौरान दस लाखवां प्रशंसक टर्नस्टाइल के माध्यम से आया, यह वही मैदान है जो 19 नवंबर को विश्व कप फाइनल की मेजबानी करेगा। शाह ने ट्वीट किया कि हमारा लक्ष्य इस विश्व कप को अब तक का सबसे महान टूर्नामेंट बनाना था और मुझे वास्तव में खुशी है कि हमने पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। हमारे समर्पित प्रशंसकों, राज्य संघों और प्रत्येक हितधारक को मेरा हार्दिक धन्यवाद, जिन्होंने इस मेगा आयोजन के लिए अथक परिश्रम किया। जैसा कि अब हम महत्वपूर्ण घरेलू चरण के करीब पहुंच रहे हैं, हम इसमें शामिल सभी लोगों के लिए वास्तव में यादगार अनुभव प्रदान करने के लिए आईसीसी के साथ मिलकर काम करना जारी रखेंगे। सबसे अच्छा अभी आना बाकी है! आईसीसी के इवेंट प्रमुख क्रिस टेटली का मानना है कि टूर्नामेंट पहले ही काफी सफल रहा है और वह नॉकआउट चरण के दौरान और अधिक रिकॉर्ड टूटने की उम्मीद कर रहे हैं।

कप्तानी छोड़ सकते हैं बाबर आजम

नई दिल्ली (हि.स.)। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम भारत से लौटने के बाद सफेद गेंद क्रिकेट की कप्तानी से इस्तीफा दे सकते हैं। पाकिस्तानी टीम का विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचना असंभव है, आज अगर वे इंग्लैंड के खिलाफ

जीतने में कामयाब भी होते हैं, तो भी उनकी अंतिम चार की संभावना न के बराबर है। जियो न्यूज के अनुसार, बाबर अपने भविष्य के बारे में पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष रमीज राजा और अपने करीबी लोगों से सलाह ले रहे हैं। जियो न्यूज के सूत्र ने आगे कहा कि बाबर का कप्तानी जारी रखने का फैसला लोगों से मिलने वाली सलाह पर निर्भर करेगा और उनके कुछ करीबी सहयोगियों ने उन्हें तीनों प्रारूपों में कप्तानी छोड़ने की सलाह दी है। शुक्रवार को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में ट्रेनिंग के दौरान आजम ने राजा से सलाह मांगी है। कप्तान बने रहने का निर्णय उनके देश लौटने पर लिया जाएगा। हालांकि बाबर विशेष रूप से अपने पिता से मिले सलाह को महत्व देते हैं। इंग्लैंड के खिलाफ पाकिस्तान के अंतिम ग्रुप चरण मुकाबले से पहले, शुक्रवार को प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बाबर से पूछा गया कि वह अपनी कप्तानी पर कब निर्णय लेंगे, तो उन्होंने जवाब दिया कि कप्तानी के बारे में - जैसा कि मैंने कहा, एक बार हम पाकिस्तान वापस जाएं या इस मैच के बाद, हम देखेंगे कि क्या होता है। लेकिन अभी, मैं इस पर ध्यान केंद्रित नहीं कर रहा हूं: मेरा ध्यान अगले मैच पर है। उन्होंने इस बात से भी इनकार किया कि कप्तानी ने विश्व कप में उनके फॉर्म को प्रभावित किया है, क्योंकि उन्हें बोर्ड पर रन बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ा है। बाबर ने कहा कि मैं पिछले तीन साल से अपनी टीम की कप्तानी कर रहा हूं और मैंने कभी ऐसा महसूस नहीं किया। यह सिर्फ इसलिए है क्योंकि मैंने विश्व कप में वैसा प्रदर्शन नहीं किया जैसा मुझे करना चाहिए था, इसीलिए लोग कह रहे हैं कि मैं दबाव में हूं।

बाबर को बनाया जा रहा बलि का बकरा : वसीम अकरम

नई दिल्ली। वर्ल्ड कप 2023 के सेमीफाइनल में जगह न बना पाने पर पाकिस्तान टीम आलोचना हो रही। कप्तान बाबर आजम की कप्तानी पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। हालांकि, पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने बाबर आजम का बचाव किया है। उन्होंने कहा कि बाबर आजम को ही क्यों बलि का बकरा बनाया जा रहा है। पाकिस्तान के टीवी चैनल ए टीवी पर अकरम क्रिकेट विशेषज्ञ का भूमिका में थे। बातचीत के दौरान बाबर के आलोचकों की आलोचना की। इसके अलावा भारत में आयोजित वर्ल्ड कप में निराशाजनक प्रदर्शन के लिए दोषपूर्ण पाकिस्तान क्रिकेट प्रणाली को जिम्मेदार ठहराया। वसीम अकरम ने कहा, अकेले कप्तान मैच नहीं खेल रहा है। हां, उसने इस विश्व कप और एशिया कप में

भारत में फुटबॉल अकादमी शुरू करेंगे ओलिवर काह्न

मुंबई (हि.स.)। जर्मनी और एफसी बायर्न म्यूनिख के दिग्गज ओलिवर काह्न भारत में अपनी अकादमी शुरु करेंगे। यह पहल महाराष्ट्र में प्रो 10 के साथ साझेदारी में साकार हुई है। इसका उद्देश्य देश में फुटबॉल के विकास में क्रांति लाना और इसकी विशाल क्षमता का दोहन करना है। ओलिवर काह्न अकादमी व्यापक फुटबॉल शिक्षा का केंद्र बनने के लिए तैयार है, जो न केवल खिलाड़ियों बल्कि अच्छी तरह से विकसित एथलीटों को तैयार करने पर ध्यान केंद्रित करेगी। महत्वाकांक्षी योजना में पूरे भारत में फुटबॉल क्लबों और खेल अकादमियों और शैक्षणिक संस्थानों से जुड़ी अकादमियां स्थापित करना शामिल है। साथ ही, भारत के विभिन्न क्षेत्रों में गोलकीपर अकादमियां स्थापित की जाएंगी, जो गोलकीपिंग के लिए उत्कृष्टता केंद्र बनेंगी, जो अक्सर किसी भी सफल टीम की रीढ़ होती हैं। महाराष्ट्र में प्रो 10 के साथ साझेदारी इस पहल का एक महत्वपूर्ण घटक है, जो ओलिवर काह्न अकादमी को इस क्षेत्र में एक मजबूत पकड़ स्थापित करने और फुटबॉल विकास के लिए एक मॉडल के रूप में काम करने में सक्षम बनाता है। योजना के बारे में ओलिवर ने कहा कि भारत फुटबॉल में काफी संभावनाओं वाला देश है। इस देश को खेल के विकास के लिए सही फुटबॉल शिक्षा, एक अनुशासित पाठ्यक्रम और विश्व स्तरीय सुविधाओं की आवश्यकता है। हमारा लक्ष्य भारत को बेहतर खेल वाला देश बनाना है और मुझे विश्वास है कि इस देश में वैश्विक फुटबॉल मंच पर फलने-फूलने की क्षमता है।

लक्ष्य मिश्रा ने ताइक्वांडो प्रतियोगिता में जीता रजत पदक

मुरादाबाद (हि.स.)। थापा ताइक्वांडो क्लब मुरादाबाद के लक्ष्य मिश्रा ने केंद्रीय विद्यालय स्कूल राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में रजत पदक हासिल किया है। जिला ताइक्वांडो स्पोर्ट्स एसोसिएशन मुरादाबाद के सचिव शाहवेज अली ने बताया कि 52वीं केंद्र विद्यालय स्कूल राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता 2023 बैंगलोर के जलाहल्ली में 06 नवम्बर से 10 नवंबर तक आयोजित हुई, जिसमें लक्ष्य मिश्रा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चार फाइट जीतकर फाइनल में जगह बनाई व रजत पदक अपने नाम किया।

आरएफवाईएस ने बेंगलुरू सहित अन्य क्लबों के लिए तैयार किया खिलाड़ियों का मजबूत पुल : सुनील छेत्री

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री ने शुक्रवार को रिलायंस फाउंडेशन यूथ स्पोर्ट्स (आरएफवाईएस) फुटबॉल टूर्नामेंट की सराहना करते हुए कहा कि यह टूर्नामेंट सही समय पर युवा प्रतिभाओं की पहचान कर रहा है और उनको अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए मंच प्रदान कर रहा है। छेत्री ने वर्तमान में अपने छठे सीजन में पहुंच चुके आरएफवाईएस टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा की प्रशंसा की। उन्होंने इसे एक आदर्श मंच बताया है जिसका उपयोग युवा खिलाड़ी पेशेवर रूप से आगे बढ़ने के लिए कर रहे हैं। छेत्री ने आरएफवाईएस से बातचीत में कहा कि यह (आरएफवाईएस) महत्वपूर्ण है क्योंकि हम सही समय और उम्र में उनकी (प्रतिभाओं की) पहचान कर रहे हैं। साथ ही, टूर्नामेंट अत्यधिक प्रतिस्पर्धी है। यह सभी लड़कियों और लड़कों को अपना कौशल दिखाने का उचित मंच देता है। उन्होंने कहा कि कई ऐसे युवा फुटबॉलर हैं, जिन्होंने टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया है और अब वे बेंगलुरू एफसी और अन्य क्लबों के लिए खेल रहे हैं, इसलिए मुझे लगता है कि यह एकदम सही मंच है। मुझे उम्मीद है कि न केवल यह टूर्नामेंट, बल्कि कई अन्य टूर्नामेंट भी सामने आएंगे क्योंकि हमारे देश में बहुत प्रतिभाएं हैं। बेंगलुरू एफसी में छेत्री के टीम साथी शिवशक्ति नारायणन इसका एक आदर्श उदाहरण हैं। यह 22 वर्षीय फॉरवर्ड आरएफवाईएस में खेल चुका है और वह 2022 में रिलायंस फाउंडेशन डेवलपमेंट लीग (आरएफडीएल) के उद्घाटन संस्करण का भी हिस्सा था। शिवशक्ति ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2022-23 में

ब्लूज के लिए एक असाधारण प्रदर्शन किया था। वह मुख्य कोच क्लिफोर्ड मिरांडा की देख-रेख में एएफसी अंडर-23 एशियाई कप क्वालीफायर खेल चुकी भारतीय टीम का कप्तान भी थे। इसके अतिरिक्त, हीरा मंडल (नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी), माकन विंकल छोटे (हैदराबाद एफसी), गुरनाज सिंह ग्रेवाल (ईस्ट बंगाल एफसी) जैसे आईएसएल खिलाड़ियों के साथ-साथ शिल्की देवी हेमम और मरियम्मल बालामुरुगन जैसी महिला फुटबॉलर भी आरएफवाईएस इको-सिस्टम से निकले हैं और पहले ही कई टूर्नामेंटों में भाग ले चुके हैं। इस आईएसएल सीजन 10 में पदार्पण करने वाली टीम पंजाब एफसी के लिए खेले पांच मैचों में एक गोल करने वाले मेलरॉय मेल्विन अस्सिसी भी पूर्व में आरएफवाईएस में खेल चुके हैं। इन सबने वर्तमान में जारी प्रतियोगिता में भाग लेकर भविष्य के खिलाड़ियों के लिए खाका तैयार किया है, जिससे कि वे अपने-अपने पेशेवर करियर में आगे बढ़ने के संभावित मार्ग पर चल सकें। आरएफवाईएस सीजन 23/24 से प्रतियोगिता में महिला भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए अतिरिक्त प्रयास कर रहा है। इसके तहत लड़कों और लड़कियों का समान नामांकन करना मुख्य उद्देश्य है और इसी मकसद को पूरा करने के लिए लड़कियों की अंडर-15 श्रेणी की शुरुआत की जा रही है। छेत्री इस पहल से खुश हैं और उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि देश में महिला फुटबॉल को बढ़ावा मिले और उन्हें हर स्तर पर अपनी क्षमता प्रदर्शित करने के पर्याप्त अवसर मिलें। छेत्री ने कहा कि यह बहुत अच्छी खबर है। मुझे लगता है कि अब समय आ गया है कि हमारे देश में लड़कियां वास्तव में प्रतिभाशाली हैं और उन्हें प्रदर्शन के लिए सही मंच दिया जाए। आरएफवाईएस के कारण होनहार युवाओं की प्रतिभा का विस्तार हुआ है। यह कार्यक्रम पेशेवर क्लबों और अपने स्काउटिंग नेटवर्क के जरिये दूर-दराज क्षेत्रों में अनजान खिलाड़ियों की क्षमता की पहचान करना है। छेत्री ने इसे उभरती संभावनाओं की बेहतरी के लिए समन्वय में काम करने की दिशा में एक सकारात्मक कदम के रूप में देखा। छेत्री ने कहा कि यह (खिलाड़ियों को) चुनने के लिए एक बड़ा पूल प्रदान करता है। यह सुनिश्चित करता है कि क्लब और मूल निकाय समेत हर कोई एक साथ आए, ताकि हम अधिक से अधिक प्रतिभाओं को विकसित कर सकें और मिलकर काम कर सकें। इससे हमें खिलाड़ी चुनने के लिए बड़ा पूल मिलेगा और यह हमें भविष्य में सभी प्रतिभाओं को अच्छा प्रदर्शन करने के लिए काफी गुंजाइश भी देगा।

विश्व कप : पहले सेमीफाइनल में भारत का सामना न्यूजीलैंड से

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय क्रिकेट टीम आईसीसी विश्व कप के पहले सेमीफाइनल में 15 नवंबर को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में न्यूजीलैंड का सामना करेगी। वहीं दूसरे सेमीफाइनल में 16 नवंबर को कोलकाता के ईडन गार्डन में दक्षिण अफ्रीका का सामना ऑस्ट्रेलिया से होगा। शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सेमीफाइनल मुकाबले के कार्यक्रम की जानकारी दी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच सेमीफाइनल मुकाबला 2019 विश्व कप के सेमीफाइनल मुकाबले की पुनरावृत्ति होगी। उस मुकाबले में महेंद्र सिंह धोनी के नेतृत्व वाली भारतीय टीम को एक रोमांचक मुकाबले में न्यूजीलैंड ने शिकस्त दी थी और करोड़ों भारतीयों का दिल तोड़ा था। महेंद्र सिंह धोनी का भी वो आखिरी एकदिवसीय मैच और विश्व कप साबित हुआ। भारतीय टीम अब उस मुकाबले की हार का बदला लेना चाहेगी। भारतीय टीम अब तक इस

खरीदने जा रहे है बेड शीट तो रखें इन बातों पर ध्यान

फेस्टिव में जहां लोग अपने घरों की साफ-सफाई करने में व्यस्त हैं, वहीं मार्किटों में खरीदारी भी जोरो शोरो पर चल रही है। लोग अपने घर का इंटीरियर तक चेंज करने में लगे है । घर को डिफरैंट लुक सिर्फ फर्नीचर ही नहीं, बल्कि घरों में लगे पर्दे और बिस्तर बीछी बेड शीट भी अपना अहम रोल निभाती है। त्योहारों के तीन लोग अपने खड़ी-दरवाजों पर नए पर्दे लगाते है और बेड शीट भी नई बिछाते है। अगर आप भी बेड शीट्स के चेंज करने वाली है तो फेस्टिव सीजन में उसके डिजाइन ,कलर और फेब्रिक का खास ध्यान रखें। वैसे तो फेस्टिव सीजन में डार्क कलर्स ज्यादा पसंद करते है लेकिन बहुत से लोग ऐसे भी जो लाइट कलर को अहमियत देते है। अगर आप त्योहार के मौके पर बेड शीट खरीदने जा रहे है तो अपने रूम के थीम के अनुसार बेडशीट खरीदें। नहीं तो रूम के कलर से मैचिंग करके चादर का चुनाव करें।

फैब्रिक का रखें खास ध्यान: फैब्रिक हमेशा मौसम के हिसाब से चुने। जैसा की सर्दियां शुरू होने को है। ऐसे में सिल्क, फलालेन, साटिन, लिनेन एवं नेट आदि की बेडशीट्स भी बिछाई जा सकती हैं।

बिना किसी दवाई या नुस्खे के पाएं चैन की नींद

बिजी लाइस्टाइल में तनाव की समस्या अधिक देखने को मिलती है। दिनभर का तनाव दूर करने के लिए रात को चैन की नींद लेना बहुत जरूरी है। अगर रात को भी चैन से नींद न आए तो शरीर को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में लोग कई तरह की दवाईयों और नुस्खों का इस्तेमाल करते है, जिससे शरीर को दवाइयों की लत लग जाती है। आज हम आपको साधारण सा तरीका बताएंगे, जिसको अपनाकर आप हर रोज चैन की नींद ले सकते है।

अपने रूम में लाएं सुधार : अक्सर देखा जाता है कि लोग अपने बेड की दीवार के साथ सटा कर रखते है। फेंग सुई के अनुसार बेड के दोनों साइड में स्पेस छोड़ना बहुत जरूरी है। इसके अलावा अपने बेड को दीवार से थोड़ा हटा कर रखें। इसी के साथ इस तरह बेड को रखने से पार्टनर्स के बीच की नजदीकियां बढ़ती है।

कैसे आती है चैन की नींद: अपने बेड को ऐसे रखने से कमरे में एनर्जी का सही फ्लो रहता है। जिससे अच्छा महसूस होता है और अच्छी नींद भी आती है। यहीं छोटे-छोटे बदलाव आपकी जिदंगी में काफी बदलाव ला सकते है।

दिवाली पर दें ये खास गिफ्ट

दिवाली में हर कोई अपने रिश्तेदारों और फ्रेंड्स को अलग तरह के गिफ्ट देता है। आज हम आपको ऐसे ही कुछ गिफ्ट के बारे में बताएंगे जिससे रिश्तेदारों में आपकी अलग पहचान बन जाएगी। आइए जानते कि इस दिवाली आपको अपने खास रिश्तेदार या फ्रेंस को क्या गिफ्ट करना चाहिए।

लक्ष्मी या गणेश: आप उन्हें लक्ष्मी या गणेश पूजन के लिए एक सुंदर सी मूर्ति गिफ्ट कर सकते है। वैसे भी त्योंहार या फिर ऐसे ही किसी मौके पर भगवान की मूर्ति गिफ्ट करना अच्छा माना जाता है।

हैंड क्रॉफ्ट: आप अपने रिश्तेदारों को अपने हाथ से कुछ क्राफ्ट या कार्ड बना कर दें सकते है।

सूखें मेवे: अक्सर लोग त्यौहारों पर अपने रिश्तेदारों को मिठाई गिफ्ट करते है। इस दिवाली उन्हें मिठाई देने की बजाए आप उन्हें सूखे मेवे या चॉकलेट गिफ्ट कर दें।

डैकोरेटिव आइटम्स: इस दिवाली अपने रिश्तेदारों को कपड़े गिफ्ट करने की बजाएं उन्हें कोई सुंदर सी डैकोरेटिव पीस गिफ्ट करें। इससे वो आपके गिफ्ट को हमेशा याद रखेंगे। आप चाहें तो अपने खास को डैकोरेटिव कैंडल का बाक्स या करोकरी भी गिफ्ट कर सकते है।

चांदी के सिक्के: दिवाली पर किसी को चांदी के सिक्कों को गिफ्ट करना शुभ माना जाता है। आप अपने रिश्तदारों को चांदी या सोने के सिक्के भी गिफ्ट कर सकते है।

वर्ष भर के पाप होगें खत्म ...

नरक चतुर्दशी कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को कहा जाता है। नरक चतुर्दशी को 'छोटी दीपावली' भी कहते हैं। इसके अतिरिक्त इस चतुर्दशी को 'नरक चौदस', 'रूप चौदस', 'रूप चतुर्दशी', 'नर्क चतुर्दशी' या 'नरका पूजा' के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन प्रातः काल स्नान करके यम तर्पण एवं शाम के समय दीप दान का बड़ा महत्व है। इस दिन यमराज की पूजा करने और उनके लिए व्रत करने का विधान है। माना जाता है कि महाबली हनुमान जी का जन्म इसी दिन हुआ था । इसीलिए आज बजरंगबली की भी विशेष पूजा की जाती है। इससे वर्ष भर के पाप नष्ट हो जाते हैं। इस लेख के माध्यम से जाने नरक चतुर्दशी के बारे में रोचक जानकारियां।

इस दिन स्नान से पहले शरीर पर तिल्ली के तेल से मालिश जरूर करनी चाहिए। कार्तिक के महीने में जो लोग तेल का प्रयोग नहीं करते है वह भी इस दिन तेल का प्रयोग कर सकते हैं। ऐसी मान्यता है की इस दिन तिल्ली के तेल में लक्ष्मी जी का और जल में गंगा जी का निवास होता हैं। तेल लगाने से पहले शरीर में उबटन भी लगाना चाहिए। जल में हल्दी और कुमकुम डालकर स्नान करना सर्वोत्तम माना है। स्नान करने से पूर्व तुम्बी (लौकी का टुकड़ा) और अपामार्ग (आठ उंगली लकड़ी का टुकड़ा), दोनों को अपने सर के चारो ओर 7 बार घुमाना चाहिए। इससे नर्क का भय समाप्त हो जाता है। तुम्बी और अपामार्ग को घुमाते वक्त यह बोले - हे तुम्बी, हे अपामार्ग आप बार-बार फिराएं जाते हो , आप मेरे पापों को दूर करों ओर कुबुद्धि का नाश करो। स्नान करने के बाद इस तुम्बी और अपामार्ग को घर की दक्षिण दिशा में विसर्जित कर देना चाहिए। नहाने के बाद साफ कपड़े पहनकर, तिलक लगाकर दक्षिण दिशा की ओर मुख करके निम्न मंत्रों से प्रत्येक नाम से तिलयुक्त तीन-तीन जलांजलि देनी चाहिए। यह यम-तर्पण कहलाता है।

पुराणों की कथा के अनुसार

भगवान श्री कृष्ण ने कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी तिथि को नरकासुर नाम के असुर का वध किया। नरकासुर ने 16 हजार कन्याओं को बंदी बना रखा था। नरकासुर का वध करके श्री कृष्ण ने कन्याओं को बंधन मुक्त करवाया। इन कन्याओं ने श्री कृष्ण से कहा कि समाज उन्हें स्वीकार नहीं करेगा अतः आप ही कोई उपाय करें। समाज में इन कन्याओं को सम्मान दिलाने के लिए सत्यभामा के सहयोग से श्री कृष्ण ने इन सभी कन्याओं से विवाह कर लिया। नरकासुर का वध और 16 हजार कन्याओं के बंधन मुक्त होने के उपलक्ष्य में नरक चतुर्दशी के दिन दीपदान की परंपरा शुरू हुई। एक अन्य मान्यता के अनुसार नरक चतुर्दशी के दिन सुबह स्नान करके यमराज की पूजा और संध्या के समय दीप दान करने से नर्क के यतनाओं और अकाल मृत्यु का भय नहीं रहता है। इस कारण भी नरक चतुर्दशी के दिन दीनदान और पूजा का विधान है।

पूजन विधि

इस दिन सुबह सूर्योदय से पहले उठकर शरीर पर तेल या उबटन लगाकर मालिश करने के बाद स्नान करना चाहिए। ऐसा माना जाता हैं कि जो व्यक्ति नरक चतुर्दशी के दिन सूर्य के उदय होने के बाद नहाता हैं। उसके द्वारा पूरे वर्ष भर में किये गये शुभ कार्यों के फल की प्राप्ति नहीं होती। सूर्य उदय से पहले स्नान करने के बाद दक्षिण मुख करके हाथ जोड़कर यमराज से प्रार्थना करें। ऐसा करने से व्यक्ति के द्वारा किये गये वर्ष भर के पापों का नाश होता हैं। इस दिन विशेष पूजा की जाती है जो इस प्रकार होती है, सर्वप्रथम एक थाल को सजाकर उसमें एक चौमुख दिया जलाते हैं तथा सोलह छोटे दीप और जलाएं तत्पश्चात रोली खीर, गुड़, अबीर, गुलाल, तथा फूल इत्यादि से ईष्ट देव की पूजा करें। इसके बाद अपने कार्य स्थान की पूजा करें। पूजा के बाद सभी दीयों को घर के अलग अलग स्थानों पर रख दें तथा गणेश एवं लक्ष्मी के आगे धूप दीप जलाएं। इसके पश्चात संध्या समय दीपदान करते हैं जो यम देवता, यमराज के लिए किया जाता है। विधि-विधान से पूजा करने पर व्यक्ति सभी पापों से मुक्त हो प्रभु को पाता है।

नरक चतुर्दशी का महत्व

हिन्दू मान्यताओं के अनुसार यह माना जाता है कि कार्तिक कृष्णपक्ष चतुर्दशी के दिन मृत्यु के देवता यमराज की पूजा का विधान है। दीपावली से एक दिन पहले मनाई जाने वाली नरक चतुर्दशी के दिन संध्या के पश्चात दीपक प्रज्जवलित किए जाते हैं। इस चतुर्दशी का पूजन कर अकाल मृत्यु से मुक्ति तथा स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए यमराज जी की पूजा व उपासना की जाती है।

आलस्य और दुष्टता को करें नष्ट

लोग अपने जीवन में वास्तविक प्रकाश लाने के साथ साथ अपने जीवन से आलस्य और दुष्टता को नष्ट करने के लिये पूजा करते है। लोगो की मान्यता है कि सिर धोने और आँखों में काजल लगाने से सभी बुरी दृष्टि उनसे दूर रहेंगी। तंत्र से संबंधित व्यक्तियों की धारणा है कि इस दिन पर उनके मंत्रों का अभ्यास उनकी तंत्र शक्ति में और वृद्धि करेगा।

इन उपायों को भी आजमाएं

नरक चतुर्दशी को शाम के बाद अपने घर व व्यावसायिक स्थल पर तेल का दिया जलाने से लक्ष्मी का स्थायी निवास होता है। इस दिन अपने घर की सफाई जरूर करनी चाहिए। घर की सफाई के साथ ही सौन्दर्य प्राप्ति के लिए भी शरीर पर उबटन लगा कर स्नान करना चाहिए। ऐसा कहा जाता है कि जो इस दि सूर्य उदय से पहले स्नान करता है उसको नरक नहीं भोगना पड़ता है। इस दिन रात को तेल अथवा तिल के तेल के 14 दीपक जलाने की भी परम्परा है। ऐसा माना जाता है कि नरक चतुर्दशी के दिन तिल के तेल में माँ लक्ष्मी और पानी में गंगा जी का वास होता है। जो व्यक्ति धनतेरस से लेकर दिवाली तक घर में रोज दीपक जलाता है उसके घर में कभी भी पैसों की कमी नहीं रहती। कहा जाता है कि इस दिन नर्क से बचने के लिए तिल के तेल से नहाना चाहिए।

क्या अवश्य करें

इस दिन जहां घर की सफाई की जाती है वहीं घर से हर प्रकार का टूटा-फूटा सामान भी फैंक देना चाहिए। घर में रखे खाली पेंट के डिब्बे, रद्दी, टूटे-फूटे कांच या धातु के बर्तन, किसी प्रकार का टूटा हुआ सजावटी सामान, बेकार पड़ा फर्नीचर व अन्य प्रयोग में न आने वाली वस्तुओं को यमराज का नरक माना जाता है इसलिए ऐसी बेकार वस्तुओं को घर से हटा देना चाहिए। इस दिन सायं 4 बत्ती वाला मिट्टी का दीपक पूर्व दिशा में अपना मुख करके घर के मुख्य द्वार पर रखें तथा **'दत्तो दीप' चतुर्दश्यो नरक प्रीतये मया। चतुर्वर्ति समायुक्त - सर्व पापा न्विमुक्तये।।'** मंत्र का जाप करें और नए पीले रंग के वस्त्र पहन कर यम का पूजन करें। जो व्यक्ति इन बातों पर अमल करता है उसे नर्क की यातनाओं और अकाल मृत्यु का भय नहीं रहता।

जलायें 11, 21, 31 दीए

नरक चतुर्दशी पर शाम को 11, 21 या 31 दीये जलाने का विधान है। इनमें से पांच या सात दीपक घी के जलायें और शेष सरसों के तेल से घी का एक-एक दीपक पूजा के स्थान, पानी रखने के स्थान, भण्डारगृह और गौशाला में रखना चाहिए। शेष दीपक विभिन्न स्थानों पर रख दिये जाते हैं। दीपक जलाते समय रोली, चावल, खील और बताशों से इनकी पूजा भी करनी चाहिए। स्नान के बाद तीन अंजुलि जल यमराज के निमित्त तर्पण करना चाहिए। इससे यमराज प्रसन्न होते हैं। ऐसा करने से अकाल मृत्य का भय समाप्त हो जाता है।

नरक चतुर्दशी को मानते हैं हनुमान जयंती के रूप में

भारत में कहीं कहीं ऐसा माना जाता है कि इस दिन कार्तिक मास कृष्ण पक्ष की चौदस के दिन हनुमान जी ने माता अंजना के गर्भ से जन्म लिया था। इस जयंती का उल्लेख वाल्मीकि रामायण में मिलता हैं। वैसे हनुमान जयंती चैत्र महीने की पूर्णिमा के दिन मनाई जाती है लेकिन आप नरक चतुर्दशी यानी कि कार्तिक मास कृष्ण पक्ष की चौदस के दिन हनुमान चालीसा, हनुमानअष्टक, सुन्दरकाण्ड आदि जैसे पाठ करते हैं तो आपके लिए शुभकारी होता है। इससे मुसीबतों से मुक्ति और अनहोनी से रक्षा होती है। नरक चतुर्दशी की संध्या के समय घर के पश्चिम दिशा में खुले स्थान पर या घर के पश्चिम में 14 दीपक पूर्वजों के नाम से जलाना चाहिए। इससे पितृ दोषों का नाश होता है और पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है। इससे घर में धन-समृद्धि की बढ़ोत्तरी होती है।

रेसिपी

मैदा के मीठे पेठे

सामग्री

1 कप रवा (सूजी), चार कप मैदा छना हुआ, एक कटोरी घी मोयन के लिए, आधा चम्मच बेकिंग पाउडर, दो कटोरी शक्कर, इलायची पाउडर, घी अलग से, पाव कटोरी मेवे की कतरन।

विधि

सर्वप्रथम सूजी-मैदे में बेकिंग पाउडर मिला लें और गरम घी का मोयन देकर गुनगुने पानी से कड़ा आटा गूंथ लें। अब बड़ी-बड़ी लोई बनाकर मोटा बेल लें। मोटी व लंबी-लंबी स्ट्रिप काट लें। पूरे मैदे की स्ट्रिप बनने के बाद कपड़े पर एकाध घंटा सुखने के लिए रख दें। एक कड़ाही में आवश्यकता के अनुसार घी गरम करके धीमी आंच पर सारे पेठे तल लें। ध्यान रहे कि पेठों का रंग ज्यादा न बदलें। सारे पेठे तलने के बाद एक बर्तन में शक्कर में आधा कप पानी डालकर बूरे की चाशनी तैयार करके उसमें इलायची डाल दें। पेठे ठंडे होने के बाद कड़छी की सहायता से उन पर चाशनी बखेरती जाएं, ऊपर से मेवे की कतरन बुरक कर उन्हें पलटे की सहायता से धीमे-धीमे ऊपर-नीचे करती रहे। सारे पेठों पर चाशनी चढने के बाद उन्हें ठंडा करके एयर टाइट डिब्बे में भर दें। मैदे के मीठे पेठे का आनंद उठाएं।

कम बजट में भी ऐसे दें घर को नया लुक

दीवाली का त्यौहार भारत में बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन को लेकर हर व्यक्ति के मन में बहुत ही उत्साह और खुशियां होती हैं। दीवाली के दिन सभी लोग अपने घरों को बड़े ही सुंदर तरीके से सजाते हैं और खूब दीपमाला करते हैं। वैसे भी आजकल मार्किट में दीवाली डैकोरेशन की कई तरह की ट्रैंडी चीजें मौजूद हैं जिससे घर की सुंदरता को चार चांद लग जाते हैं लेकिन ये मंहगी चीजें खरीदना हर किसी के बस की बात नहीं होती। ऐसे में कुछ आसान तरीके अपनाकर कम बजट में ही घर को खूबसूरत ढंग से सजाया जा सकता है।

मिट्टी के दीए

दीवाली के दिन घर के सभी कोनों में दीए जलाए जाते हैं और घर को रोशन किया जाता है। मार्किट में कई तरह के मंहगे दीए मौजूद हैं जो आजकल हर किसी की पहली पसंद होती है लेकिन जिन लोगों का बजट कम होता है वे ऐसे मंहगे दीए नहीं खरीद पाते। ऐसे में सिंपल मिटट्री के दीयों को घर पर ही रंग-बिरंगा पेंट करके सुंदर बनाया जा सकता है।

पेपर पेस्टिंग: ज्यादातर लोग दीवाली पर अपने घरों में पेंट करवाते हैं ताकि घर की गंदगी साफ हो सके। जो लोग पेंट नहीं करवा सकते वे दीवारों को पेपर पेस्टिंग के जरिए अलग अंदाज से डेकोरेट कर सकते हैं। इससे खर्चा भी कम होगा और घर को एक अलग लुक भी मिलेगा।

फूलों से घर सजाएं: बाजार से मंहगे तोरन और सजावट की चीजें लाने की बजाए रंग-बिरंगे फूलों से भी घर को डेकोरेट कर सकते हैं। आप चाहें तो एक बड़े बाउल में पानी डालकर उसमें भी फूल और दीए डालकर टेबल के बीच में रख सकते हैं। यह घर में आने वाले मेहमानों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा।

साड़ी के पर्दे: कुछ लोग दीवाली से पहले घर के पर्दे तक भी बदल देते हैं। ऐसे में कम बजट होने पर नए पर्दे लेने की बजाए आप अपनी पुरानी साड़ियों से भी पर्दे बनवा सकते हैं। इससे खर्च भी कम होगा और घर को यूनिक लुक भी मिलेगा।

कागज के कैंडल: दीवाली पर मार्किट में कई रंग-बिरंगी और डिजाइन किए हुए कैंडल मिल जाते हैं लेकिन ये काफी मंहगे होते हैं। ऐसे में घर पर ही सिंपल मोमबत्ती को रंग-बिरंगे कागज की मदद से डेकोरेट कर सकते हैं। मोमबत्तियों को डेकोरेट करने के बहुत से तरीके हैं। आप चाहे तो मोमबत्ती के चारों तरफ कलरफुल कागज लपेट सकते हैं या किसी चार्ट पेपर में बीच-बीच में कटिंग करके उसमें भी मोमबत्ती रख सकते हैं जो एक लैंप का भी काम करेगी।

शाही वेज बिरयानी

सामग्री

चावल भीगे हुए, 1 आलू छील कर कटा हुआ, 100 ग्राम उबले हरे मटर, 1 गाजर महीन कटा हुआ, 1-2 प्याज महीन कटा हुआ, अदरक लहसुन का पेस्ट आधा चम्मच, 1 टमाटर कटा हुआ, हरी मिर्च 4-5 कटी हुई, फूल गोभी 2-4 पीस कटा हुआ, 2 बड़े चम्मच घी या तेल, 2 लौंग, 2 इलायची, 1 टुकड़ा दाल चीनी, जायफल, आधा चम्मच गरम मसाला, स्वादानुसार नमक, 2 चम्मच हरा धनिया कटा हुआ, पानी अंदाज से।

विधि

पैन में घी गरम करें। उसमें जीरा, लौंग, इलायची, जायफल डाल दें। अब हरी मिर्च, अदरक लहसुन का पेस्ट और प्याज डालकर 2-3 मिनट भून लें। हलका गुलाबी होने पर अब सब्जियां डालकर 5-6 मिनट भून लें। अब सब्जी भूनने पर उसमें चावल डालकर धीरे-धीरे चलाते हुए भून लें। जिससे चावल टूटे नहीं। हलके भूनने के बाद उसमें 3 कप पानी डाल दें और नमक अंदाज से डालें और हलकी आंच पर 15 से 20 मिनट तक बनने दें। आंच से उतारने के 1-2 मिनट पहले उसमें पनीर डाले दे और गैस बंद कर दें। चावल ढंका ही रहने दें और सर्व करने के पहले उसमें गरम मसाला और हरा धनिया डाल दें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**